ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ऑपरेशन सिंदूर : समर्थन में बेंगलूरु में कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा.. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 10 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-128

भारत की दृढ़ता का नया परिचय : ऑपरेशन सिंदूर

आंख उठाई तो घुस कर मारेंगे...

शुभ-लाभ विमर्श

आतंकवादी संगठनों और संरक्षक देशों को स्पष्ट संदेश

YmZ § r mo✗r नेतृत्व में यह ऑपरेशन एक स्पष्ट और सुस्पष्ट संदेश देता है कि सीमा पार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों, चाहे वे सरकारी हों या गैर-सरकारी, को ठोस कीमत चुकानी होगी। परमाणु बल प्रयोग के लंबे समय से चले आ रहे हौव्वे को मोदी सरकार ने खत्म कर दिया और उसकी जगह दृढ़ता और स्पष्टता ने जगह ले ली है।

26 अप्रैल 2025 को कोडनेम ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर भारत के हालिया सटीक हमलों ने एक स्पष्ट संदेश दिया है। भारत के खिलाफ किसी भी दुस्साहस की कीमत चुकानी होगी। हमले से कुछ ही दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए स्पष्ट रूप से कहा था, हम उन्हें धरती के छोर तक खदेड़ देंगे। हम हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेंगे, उनका पता लगाएंगे और उन्हें उनकी कल्पना से परे दंडित करेंगे। इस ऑपरेशन ने उन शब्दों के पीछे के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। पिछली प्रतिक्रियाओं के विपरीत, भारतीय सशस्त्र बलों ने न केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भी अंदर तक हमला किया। यह सब सावधानीपूर्वक पाकिस्तानी सेना पर सीधे हमलों से बचते हुए किया गया। आधिकारिक तौर पर यह ऑपरेशन केंद्रित, लक्षित, नपातुला और सटीक कार्रवाई के रूप में पारिभाषित हुआ। इस ऑपरेशन ने भारत की आतंकवाद-रोधी रणनीति के एक नई दहलीज पर दृढ़ता से खड़े होने का संकेत दिया।

इस सोची-समझी कार्रवाई ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और उन सारी ताकतों को एक तीखी चेतावनी देने वाली साबित हुई। पाकिस्तान को भी यह समझ में आ गया कि आतंकवाद को लगातार समर्थन देने से पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान भी भारत के निशाने पर आ सकते हैं। संयमित और बेजोड़ सटीकता से ऑपरेशन सिंदूर ने विश्वसनीय प्रतिरोध और रणनीतिक दृढ़ता की एक नई रणनीति का पूरे विश्व को संकेत दिया है।

हमले के बाद, भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी ढांचे को विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत निशाना बनाया गया। नागरिक और सैन्य हताहतों से बचने के लिए हमले सावधानीपूर्वक किए गए। भारत के रुख की पुष्टि करते हुए, बयान में कहा गया, भारत सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अपने नागरिकों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। नई दिल्ली ने पाकिस्तान से आतंकी नेटवर्क को खत्म करने को भी कहा और

▶10पर

कंधार विमान अपहरण का सरगना रऊफ अजहर ढेर

अमेरिका ने कहा, धन्यवाद भारत

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। भारत के हालिया एयर स्ट्राइक में जैश-ए-मोहम्मद के वरिष्ठ आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर के मारे जाने की खबर सामने आई। वह अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी मसूद अजहर का छोटा भाई था, जिसे 1999 में कंधार विमान अपहरण के बाद रिहा करना पड़ा था। अब्दुल रऊफ लंबे समय से जैश-ए-मोहम्मद संगठन की कमान संभाल रहा था और कई बड़े आतंकी हमलों में शामिल था।

अब्दुल रऊफ अजहर वही आतंकी है, जिसने 2002 में अमेरिकी यहूदी पत्रकार डेनियल पर्ल का सिर कलम कर बेरहमी से हत्या कर दी थी। डेनियल वॉल स्ट्रीट जर्नल के वरिष्ठ पत्रकार थे और उनकी नृशंस हत्या ने पूरी दुनिया को हिला दिया था। अफगानिस्तान और इराक में अमेरिका के पूर्व राजदूत और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि जालमे खलीलजाद ने अब्दुल रऊफ अजहर के मारे जाने पर भारत को धन्यवाद कहा है।

उन्होंने कहा, भारत ने पाकिस्तान में छिपे खूंखार आतंकी अब्दुल रऊफ अजहर को मार गिराया है। यह वही आतंकवादी है जिसने 2002 में डेनियल पर्ल की हत्या की थी। अब न्याय मिला है। थैंक यू इंडिया। एक अन्य अमेरिकी राजनयिक एली कोहनिम ने भी भारत के

▶10पर

भारत के मिसाइल जवाब से थर्राया पाकिस्तान

कारगर हमले की पहुंच में पूरा पाकिस्तान

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करते हुए 300 किलोमीटर तक अंदर मौजूद ज्यादातर अहम ठिकानों पर जबरदस्त हमले किए जिससे पाकिस्तान थर्रा उठा। 8 मई की रात पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद समेत 9 अहम शहरों पर भारत ने मिसाइलों और ड्रोन की बौछार कर दी। एबटाबाद जहां कभी आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान ने छिपा कर रखा था उस शहर पर भी मिसाइल दागे गए। भारतीय सीमा में पाकिस्तानी गोलाबारी और ड्रोन हमले का भी भारतीय सेना ने जबरदस्त जवाब दिया। न सिर्फ पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल अटैक को निरस्त किया बल्कि ताबड़तोड़ जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान की नाक में दम कर दिया। भारत ने जिन शहरों पर हमले किए उसमें इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, सियालकोट, पेशावर, बहावलपुर शामिल हैं। भारत की वायुसेना, नौसेना और थल सेना ने कदम से कदम मिलाते हुए पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान की हरकतों के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिस्री एवं थलसेना और वायुसेना की प्रवक्ताओं क्रमशः कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने शुक्रवार को मीडिया को विस्तार से जानकारी दी। 8 से 9 मई की रात को हुए पाकिस्तान के हमलों के बारे में मीडिया को जानकारी दी गई। बताया गया कि पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर लेह से लेकर सर क्रीक तक 36 जगहों पर 300-400 ड्रोन से घुसपैठ की कोशिश की। ये ड्रोन तुर्किये के बताए जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के इरादे से भारतीय इलाकों में हमला किया। पाकिस्तान ने 36 स्थानों पर घुसपैठ का प्रयास किया। पाकिस्तान की ओर से 300 से 400 ड्रोन भेजे गए। जांच में पता चला है कि ड्रोन तुर्किये निर्मित थे। इस तनाव की स्थिति और भारत के पलटवार की संभावना के बावजूद पाकिस्तान ने अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। वह उसका इस्तेमाल ढाल के तौर पर कर रहा है। भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई कर उसका एक और एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट कर दिया।

कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया, पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की नीयत से पूरी पश्चिमी सीमा पर भारतीय वायु क्षेत्र का कई बार उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर वाले हथियारों से गोलाबारी भी की। अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर लेह से लेकर सरक्रीक तक 36 जगहों पर 300-400 ड्रोन का इस्तेमाल कर घुसपैठ का प्रयास किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने काइनेटिक और नॉन काइनेटिक साधनों से कई ड्रोन मार गिराए। बड़े पैमाने पर ड्रोन के जरिए हवाई घुसपैठ का संभावित उद्देश्य देश की वायुरक्षा प्रणालियों का परीक्षण और खुफिया जानकारी जुटाना था।

▶10पर

पाकिस्तानी सेना का प्रमुख जनरल मुनीर लापता

हिरासत में लिए जाने की खबर

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर को गिरफ्तार किए जाने और जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को नया सेनाध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा काफी गर्म है। कुछ रिपोर्ट्स बताती हैं कि जनरल मुनीर को एक सैन्य कमेटी ने हिरासत में लेकर अनजान जगह भेज दिया है। भारत की ओर से युद्धोन्माद फैलाने की प्रतिक्रिया में भारत से मिले जबरदस्त जवाब के बाद मुनीर का इस्तीफा लिया गया। पाकिस्तान की ओर से इस विषय पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन पाकिस्तान के सैन्य गलियारे में चर्चा है कि कल देर रात से ही मुनीर का कोई अता-पता नहीं है। मिल रही खबरों के अनुसार, जनरल मुनीर को किसी अज्ञात स्थान पर रखा गया है और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के प्रमुख जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को जनरल मुनीर की जगह पद पर बैठाया गया है। पाकिस्तानी सेना में भीषण गुटबाजी और जनरल मुनीर के खिलाफ शीर्ष सेनाधिकारियों में भारी नाराजगी लगातार खबरों में रही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के भी कल देर रात किसी बंकर में छिपकर रात बिताने की अपुष्ट खबर आई। कल रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के आवास से लगभग 20 किलोमीटर

▶10पर

सांबा जिले में पाकिस्तानी घुसपैठ की कोशिश नाकाम

भारत में घुस रहे 7 आतंकियों को बीएसएफ ने मारा

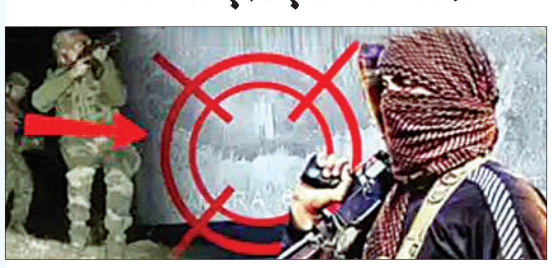

सांबा, 09 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से की गई घुसपैठ की बड़ी कोशिश को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने नाकाम कर दिया। शुक्रवार 9 मई के तड़के हुई इस मुठभेड़ में बीएसएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। बीएसएफ ने बताया कि 9 मई की देर रात (तड़के) सांबा सेक्टर में संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। बीएसएफ के जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घुसपैठियों को चुनौती दी, जिस पर आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में बीएसएफ ने घुसपैठियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। सात आतंकवादी सीमा पार नहीं कर सके और वहीं ढेर कर दिए गए।

▶10पर

बलूचिस्तान ने कर दिया स्वतंत्र राष्ट्र होने का दावा

बलूचिस्तान में शीघ्र होगी अंतरिम सरकार की घोषणा!

क्वेटा, 09 मई (एजेंसियां)। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बाईस अप्रैल को आतंकवादी हमला करवाकर पाकिस्तान बुरी तरह फंस गया है। इस हमले से दोनों के बीच के सैन्य टकराव पर सारी दुनिया की नजर है। इस बीच खबर है कि पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित बलूचिस्तान प्रांत ने पाकिस्तान से अलग होने और स्वतंत्र राष्ट्र होने की घोषणा कर दी है। यह भी कहा है कि आजाद बलूचिस्तान में अंतरिम सरकार की घोषणा शीघ्र की जाएगी। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा पाकिस्तान का नौवां सबसे बड़ा शहर है। लेखक मीर यार बलोच द्वारा आजादी की घोषणा के सार्वजनिक किए जाने से पाकिस्तान में खलबली मच गई है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में गुरुवार देर रात पाकिस्तानी सेना पर सिलसिलेवार हमले हुए। इन हमलों में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें फ्रंटियर कोर का मुख्यालय, सुरक्षा चेकपोस्ट और हजारा टाउन की सेना पोस्ट शामिल है। हथियारबंद बलूचों ने क्वेटा स्थित फ्रंटियर कोर मुख्यालय मुख्यालय को निशाना बनाया। हमले से पहले कई जोरदार विस्फोट हुए और उसके बाद भीषण गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। क्वेटा के कंबरानी रोड स्थित सफर खान चेक पोस्ट पर भी कम से कम दो विस्फोट हुए। किरानी रोड स्थित हजारा टाउन की सेना पोस्ट पर भी हथियारबंद बलूचों ने हमला किया। धमाकों और गोलीबारी की आवाजें पूरे इलाके में गूंजती रहीं। बलूच विद्रोहियों के इस हमले में

▶10पर

सेना प्रमुख को प्रादेशिक सेना की तैनाती का अधिकार

टी.ए. की 14 बटालियनें सेवा में बुलाई गईं

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार देश की सुरक्षा और पाकिस्तान को माकूल जवाब देने के लिए कई बड़े फैसले ले रही है। केंद्र सरकार ने सेना प्रमुख को यह अधिकार दिया है कि वे अगले तीन वर्ष तक प्रादेशिक सेना को नियमित सेना के सहयोग के लिए तैनात कर सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश 9 फरवरी 2028 तक लागू रहेगा। इसका मतलब है कि अगले तीन साल तक सेना प्रमुख के पास टीए को किसी भी जरूरी मिशन के लिए तैनात करने का पूरा अधिकार रहेगा। प्रादेशिक सेना 9 अक्टूबर 1949 को स्थापित की गई थी। यह बल न सिर्फ युद्ध के समय देश की सेवा करता है, बल्कि आपदा राहत,

▶10पर

सुहास हत्याकांड को लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

एनआईए जांच के आदेश देने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सुहास हत्या मामले की एनआईए से जांच होनी चाहिए। हमने राज्यपाल से इस संबंध में राज्य सरकार को आदेश जारी करने का अनुरोध किया है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा सुहास की हत्या की निष्पक्ष जांच की हमारी उम्मीदें धराशायी हो गई हैं। इसलिए हमारे सभी प्रतिनिधि, सुहास का परिवार, राज्यपाल से मिले हैं। इस मामले में विदेशी धन के प्रवाह की चर्चा है। उन्होंने कहा कि इसमें पीएफआई का कनेक्शन भी नजर आ रहा है। सुहास की हत्या के दौरान भाजपा ने मेंगलूरु चलो का निर्णय लिया था। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू हुआ, तो हम शांति बनाए रखने और देश के साथ खड़े होने के लिए वहां मौजूद थे। हालांकि, उन्होंने सुहास की हत्या के बाद चल रही जांच की आलोचना की, जिससे संदेह पैदा हुआ है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मेंगलूरु में हत्या किए गए सुहास शेट्टी की मां, पिता और ससुर के साथ भाजपा

विधायकों और नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला। यद्यपि कई कारों का इस्तेमाल किया गया, लेकिन उनमें से केवल कुछ ही जब्त की गईं। केवल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जानकारी मिल रही है कि इसके पीछे 15-20 और लोग शामिल हैं। हत्यारों को बचाने के लिए काम करने वाली महिलाओं को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी मिल रही है कि विदेश से पैसा आया है। यह बात सामने आ रही है कि हत्या में शामिल लोगों की पीएफआई से संपर्क है। इसके साथ ही दो-तीन अन्य हिंदू कार्यकर्ताओं पर भी सुहास की 'हत्या' का आरोप लगाया गया। उन्होंने इस खतरे की ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि आप अगले लक्ष्य हैं। अध्यक्ष का यह बयान कि फाजिल का परिवार इसमें शामिल नहीं है, अप्रत्यक्ष बचाव प्रतीत होता है। गृहमंत्री परमेश्वर ने कहा है कि जांच शुरू होने से पहले इसे एनआईए को देना संभव नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि वहां की पुलिस इन बयानों के आधार पर ईमानदार जांच कैसे कर सकती है। उन्होंने पूछा कि अन्य हिंदू कार्यकर्ता सुरक्षा की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने परिवार से बात करने के लिए कुछ भी नहीं किया है। केंद्र सरकार ने राज्यों को पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर उनके देश भेजने का निर्देश दिया है। हालांकि, बी.वाई. विजयेंद्र ने आपत्ति जताते हुए कहा कि हमारे राज्य की कांग्रेस सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया है। भाजपा ने राज्य में हस्ताक्षर संग्रह अभियान चलाया है। 60,000 से अधिक हस्ताक्षर एकत्र करने के बाद, हमने जिला मजिस्ट्रेट और राज्यपाल से मुलाकात की। हमने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार से राज्य में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को तुरंत वापस भेजने के लिए निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है। इस अवसर पर सुहास की मां सुलोचना शेट्टी, ससुर राजेश भंडारी, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, भाजपा के प्रदेश महासचिव व विधायक वी. सुनील कुमार, विधानसभा के मुख्य सचेतक गौड़ा एच. पाटिल, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधायक, विधान परिषद सदस्य व पार्टी नेता उपस्थित थे।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। मांड्या में विराजित युग प्रधान आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनि की सुशिष्या तप कौमुदी महासती निर्मला के दर्शन हेतु शुक्रवार को राजाजीनगर श्रीसंघ से कार्यकारिणी टीम उपस्थित हुई। महासती निर्मला ने कहा कि राजाजीनगर संघ सदैव साधु साध्वी की सेवा में अग्रणी रहा है। इसी प्रकार संतों की सेवा एवं धर्म का लाभ आपके संघ में बना रहे। साध्वी नन्दिनी ने संघ की सराहना करते हुए धर्म संदेश दिया। साध्वी उपमा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य को वाणी का उतना ही प्रयोग करना चाहिए जितनी उसकी आवश्यकता है। वहीं उसे इस तरह से प्रयोग करें ताकि वह दूसरों के लिए हितकारी साबित हो। हमारी वाणी में मधुरता का जितना अधिक अंश होगा हम उतने ही दूसरों के प्रिय बन सकते हैं। हमारी बोली में माधुर्य के साथ-साथ शिष्टता भी होनी चाहिए। हमारी वाणी ही हमारी मर्यादा का परिचय देती है। मधुर वाणी लोगों के मन में विश्वास, स्नेह और प्रेम की भावना उत्पन्न करती है। इस मौके पर राजाजीनगर श्रीसंघ से अध्यक्ष प्रकाशचन्द चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, भंवरलाल चोरड़िया, पारसमल भलगट, त्रिशला महिला मंडल के उपाध्यक्ष अमृता भलगट, मंत्री रेखा पोखरना, सह मंत्री नीतू सुराणा आदि एवं मांड्या संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। गुरुवर्या का आगामी 2025 का चातुर्मास राजाजीनगर बेंगलूरु में घोषित है। चातुर्मास प्रवेश 2 जुलाई को रहेगा। राजाजीनगर संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने अपने विचार रखे। संचालन मांड्या संघ के अध्यक्ष मदनलाल दलाल एवं आभार ज्ञापन मंत्री विनोद जैन ने किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में अलसूर महिला मंडल ने संघ अध्यक्षा आशा बाई बोहरा के नेतृत्व में शासन स्थापना दिवस के संदर्भ में सेवा आयोजन के अंतर्गत तपती गर्मी में आम नागरिकों को छाछ और गुड़ देकर शीतल पेय पिलाया। महावीर भवन के मुख्य द्वार पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने की। इस अवसर पर मंजू बाई लोढ़ा, इंदिरा बाई गादिया, कंचन बाई गादिया, सुनीता चोरड़िया, वसन्ता खाब्या, किरण बाई गादिया एवं सुनील कुमार कावड़िया उपस्थित थे। देश की सेना की अनुमोदना में जय हिंद के नारों के साथ सेवा आयोजन संपन्न हुआ।*

मेंगलूरु-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस 22 मई से 16 कोचों के साथ चलेगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उच्च मांग और संरक्षण के कारण, दक्षिण रेलवे ने 22 मई, 2025 से मेंगलूरु सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-मेंगलूरु सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 20631/632) में आठ और कोच जोड़ने का फैसला किया है। दक्षिण रेलवे ने कहा वर्तमान में यह सेवा आठ कोचों, एक कार्यकारी श्रेणी और सात चेयर कार कोचों के साथ चलती है। रेलवे नियत तिथि से संबंधित श्रेणियों के लिए समान संख्या में कोच जोड़ेगा, जिससे यह 16-डिब्बों वाली रेक बन जाएगी। कोच बढ़ाने पर, रेक में 14 चेयर कार कोच और दो कार्यकारी श्रेणी के कोच होंगे। कोचों की संख्या में वृद्धि के परिणामस्वरूप, सेवाओं की यात्री वहन क्षमता में वृद्धि होगी। जहां आठ-कार रेक की क्षमता लगभग 530 यात्रियों की थी, वहीं 16-कार रेक 1,128 यात्रियों को ले जा सकती थी। चेयर कार की क्षमता 78 यात्रियों (पहले और आखिरी कोच में 44) को ले जाने की है, जबकि एग्जीक्यूटिव क्लास में 52 यात्री ले जा सकते हैं। तिरुवनंतपुरम-कासरगोड-तिरुवनंतपुरम के बीच चलने वाली एक अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 20634/633) को इस साल जनवरी में पहले ही 20-कार रेक में अपग्रेड किया गया था। ट्रेन संख्या 20631/632, जो शुरू में तिरुवनंतपुरम-कासरगोड-तिरुवनंतपुरम के बीच चल रही थी, को 13 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअली हरी झंडी दिखाने पर मेंगलूरु सेंट्रल तक विस्तारित किया गया था। सुबह 6.25 बजे रवाना होकर दोपहर 3.05 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल पहुँचती है। यह 72 किमी प्रति घंटे की औसत गति से 8.40 घंटे में 620 किमी की दूरी तय करती है। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 20632 तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से शाम 4.05 बजे रवाना होती है और 8.35 घंटे में सुबह 12.40 बजे (आधी रात के बाद) मेंगलूरु सेंट्रल पहुँचती है। बुधवार को छोड़कर, यह सेवा सप्ताह के सभी दिनों में संचालित होती है। मेंगलूरु-तिरुवनंतपुरम वीबी एक्सप्रेस का किराया सीसी श्रेणी के लिए 1,615 और ईसी श्रेणी के लिए 2,945 रखा गया है। वापसी की यात्रा में, किराया क्रमशः 1,575 और 2,910 निर्धारित किया गया है।

कैंसर जागरूकता अभियान आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कैंसर जागरूकता अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा गुरुवार को कैंसर रोकथाम हेतु लोगों को जागरूक किया गया। सदस्याओं ने अकम्मा देवी आश्रम, रेस्टोरेंट्स दुकानों आदि जगहों पर जाकर लोगों को कैंसर से बचने के टिप्स दिए। साथ ही बताया कि भोजन को न्यूजपेपर, फॉयल पेपर इत्यादि में नहीं लपेटना चाहिए। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इसके लिए उन्होंने रेस्टोरेंट, दुकानों में बटर पेपर का वितरण करते हुए बताया कि खाद्य पदार्थों की पैकिंग में फॉयल पेपर आदि का उपयोग न करते हुए बटर पेपर का अधिक से अधिक उपयोग करें। इस अभियान में अध्यक्ष मंजु गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू एवं कैबिनेट की सदस्याएं शामिल थी।

एक शाम ज्योतिचरण के नाम भक्ति संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित एवं तेरापंथ युवक परिषद एचबीएसटी हनुमंतनगर द्वारा आयोजित महाश्रमण अभिवंदना एक शाम ज्योतिचरण के नाम भक्ति संध्या का आयोजन साध्वी संयमलता जी के पावन सानिध्य में हनुमंतनगर स्थित तेरापंथ भवन में किया गया। भक्ति संध्या की शुरुआत साध्वी द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंगलमंत्रोचार से हुई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश ने भक्ति संध्या में पधारे सभी का स्वागत किया। साध्वी मार्धव जी ने युवाओं से कहा कि युवा वर्ग इतना आ रहा है जो महाश्रमण की कृपा है। साध्वी रौनकप्रभा जी ने साध्वी श्री संयमलता जी द्वारा रचित महाश्रमण जी पर सुमधुर गीतिका का संगान किया। मोहित दक द्वारा चरणों में वंदन करता है जन-जन जैसे बहुत से मनमोहक सुमधुर गीतिकाओं की प्रस्तुति दी गई। तेयुप द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम भजन मंडली सहसंयोजक सुरेश कोठारी, विक्रम पुंगलिया, विक्रम दुगड़, उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता, उपाध्यक्ष द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, संगठन मंत्री संदीप बाबेल ने अपनी सुमधुर गीतिकाओं से वातावरण को भक्तिमय बनाया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष गौतम दक, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, तेयुप सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, महावीर देरासरिया, किशोर मंडल संयोजक जिंनेश धोका आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार परिषद मंत्री संदीप चौधरी ने व्यक्त किया।

भूमि विवाद या नागरिक विवादों में शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि यदि पुलिस अधिकारियों या कर्मियों के भूमि विवाद या नागरिक विवादों में शामिल होने की शिकायतें मिलती हैं, तो उनके खिलाफ सख्त और कठोर कार्रवाई की जाएगी। शहर के अदुगोडी स्थित सीएआर परेड ग्राउंड में शुक्रवार को आयोजित मासिक सेवा परेड में भाग लेने के बाद बोलते हुए उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि हाल के दिनों में पुलिस के खिलाफ 2-3 मामले दर्ज किए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को पुलिस बल की कार्यप्रणाली के प्रति सजग रहना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पुलिस कर्मियों और अधिकारियों के बीच अनुशासन और संयम से समझौता न हो। निरीक्षकों और एसीपी को थानों में अपने कर्मचारियों के प्रदर्शन और गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने अनैतिक और अवैध गतिविधियों को रोकने और उनमें भाग लेने से रोकने के लिए कड़ी सतर्कता बरतने के आदेश दिए। यदि पुलिस अधिकारी और कर्मचारी आपराधिक कृत्यों में संलिप्त पाए जाते हैं, तो उनके संबंधित क्षेत्राधिकार के वरिष्ठ अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के प्रति सभी को वफादार रहना चाहिए। बेंगलूरु शहर में अपराध दर में कमी आ रही है। विशेष रूप से घर और वाहन चोरी के मामलों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि पुलिस थानों में शिकायतें स्वीकार करने, रात्रि गश्त बढ़ाने तथा नाकाबंदी के कारण आपराधिक घटनाओं में कमी आई है। साइबर अपराध में भी उल्लेखनीय कमी आई है। पिछले दो वर्षों से जनता में लगातार जागरूकता पैदा की जा रही है। आयुक्त ने साइबर अपराधों को कम करने के लिए डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो संदेश और वीडियो सूचना की प्रशंसा की। इस अवसर पर आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि अपराध जांच अभियान को और तेज किया जाना चाहिए। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर बधाई दी।

नि:शुल्क कृत्रिम पैर शिविर आज

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो। लायंस क्लब धारवाड़ एवं ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर हुब्बल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क कृत्रिम पैर शिविर का आयोजन शनिवार को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। यह शिविर लायंस स्कूल, केनरा बैंक के पास, नारायणपुर, धारवाड़ में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग लोगों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी जीवन जीने में मदद करने के लिए किया जा रहा है। इस शिविर में राज्य के अलग अलग जिलों के 25 दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाए जाएंगे। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व जिला गवर्नर हर्ष देसाई व विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाकर करेंगे। लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक ने बताया कि हमारे सेंटर की टीम के तकनीकी विशेषज्ञ हुब्बल्ली से धारवाड़ जाकर दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाएंगे।

भाजपा नेता ने बेंगलूरु में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों पर कार्रवाई की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वरिष्ठ भाजपा नेता और भाजपा बेंगलूरु दक्षिण जिला इकाई के पूर्व अध्यक्ष रमेश एन आर ने गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर और पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन से फर्जी पहचान दस्तावेजों का उपयोग करके बेंगलूरु और राज्य के अन्य हिस्सों में कथित रूप से रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया है। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, रमेश ने दावा किया कि 13 वर्षों से अधिक समय से, 50,000 से अधिक बांग्लादेशी नागरिक महादेवपुरा, के आर पुरम और बेंगलूरु दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में अवैध रूप से रह रहे हैं। उन्होंने मराठाहल्ली जंक्शन, के आर पुरम झील, जक्कासंद्रा जंक्शन, कुंडलहल्ली गेट, मुन्नेकोलालु, कडुबीसनहल्ली, देवरबीसनहल्ली, हुलीमावु और चिक्का बेगुर जैसे विशिष्ट इलाकों को अवैध बस्तियों के हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना।

उन्होंने आरोप लगाया कि इनमें से कई लोगों ने स्थानीय एजेंटों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों की सहायता से धोखाधड़ी से राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हासिल किए हैं। उन्होंने कहा विदेशी नागरिकों को पैसे के लिए भारतीय पहचान देना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा और देशद्रोह का कार्य है। रमेश ने 2013-14 और 2015-16 में दर्ज की गई शिकायतों का हवाला दिया, साथ ही दावा किया कि उनके पास दस्तावेजी सबूत हैं। उन्होंने हाल ही में हुए एक स्टिंग ऑपरेशन का भी हवाला दिया, जिसमें कथित तौर पर देश में घुसपैठियों के अवैध चैनलों के माध्यम से जाली दस्तावेज प्राप्त करने के तौर-तरीकों को उजागर किया गया था। रमेश के अनुसार, इन अवैध निवासियों में से बड़ी संख्या में पूर्वी बेंगलूरु में मॉल, मल्टीप्लेक्स और गेटेड समुदायों में कूड़ा बीनने वाले और सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने दावा किया कि अन्य लोग चिकमगलूरु और कोडागु जिलों में कॉफी बागानों में काम करते हैं, जिन्हें अक्सर कानूनी न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान किया जाता है, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्र-विरोधी तत्व वाणिज्यिक लाभ के लिए उनका शोषण करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। उन्होंने कुछ राजस्व अधिकारियों, सहायक राजस्व अधिकारियों, राजस्व निरीक्षकों और कर निरीक्षकों की कड़ी आलोचना की और उन पर रिश्वत के बदले में उचित सत्यापन के बिना मतदाता पहचान पत्र जारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आधार कार्ड जारी करने के लिए अधिकृत निजी एजेंसियां इस रैकेट में शामिल हैं। रमेश ने चेतावनी दी अवैध आव्रजन का पैमाना इतना गंभीर है कि यह बीबीएमपी चुनावों को प्रभावित कर सकता है। अगर एक या दो घुसपैठिए पार्षद चुने जाते हैं तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। उन्होंने घुसपैठियों और भारतीय पहचान दस्तावेजों तक उनकी पहुँच में मदद करने वालों दोनों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्यवाही की मांग की। रमेश ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और वीडियो साक्ष्यों की गहन जांच करे और सभी अनधिकृत निवासियों को तत्काल निर्वासित करने की पहल करे।

श्री ब्यावर संघ, बेंगलूरु
श्री ब्यावर संघ युवा शाखा, बेंगलूरु
द्वारा आयोजित
रेदासनी बॉक्स क्रिकेट कप-2025
स्थल
जी.टी. वर्ल्ड मॉल, रश एरेना
5वां माला (टेरेस), मागडी रोड, बेंगलूरु-23
दिनांक : 11 मई 2025
BSPL - SEASON - 3
PUNJABI TADKA | RANKA'S BOWLERS ON STRIKE | KUMAT WARRIORS | TANISHKA'S TOOFAN | MANIDHARI STONES | MAYUR COMPUTER MARVELS
DINESH ASSOCIATES WARRIORS | ACCURATE CHALLENGERS | APOLLO ELEVEN | TATED'S 11 | MAA CREATIONS XI | KOTHARI'S LGC CHALLENGERS
मुख्य कप प्रायोजक - श्रीमती संतोष देवी, चेतन कुमार जी, रश्मि जी रेदासनी
भोजन प्रायोजक - श्री भंवरलाल जी जयप्रकाश जी मकाना
टी शर्ट प्रायोजक - श्री सज्जनराज जी अमित कुमार जी कोठारी
कैप प्रायोजक - श्री गुमान चंद जी पदमचंद जी बोहरा
किट प्रायोजक - श्रीमती इन्द्रादेवी सुरेन्द्र कुमार जी गोलेच्छा
टॉस का बॉस - श्री सुनील कुमार जी शुभम कुमार जी छाजेड़ परिवार
एनर्जी ड्रिंक प्रयोजक - श्री नोरतमल जी धीरज जी नाहर
बुल्स आई प्रायोजक - श्री राकेश कुमार जी रिंकू जी बाफना
कार्यसमिति
ललित डाकलिया अध्यक्ष | विकास खटोड़ उपाध्यक्ष | कुलदीप छाजेड़ सचिव | नमित कोठारी कोषाध्यक्ष | नरेश बोहरा सहसचिव | भरत कोठारी सहकोषाध्यक्ष
कार्यक्रम संयोजक
यशवंत रांका, अंजन मेहता, रोशन लोढ़ा, महावीर गुगलिया, भरत कोठारी, कुनाल मरलेचा
भोजन समिति - अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना, लक्की बोहरा
एवं कार्यकारिणी - 2024-26 के समस्त सदस्यगण
We Salute Indian Army, Navy & IAF

ऑपरेशन सिंदूर | समर्थन में बेंगलूरु में कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा

सीएम समेत अन्य नेताओं ने लिया हिस्सा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ अन्य उपायों के समर्थन में शुक्रवार को बेंगलूरु में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया। विधान सौधा और उच्च न्यायालय के बीच मुख्य सड़क के किनारे चिन्नास्वामी स्टेडियम के गोल चक्कर लगाए गए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री एच.के. पाटिल, डॉ. जी. परमेश्वर, एन.एस. बोस-राजू, डॉ. एम.सी. सुधाकर, प्रियांक खड़गे, दिनेश गुंडूराव, एच.सी. महादेवप्पा, कई विधायकों के साथ-साथ कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। सभी लोग अपने हाथों में तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए थे। सड़क पर पदयात्रा में भाग लिया। तिरंगा यात्रा लोगों से खचाखच भरी थी। तिरंगे झंडे फहराने से बेंगलूरु में एक नई चमक आ गई। तिरंगा झंडा लहराने से नेताओं के चेहरे छिप गए। यह एक अद्भुत दृश्य था जब हजारों लोग तिरंगे के साथ मार्च कर रहे थे और समुद्र की लहरों की तरह अपने झंडे लहरा रहे थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सहित गणमान्य व्यक्ति मार्च कर रहे कार्यकर्ताओं की भीड़ के बीच चले और पुलिस को सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक समय तो पुलिस ने रस्सियों का प्रयोग कर मुख्यमंत्री और गणमान्य व्यक्तियों को विशेष सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास किया। लेकिन मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। कांग्रेस नेताओं ने भी लोगों के बीच तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगे। ऑपरेशन सिंदूर को समर्थन देने के लिए सेना की प्रशंसा करते हुए पोस्टर दिखाए गए। तिरंगा यात्रा में 3 किमी लंबी सड़क पर एकतरफा यातायात भी प्रतिबंधित कर दिया गया। बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार दोपहर को अचानक तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया था। अचानक घोषित किया गया यह कार्यक्रम सरकार द्वारा प्रायोजित था और इसमें सभी को भाग लेने का आह्वान किया गया था, चाहे वे किसी भी पार्टी से संबद्ध हों। लेकिन कांग्रेस के अलावा किसी अन्य पार्टी के नेता ने तिरंगा यात्रा में भाग नहीं लिया।

देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर हमले के मद्देनजर आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर अपनी प्रशंसा व्यक्त की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति में उनके सक्षम नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वह 7 मई को पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा की गई कार्रवाई की सराहना करते हैं। मैं पहले दिन से ही इस संबंध में आपके द्वारा उठाए गए निर्णायक और परिपक्व कदमों को देख रहा हूं। जैसे ही आपको आतंकवादी हमलों के बारे में पता चला, आपने सऊदी अरब की अपनी यात्रा बीच में ही रोक दी और रणनीतिक बैठकें करने के लिए स्वदेश लौट आए। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय समर्थन को जुटाते हुए तथा इससे हमारे सशस्त्र बलों को मिली प्रेरणा को भी देखा है। देवेगौड़ा ने यूरोपीय देशों की अपनी यात्रा रद्द करने और ऐसी आपातकालीन स्थिति में देश की सेवा में संलग्न होने के लिए मोदी की सराहना की। मैं जानता हूं कि गहरी आध्यात्मिक शक्ति और निरंतर प्रार्थना की शक्ति के बिना ऐसी स्थिति में संतुलन हासिल करना मुश्किल है। उन्होंने आध्यात्मिक रूप से मजबूत होने तथा अतीत में भी अपनी क्षमताओं को साबित करने के लिए उनकी प्रशंसा की। ईश्वर आपके और हमारे महान देश के साथ रहें। आतंकवाद जैसी बुराइयों के खिलाफ धर्मयुद्ध का ऐलान करने वाले हमारे देश ने हमेशा एक शांतिप्रिय राष्ट्र के रूप में दुनिया में सकारात्मक रोशनी फैलाई है। हालांकि, अगर किसी को लगता है कि यह हमारी कमजोरी है, तो उन्हें अब हमारी ताकत का एहसास होना चाहिए। हमारे सामने आने वाली चुनौतियाँ निश्चित रूप से यहीं समाप्त नहीं होंगी। लेकिन, यह राहत की बात है कि हम सभी एक राष्ट्र के रूप में एकजुट हैं। हम मिलकर संघर्ष करते हैं। लेकिन हम एक राष्ट्र और एक व्यक्ति के रूप में एक साथ आगे बढ़ेंगे।

भारत-पाक तनाव के बीच अलमट्टी और अन्य बांधों पर कड़ी चौकसी और सुरक्षा व्यवस्था

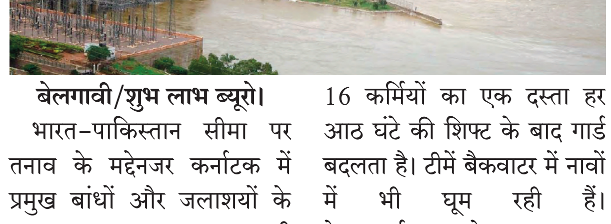

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव के मद्देनजर कर्नाटक में प्रमुख बांधों और जलाशयों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। कर्नाटक राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (केएसआईएसएफ) के कर्मियों की एक टीम को विजयपुरा जिले के अलमट्टी में कृष्णा नदी पर लाल बहादुर शास्त्री जलाशय में तैनात किया गया है। अलमट्टी में कुल 100 से अधिक अधिकारियों और कर्मियों को तैनात किया गया है। एक सहायक कमांडेंट, दो निरीक्षक और दो उप निरीक्षक, 17 सहायक एसआई, 65 हेड कांस्टेबल और पुलिस कांस्टेबल के नेतृत्व में एक टीम। 16 कर्मियों का एक दस्ता हर आठ घंटे की शिफ्ट के बाद गार्ड बदलता है। टीमें बैकवाटर में नावों में भी घूम रही हैं। केएसआईएसएफ के जवान 2016 से बांध स्थलों की सुरक्षा कर रहे हैं। जिला पुलिस को भी बांध स्थलों पर तैनात किया गया है। आगंतुकों को बांध के गेट पर चढ़ने की अनुमति नहीं है। बांध परिसर के आसपास किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हिडकल में घाटप्रभा और बेल-गावी जिले के सौंदत्ती के पास नवलुतीर्थ में मालाप्रभा के जलाशयों की सुरक्षा के लिए भी इसी तरह के उपाय किए जा रहे हैं।

हमारा रक्षा विभाग पाकिस्तान को सबक सिखाएगा: कोटा श्रीनिवास पुजारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद एवं पूर्व मंत्री कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को विश्वास है कि हमारा रक्षा विभाग पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाएगा कि कोई भी आतंकवादी भारत में प्रवेश नहीं कर पाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तानी आतंकवादियों को खत्म करने और पाकिस्तान को कड़ा संदेश देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चला रहा है। उन्होंने अपील की कि भारत की वर्तमान स्थिति में हमें, किसी भी पार्टी या धर्म से ऊपर उठकर, भारत के सैन्य अभियान का समर्थन करना चाहिए तथा पाकिस्तान को सबक सिखाना चाहिए। उन्होंने तीन मुख्य कारणों से सुहास शेट्टी की हत्या के मामले की जांच एनआईए को सौंपने की मांग की। इस हत्या में केरल समेत अन्य राज्यों के कुछ लोगों की भूमिका थी। ऐसी जानकारी है कि इस हत्या के लिए विदेश से धन भेजा गया था। इसके अतिरिक्त, इस हत्या मामले में कुछ पुलिस अधिकारियों के भी शामिल होने का संदेह है। हमने ये सभी मुद्दे राज्यपाल के ध्यान में लाये हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने एनआईए जांच का अनुरोध किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सुहास शेट्टी के पिता और माता के साथ राज्यपाल से मुलाकात की और उनसे सुहास की हत्या की जांच एनआईए को सौंपने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हमने इस संबंध में नोटिस जारी करने के लिए राज्य सरकार से अनुरोध किया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक सितंबर में ऐतिहासिक अखिल भारतीय वक्ताओं के सम्मेलन की मेजबानी करेगा: यू टी खादर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपने इतिहास में पहली बार, कर्नाटक प्रतिष्ठित अखिल भारतीय स्पीकर्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो 8 से 10 सितंबर, 2025 तक बेंगलूरु में आयोजित किया जाएगा। कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू टी खादर ने शुक्रवार को यहां सर्किट हाउस में आयोजित एक प्रेस मीट में यह घोषणा की। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) के बैनर तले आयोजित इस सम्मेलन में 300 से 350 प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें स्पीकर और डिप्टी स्पीकर, विधान सभाओं के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, विधायी सचिव और भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी भाग लेंगे, जिससे यह आयोजन वैश्विक प्रासंगिकता प्रदान करेगा। खादर ने कहा कि हालांकि 24 साल पहले भी इसी तरह की बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन यह आगामी सम्मेलन सीपीए ढांचे के तहत आयोजित एक अलग सम्मेलन है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर 25 साल में एक बार आयोजित होने वाला यह आयोजन लोकतांत्रिक प्रथाओं, सुशासन और संसदीय संस्थाओं की उभरती भूमिका पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा यह पहली बार है जब कर्नाटक इस तरह के सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। यह मेरे और विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी के कार्यकाल के दौरान हो रहा है। हम इस कार्यक्रम को एक आदर्श तरीके से आयोजित करेंगे। चर्चा संसदीय प्रक्रियाओं को मजबूत करने, वक्ताओं की भूमिका और वर्तमान मुद्दों पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय अध्यक्षों का सम्मेलन पिछले साल राजस्थान में और पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। अब पहली बार यह अवसर कर्नाटक में आया है। यह एक आदर्श कार्यक्रम होगा। उद्घाटन समारोह

8 सितंबर को शाम 6 बजे बेंगलूरु में विधान सौधा की सीढ़ियों पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री और लोकसभा के अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। लोकसभा नेतृत्व और मेजबान राज्य के परामर्श से थीम और मुख्य वक्ताओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। कर्नाटक के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का पता लगाने के लिए प्रतिनिधियों के लिए 11 सितंबर को एक दिवसीय दौरे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मेंगलूरु, मैसूरु या बेलूर-हलेबीडु की यात्रा की योजना बनाई गई है। खादर ने यह भी उल्लेख किया कि सीपीए का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नवंबर में बरमूडा में आयोजित किया जाएगा, जो वैश्विक संसदीय संवाद के लिए वर्ष के महत्व को और अधिक उजागर करता है। स्थानीय मोर्चे पर, खादर ने तटीय कटाव के मुद्दे को संबोधित किया और मेंगलूरु तटरेखा के कमजोर क्षेत्रों में एक स्थायी समुद्री दीवार की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा प्रभावित क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तटीय संरक्षण परियोजना पर काम जल्द ही शुरू होगा। सुहास शेट्टी हत्या मामले में एनआईए जांच की भाजपा की मांग के बारे में सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खादर ने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा मौजूदा पुलिस जांच से कई लोग संतुष्ट नहीं हैं। अगर इस कृत्य के पीछे अंतरराष्ट्रीय फंडिंग के सबूत हैं, तो मुझे मामले को एनआईए को सौंपने में कोई आपत्ति नहीं है। इस जघन्य अपराध के पीछे जो भी है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मेरी एकमात्र चिंता यह है कि ऐसी घटनाओं से दक्षिण कन्नड़ जिले में शांति और सद्भाव बाधित न हो। मैं गलत काम करने वालों का समर्थन नहीं करता और मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं। उस समय जो तनावपूर्ण माहौल था, उसमें मैंने शांति बनाए रखने के लिए जो भी जानकारी थी, उसे जनता के साथ साझा किया। मेरे लोगों के साथ मेरा यही रिश्ता है। घटना के दौरान क्रिकेट मैच में शामिल होने की आलोचना को खारिज करते हुए खादर ने स्पष्ट किया मुझे क्रिकेट मैच, शादियों और सार्वजनिक समारोहों सहित कई कार्यक्रमों में आमंत्रित किया गया था। मैं उस दिन क्रिकेट मैच में शामिल नहीं हुआ, जैसा कि आरोप लगाया गया है। इस अपराध में चाहे जो भी शामिल हो, उसे कानून का सामना करना चाहिए। यह मेरा स्पष्ट और दृढ़ रुख है। राजनीतिक हमलों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा इस तरह के आरोप और आलोचनाएं मेरे लिए नई नहीं हैं। विधायक के तौर पर मेरे पहले कार्यकाल से ही ये मेरे साथ हैं। जो लोग मुझ पर भरोसा करते हैं, वे ऐसी टिप्पणियों को महत्व नहीं देंगे। लोकतंत्र में सभी को बोलने का अधिकार है। खादर ने कर्नाटक को इस तरह के हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम की मेजबानी के लिए चुने जाने पर गर्व व्यक्त करते हुए समापन किया। यह केवल कर्नाटक के बारे में नहीं है। यह पूरे देश में लोकतंत्र को मजबूत करने के बारे में है। यह कार्यक्रम हमारे राज्य को वैश्विक संसदीय मानचित्र पर स्थान दिल-एगा।

सुहास शेट्टी हत्या मामला

सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने के लिए 2 व्यक्तियों से पूछताछ

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बाजपे पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई सुहास शेट्टी की हत्या के संबंध में सोशल मीडिया पोस्ट के बाद दर्ज किए गए दो अलग-अलग मामलों में शहर की पुलिस ने दो व्यक्तियों की पहचान की है। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि शेट्टी की हत्या के बाद, दो इंस्टाग्राम प्रोफाइल - वीएचपी भजरंग दल अशोकनगर और शंखनाद पर भड़काऊ सामग्री पोस्ट की गई थी। इन पोस्ट में सुहास शेट्टी की तस्वीरें थीं, जिनका उद्देश्य विभिन्न धार्मिक और सामाजिक समूहों के बीच घृणा और दुश्मनी को भड़काना था, जिससे गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा मिला। उरवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। संदिग्ध की पहचान अशोकनगर, मेंगलूरु के मनीष कुमार के रूप में हुई है, जिसका पता लगा लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

कावूर स्टेशन पर दर्ज एक अलग मामले में, एक भ्रामक कहानी प्रसारित की जा रही थी,

जिसमें सुझाव दिया गया था कि हत्या कुडुपु मंदिर के पास हुई थी। इसमें दावा किया गया है कि यह घटना विधायक के सहयोगी के नेतृत्व में हुई थी और इसे छुपाने के लिए सुहास शेट्टी की हत्या की गई। व्हाट्सऐप ग्रुप पर एक झूठा दावा फैलाया गया कि यह हत्या राजनीतिक रूप से प्रेरित थी, ताकि लोगों का ध्यान भीड़ द्वारा की गई हत्या से हटाकर भाजपा को लाभ पहुंचाया जा सके। मेंगलूरु के किन्नीपदावु के हासन बावा की पहचान कर ली गई है और उससे पूछताछ की जा रही है। जांच जारी है।

आतंकवाद का सभी को मिलकर उन्मूलन करना होगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने निरंतर अभियान के माध्यम से आतंकवाद के उन्मूलन का आह्वान किया है। शहर में तिरंगा यात्रा से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया की नजर भारत पर है। भारत द्वारा चलाए जा रहे अभियानों से देश की गरिमा बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि तिरंगे झंडे के प्रति सम्मान और बढ़ गया है। भारतीय सेना के पास उचित क्षमताएं हैं। पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया जा रहा है। साथ ही, आतंकवाद जैसी वैश्विक समस्या

को भारत से भी पूरी तरह से समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल इस संबंध में उचित कार्रवाई कर रहे हैं। हमें जाति, धर्म और दलीय मतभेदों को भूलकर एकजुट होकर केंद्र सरकार के कार्यों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना होगा। इसी कारण तिरंगा झंडा लेकर चिन्नास्वामी स्टेडियम तक चक्कर लगाया गया। यह एक सरकारी कार्यक्रम था। उन्होंने कहा कि सभी को इसमें भाग लेने के लिए बुलाया गया था।

खनन घोटाले में दोषी ठहराए जाने का मामला

विधायक गली जनार्दन रेड्डी को कर्नाटक विधानसभा से अयोग्य घोषित किया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खनन कारोबारी और गंगावती से विधायक गली जनार्दन रेड्डी को अवैध खनन के एक बड़े मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कर्नाटक विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। अयोग्यता की आधिकारिक अधिसूचना कर्नाटक विधानसभा के सचिव एम के विशालाक्षी ने जारी की। अधिसूचना के अनुसार, रेड्डी की अयोग्यता 6 मई से प्रभावी होगी, जिस दिन हैदराबाद में सीबीआई की विशेष अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। गंगावती निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली सीट अब खाली हो गई है। अयोग्यता भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत आती है। यह उनकी रिहाई के बाद छह साल तक प्रभावी रहेगी, जब तक कि उच्च न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि को पलट नहीं दिया जाता। रेड्डी को 6 मई को ओबुलापुरम अवैध खनन मामले में सात साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसमें सरकारी खजाने को 884 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। वर्ष 2009 में शुरू हुए इस लंबे समय से चले आ रहे मामले ने

अविभाजित आंध्र प्रदेश में वाई एस राजशेखर रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान व्यापक भ्रष्टाचार और लौह अयस्क के अवैध खनन को उजागर किया। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह इस सिद्धांत को पुष्ट करता है कि भ्रष्ट राजनेताओं को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए कर्नाटक कांग्रेस के उपाध्यक्ष वी एस उग्रप्पा ने कहा जनार्दन रेड्डी को सजा सुनाए जाने से सत्ता का दुरुपयोग करने वालों को स्पष्ट संदेश गया है। 884 करोड़ रुपये मूल्य के 29 लाख मीट्रिक टन लौह अयस्क के अवैध निर्यात का मामला साबित हो गया है। यह न्याय का काम है। उग्रप्पा ने यह भी मांग की कि कर्नाटक सरकार दोषी व्यक्तियों की सभी संपत्तियों को जब्त करे और बरामद राशि को भूमि राजस्व बकाया के रूप में माने। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान घोटाले में शामिल अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का भी आग्रह किया। जनार्दन रेड्डी ने 2024 में अपनी क्षेत्रीय पार्टी कल्याण राज्य प्रगति पक्ष का भाजपा में विलय कर दिया था और पार्टी में फिर से शामिल हो गए थे, जिसने खनन आरोपों के बाद उनसे दूरी बना ली थी। गंगावती सीट अब खाली है, इसलिए जल्द ही उपचुनाव होने की उम्मीद है।

गृहमंत्री परमेश्वर ने स्लीपर सेल पर नजर रखने के निर्देश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने स्पष्ट किया है कि जिला पुलिस प्रमुखों को आतंकवाद से संबंधित स्लीपर सेल और अन्य संवेदनशील गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से कोई नया सुझाव, निर्देश या चेतावनी नहीं मिली है। गृह विभाग ने शुरू से ही राज्य के जिला पुलिस प्रमुखों को सतर्क रहने की सलाह दी है। खुफिया जानकारी सटीक रूप

से एकत्रित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुझाव दिया गया है कि यदि बेंगलूरु में स्लीपर सेल हैं तो उनकी पहचान की जानी चाहिए और सूचना केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ साझा की जानी चाहिए। बांधों, बड़े उद्योगों, प्रतिष्ठित संस्थानों और बिजली उत्पादन स्टेशनों को पहले ही सुरक्षा प्रदान की जा चुकी है। कैबिनेट की बैठक में अतिरिक्त सुरक्षा पर चर्चा की जाएगी। यह ज्ञात नहीं है कि आतंकवादियों ने उन्हें निशाना बनाया था या नहीं। लेकिन हमने सावधानियां भी बरती हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित पुनरीक्षण अधिकारियों को कड़ी निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं।

पुलिस ने डेंटल छात्रा के खिलाफ 'पाकिस्तान समर्थक' पोस्ट करने का मामला दर्ज किया

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयपुरा पुलिस ने डेंटल कॉलेज की छात्रा के खिलाफ 'पाकिस्तान समर्थक' और 'भारत के हितों के खिलाफ' पोस्ट करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस उपनिरीक्षक विनोद डोडामनी ने अल अमीन कॉलेज की बीडीएस छात्रा तशहुद फारूकी शेख के खिलाफ उसके सोशल मीडिया संदेश के लिए स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। उसे उसका संदेश देखने के लिए एक फेसबुक पेज 'कर्नाटक में वीरू किच्छू' के बाद प्रेरित किया गया, जिसमें कहा गया था कि विजयपुरा में कई पाकिस्तान प्रेमी हैं।

उन्होंने उस पर भारत की एकता और संप्रभुता को भंग करने वाला संदेश पोस्ट करने का आरोप लगाया। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेख के संदेश में कहा गया है, सैन्य, सरकारी प्रतिष्ठानों के पास जाने से बचें। यदि आप 200 किलोमीटर की सीमा के करीब जा रहे हैं। कृपया अंतर्देशीय चले जाएँ। अल्लाह हम सभी को भारत से बचाए। इसमें एक एसओएस टैग और पाकिस्तान के झंडे की छवि थी। छात्रा के खिलाफ स्वप्रेरणा से दर्ज मामले में भारतीय न्याय संहिता के कुछ प्रावधानों के तहत अपराध सूचीबद्ध हैं। शिकायत के बाद उसने कहा मैं वास्तव में अपने दिल से उन सभी से माफी मांगती हूँ जिन्होंने ऐसा किया है। मैं दिल से एक सच्ची भारतीय हूँ। मैं अपने देश से प्यार करती हूँ और यह मेरी मातृभूमि है। मैं भारत में पैदा हुई और पली-बढ़ी हूँ और सभी भारतीय मूल्यों के साथ। मैंने जो टिप्पणी की है, वह मेरी तरफ से मूर्खतापूर्ण कार्य है। फिर से, मैं सभी से सच में माफी मांगती हूँ। भविष्य में, मैं यह सुनिश्चित करूँगी कि मैं ऐसी गलती कभी नहीं करूँगी। उन्होंने संदेश को भारतीय ध्वज की एक छवि और एक दिल वाले इमोजी के साथ समाप्त किया। एसपी लक्ष्मण निंबरागी ने कहा अल अमीन मेडिकल कॉलेज (बीडीएस डेंटल) में पढ़ने वाली एक छात्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ऐसा स्टेटस पोस्ट किया है जो पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति और भारत के हितों के खिलाफ है।

ठेकेदार ने ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर पर मारपीट का लगाया आरोप

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी टोलवे प्राइवेट लिमिटेड की ठेकेदार फर्म द्वारा नियुक्त एक सुरक्षा पर्यवेक्षक, जो थोक्कोट्टू के पास अदनकुदरू और ग्लोबल मार्केट क्षेत्र के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के एक हिस्से पर मरम्मत का काम कर रहा है, ने आरोप लगाया है कि मेंगलूरु दक्षिण यातायात पुलिस निरीक्षक ने उसके साथ मारपीट की। सु-परवाइजर सचिन शुक्ला ने दावा किया कि निरीक्षक कृष्ण आनंद ने उसके हाथ पर डंडे से प्रहार किया। यह घटना कथित तौर पर गुरुवार रात 8 बजे के आसपास हुई, जब ठेकेदार सड़क की मरम्मत कर रहा था। अधिकारी ने कथित तौर पर देर रात के काम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे जनता का विरोध हो सकता है, खासकर हाल ही में नेत्रावती पुल पर मरम्मत कार्य के दौरान हुई यातायात भीड़ को देखते हुए। ठेकेदार के कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि हमला अकारण और अन्यायपूर्ण था। उन्होंने कहा कि मौजूदा श्रम की कमी को देखते हुए, रात में काम करने के लिए इच्छुक श्रमिकों को ढूंढना मुश्किल है, लेकिन कंपनी अपनी संविदात्मक जिम्मेदारियों के अनुसार मरम्मत को पूरा करने के लिए बाध्य है। ठेकेदार ने कथित पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे गंभीर अपराध बताया है और कहा है कि वह इस मामले को राज्य के मुख्य सचिव के ध्यान में लाने की योजना बना रहा है।

दक्षिण कन्नड़ में कानून-व्यवस्था सामान्य

दिनेश गुंडू राव ने की समीक्षा बैठक

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर और जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने पुष्टि की कि हाल ही में हुई अशांति के बाद दक्षिण कन्नड़ में कानून-व्यवस्था सामान्य हो गई है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुहिलान, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. के आनंद, शहर के पुलिस आयुक्त

अनुपम अग्रवाल, डीसीपी सिद्धार्थ गोयल और अन्य वरिष्ठ पुलिस कर्मियों सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मंत्री दिनेश गुंडू राव ने जोर देकर कहा कि जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा किसी भी दबाव के आगे झुकने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कुछ और समय के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का आह्वान किया। स्थिति पर अपडेट देते हुए पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि जिले में स्थिति सामान्य हो गई है। पुलिस अधिकारी सभी थाना क्षेत्रों में नियमित शाम की गश्त कर रहे हैं और निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य जिलों और केएसआरपी इकाइयों के कर्मियों सहित अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है। डीसीपी सिद्धार्थ गोयल ने कहा कि अधिकारी भड़काऊ सामग्री के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं और भड़काऊ संदेश फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी यतीश ने पुष्टि की कि जिले भर में कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है और सभी पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में लगातार सतर्कता बरती जा रही है। समीक्षा में हाल की घटनाओं के मद्देनजर शांति बनाए रखने और जनता के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

रोहिंग्या मुसलमान तत्काल वापस भेजे जाएं

भारत में सिर्फ भारतीयों को रहने का अधिकार

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वरिष्ठ वकील कोलिन गोंजाल्विस और प्रशांत भूषण की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दिल्ली से अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को देश से बाहर भेजने पर रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमानों पर अत्याचार हो रहा है, इसलिए उन्हें शरणार्थी मानते हुए भारत में रहने दिया जाए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति कोटेश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि भारत में निवास करने का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। विदेशी नागरिकों के साथ भारत में विदेशी अधिनियम के तहत ही व्यवहार किया जाएगा। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 31 जुलाई तय की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही असम और जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या को देश से निकालने के फैसले पर रोक लगाने से मना कर चुका है। केंद्र सरकार ने बताया कि रोहिंग्या की मौजूदगी देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता गोंजाल्विस और भूषण ने कहा कि म्यांमार में सेना द्वारा हिंसा के कारण रोहिंग्या लोगों को भागना पड़ा और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने उन्हें शरणार्थी का दर्जा दिया है। इसलिए उन्हें भारत में रहने का हक मिलना चाहिए।

लेकिन सरकार ने तर्क दिया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी सम्मेलन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, इसलिए भारत पर रोहिंग्या को शरण देने की कोई बाध्यता नहीं है।

साथ ही सरकार ने कहा कि रोहिंग्या विदेशी हैं और उन्हें वापस भेजने के लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

कोर्ट ने यह भी कहा कि भले ही रोहिंग्या को जीवन का अधिकार (अनुच्छेद 21) प्राप्त है, लेकिन वे विदेशी हैं और उनके साथ कानून के अनुसार ही व्यवहार होगा। केवल भारतीयों को ही भारत में रहने का अधिकार है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करता है आजाद मलिक

ईडी ने जब्त किए 20 हजार पन्नों के गोपनीय दस्तावेज

कोलकाता, 09 मई (एजेंसियां)। जाली पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार आजाद मलिक को लेकर अब राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की चिंता गहराती जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में आरोपी के मोबाइल फोन से लगभग 20 हजार पन्नों के संदेहास्पद दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसके अलावा कुछ वीडियो फुटेज, तस्वीरें और कोड भाषा में रिकॉर्ड किए गए वॉयस नोट्स भी मिले हैं, जिनकी गहन जांच की जा रही है। आजाद मलिक पिछले 13 वर्षों से अपनी असली पहचान छिपाकर भारत में रह रहा था। उसने बांग्लादेशी नागरिक के रूप में उत्तर 24 परगना जिले से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया और एक दलाल के माध्यम से फर्जी दस्तावेज तैयार कर भारतीय पहचान पत्र और पासपोर्ट हासिल किया। प्रारंभ में मामला केवल फर्जी दस्तावेज और जाली पासपोर्ट से जुड़ा था, लेकिन अब जांच एजेंसियों को संदेह है कि आजाद मलिक का सम्पर्क पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से भी है। ईडी अधिकारियों ने कोलकाता सत्र न्यायालय में बताया है कि आरोपी के कब्जे से जब्त मोबाइल फोनों में संदेहास्पद जानकारी और संवाद मिले हैं, जिनमें कई कोडवर्ड्स शामिल हैं। जांच एजेंसियां उन संवादों को डिकोड करने में जुटी हैं।

बताया गया है कि भले ही आज़ाद मलिक भारत में रह रहा था, लेकिन वह अलग-अलग माध्यमों से पाकिस्तान के सम्पर्क में था। ईडी को कई ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप्स के बारे में जानकारी मिली है, जिनमें आजाद शामिल था। इन तथ्यों को अदालत में प्रस्तुत करते हुए ईडी ने आरोपी की पांच दिनों की हिरासत की मांग की, जिसे सुनने के बाद अदालत ने 13 मई तक की ईडी हिरासत की अनुमति दी। यह मामला भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। ईडी और केंद्रीय खुफिया एजेंसियां इस बात की तह तक जाने की कोशिश कर रही हैं कि आजाद मलिक ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने में अब तक किन-किन संवेदनशील सूचनाओं को लीक किया है।

चार चीनी नागरिकों को भारत में घुसा रही थी नेपाली महिलाएं

बिहार-नेपाल सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने दबोचा

चम्पारण, 09 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी में भारत-नेपाल सीमा से अवैध रूप से घुसते समय 4 चीनी नागरिक और 2 नेपाली महिलाएं पकड़ी गईं। ये सभी मैत्री पुल कस्टम हाउस के पास एसएसबी की 47वीं बटालियन द्वारा गिरफ्तार किए गए। जांच के दौरान पता चला कि नेपाली महिलाएं गाइड की भूमिका में थीं और चीनी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश दिला रही थीं।

इनके पास चीन और नेपाल की करंसी, पासपोर्ट मिले लेकिन भारत का वीजा नहीं था। इस घटना के बाद बिहार पुलिस ने पूरे राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। खासकर नेपाल सीमा, धार्मिक स्थल, रेलवे स्टेशन, मॉल, होटल, बस अड्डे, औद्योगिक क्षेत्र और सरकारी संस्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आईएसआई और आतंकी संगठनों की संभावित साजिश को लेकर सभी जिलों के एसपी और एसएसपी को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है। वीवीआईपी मूवमेंट, सोशल मीडिया पर निगरानी, डॉग स्कायड, मेटल डिटेक्टर और पहचान पत्रों की सघन जांच की जा रही है। नेपाल सीमा के विभिन्न बॉर्डर पॉइंट्स पर निगरानी तेज कर दी गई है, जिससे कोई भी संदिग्ध व्यक्ति भारत में प्रवेश न कर सके।

उड़ी, पुंछ और राजौरी समेत कई कस्बों में पाकिस्तानी गोले

दो की मौत, दर्जनों जख्मी, उस पार भी हुआ भारी नुकसान

जम्मू, 09 मई (ब्यूरो)। बाइस साल तक शांत रहने वाली एलओसी अर्थात लाइन आफ कंट्रोल पर दोनों ओर से तोपखाने आग उगले रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे दोनों ओर से 22 सालों का गुब्बार एक ही दिन में निकाल देना चाहते हों। कल के ड्रोन हमलों के बाद से ही पाक सेना भारी तोपखानों से उड़ी, पुंछ और राजौरी को शमशान बनाने में जुटी हुई है। दर्जनों मकान ध्वस्त हो चुके हैं। दो लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। हालांकि उस पार पाक सेना को जबरदस्त क्षति पहुंचाने के दावों के बीच उस पार भी ऐसी ही तबाही के समाचार हैं।

कश्मीर में एलओसी के पास के गांवों में पाक सेना द्वारा रात से की जा रही गोलाबारी में एक महिला की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए और सम्पत्ति को नुकसान पहुंचा। खबरों के मुताबिक, उड़ी गांव में सड़क पर एक वाहन पर गोलाबारी होने से महिला की मौत हो गई, जिसकी पहचान नरगिस बेगम पत्नी बशीर खान के रूप में हुई है। एक अन्य महिला घायल हो गई, जिसका बारामुला जिले के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा गोलाबारी के बीच खतरा मोल लेते हुए उड़ी में बेघर हुए तथा जख्मी हुए लोगों से मिलने पहुंचे हैं। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने महिला की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि कल रात तीन लोगों को छर्रे लगने के कारण बारामुला के सरकारी मेडिकल कालेज अस्पताल लाया गया था। अधिकारी ने कहा कि महिला को मृत अवस्था में लाया गया, जबकि एक पुरुष और एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों की हालत स्थिर है, लेकिन उनके कान और सीने में छर्रे लगे हैं।

इसके अलावा, पुंछ जिले के लोरान मंडी तहसील के लोहिबेला इलाकों में पाकिस्तानी गोलाबारी में एक नागरिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान लोहिबेला के इबरार मलिक के रूप में हुई है, जबकि घायलों की पहचान शाहिदा बेगम और वसीम अहमद के रूप में हुई है। गोलाबारी में दर्जनों घर और अन्य संरचनाएं भी क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कुपवाड़ा जिले के एक गांव के मुखिया मोहम्मद जाफर लोन ने फोन पर बताया कि केवल हम सुरक्षित हैं क्योंकि हमने भूमिगत बंकरों में शरण ली है। बाकी, कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सुबह करीब 5.30 बजे गोलाबारी बंद हो गई जिसके बाद उन्होंने क्षतिग्रस्त घरों का दौरा किया। लोन ने बताया कि 1700 से अधिक आबादी वाले उनके हाजीनार गांव में रात भर की गोलाबारी में कम से कम 20 घर क्षतिग्रस्त हो गए।

कुपवाड़ा के एक अन्य ग्रामीण का कहना था कि वे डर में जी रहे हैं और डर के कारण अपने गांव छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, बहुत से लोग गांव छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं।

कुपवाड़ा में भी रात में भारी गोलाबारी के बाद गांवों में दहशत और भय का माहौल रहा और सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचा। चौकीबल, टंगधार, उड़ी और करनाह गांवों में गोलाबारी तेज थी और लोग भूमिगत बंकरों में शरण लिए हुए थे। कई दूरदराज और पहाड़ी गांवों से ली गई तस्वीरों में आवासीय और व्यावसायिक संरचनाओं को भारी नुकसान दिखाई दिया। साथ ही, कुछ गांवों ने गोलाबारी में पशुधन के नुकसान की सूचना दी। टंगधार के एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि वे पूरी रात जागते रहे क्योंकि जोरदार धमाकों ने गांव को हिलाकर रख दिया और लोगों में दहशत फैल गई। वहीं, लगभग 200 से अधिक लोग एक सामुदायिक बंकर में ठिठुर रहे हैं। भारी गोलाबारी के बीच, पिछले तीन दशकों में सीमा पार से गोलाबारी का खामियाजा भुगतने वाली गुरेज घाटी शांत रही। फिर भी कई ग्रामीण शहरों में सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।

जम्मू में 8 घंटों के भीतर दो हवाई हमले, सेना ने खदेड़ा

जम्मू, 09 मई (ब्यूरो)। आठ घंटों के भीतर दूसरी बार पाकिस्तानी 'गीदड़ों के झुंड' को भारतीय चीतों ने मार गिराया है।

कल रात सवा आठ बजे ड्रोन और मिसाइलों के नाकाम हमलों के उपरांत पाकिस्तान की ओर से तड़के तीन बजे के करीब फिर से हुए हमले को पछाड़ा जा चुका है।

जम्मू सेक्टर में तैनात एयर डिफैंस के चीतों ने इन हमलों को नाकाम बनाया है। 1971 के भारत पाक युद्ध के उपरांत यह पहला मौका था कि पाकिस्तान की ओर से पूरे प्रदेश में शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। वर्ष 1999 के करगिल युद्ध, 2001 में संसद पर हुए हमले के उपरांत युद्ध के करीब हालात, उड़ी और फिर पुलवामा हमले के उपरांत भारतीय स्ट्राइक के दौरान भी जम्मू कश्मीर की जनता ने ऐसे हमलों को नहीं देखा था। इतना जरूर था कि एलओसी पर पाक सेना के तोपखानों के मुंह कभी बंद ही नहीं हुए थे।

अधिकारियों ने जनता से कहा है कि ब्लैकआउट के सायरन के बाद न कोई रौशनी की जाए और न इन निर्देशों का उल्लंघन किया जाए। दुश्मन को कमजोर नहीं समझा जाना चाहिए क्योंकि वह जख्मी सांप की तरह है जो किसी भी समय फिर से डसने की कोशिश करेगा। जानकारी के लिए जम्मू का एयरफोर्स हवाई अड्डा पूरी तरह से पाक सेना के 105 एमएम के तोपखानों की मार के भीतर है। और सभी युद्धों के दौरान पाक का सारा जोर इस हवाई अड्डे को क्षति पहुंचाने का रहा है। यही नहीं तीन युद्धों के दौरान उसने तवी दरिया पर बने पुलों को कई बार उड़ा देने की नापाक कोशिश की पर कभी कामयाब नहीं हो पाया। ऐसे में अधिकारी कहते हैं कि खतरा अभी टला नहीं है।

सुरक्षाबल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार: मनोज सिन्हा

सीएम उमर अब्दुल्ला भी पहुंचे बेघर हुए लोगों का हालचाल पूछने

जम्मू, 09 मई (ब्यूरो)। प्रदेश में युद्ध के करीब के हालात में पाक गोलाबारी में घायल तथा बेघर होने वालों का हालचल पूछल अगर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मैदान में हैं तो उप राज्यपाल मनोज सिन्हा भी पीछे नहीं हैं।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को सरकारी मेडिकल कालेज (जीएमसी) जम्मू का दौरा किया और हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी की घटनाओं में घायल हुए नागरिकों का हालचाल जाना। जबकि वे विस्थापितों के लिए बनाए गए कैंपों में भी गए। ठीक इसी प्रकार उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने उड़ी का दौरा किया।

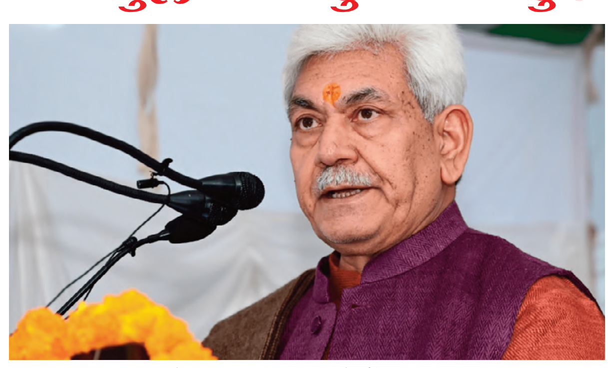

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने घायलों और उनके परिवारों से बातचीत की और उन्हें पूर्ण चिकित्सा सहायता और आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। उमर ने अपने दौरे के दौरान कहा कि हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं और इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से कई ड्रोन हमलों की रिपोर्ट के मद्देनजर स्थिति की व्यापक समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं जमीनी हालात का जायजा लूंगा और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और नागरिक एजेंसियों के साथ समन्वय करूंगा।।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री सकीना मसूद इट्टू और कृषि मंत्री जावेद डार ने घायल नागरिकों से मिलने और स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का आकलन करने के लिए जीएमसी बारामुला का दौरा किया। यह दौरा सीमा पर बढ़ते तनाव और नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा बार-बार संघर्ष विराम उल्लंघन और गोलाबारी में हताहतों के बीच हुआ है। दूसरी ओर जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान द्वारा कल शाम यहां कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमलों की बौछार के बाद भारतीय सशस्त्र बल किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

उड़ी सेक्टर में स्थिति का आकलन करने के बाद एलजी मनोज सिन्हा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा प्रयास किए गए, लेकिन भारतीय सशस्त्र बल किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि यहां के लोगों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। मैं सीमावर्ती क्षेत्रों के उन गांवों में गया, जहां नुकसान हुआ है। घायलों और मृतकों के परिवारों को अनुग्रह राशि दी गई है।

जज यशवंत वर्मा के घर मिले नोटों का मामला

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दी है। समिति का गठन जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में लगी आग में नकदी मिलने के दावों की जांच के लिए किया गया था। समिति की रिपोर्ट के साथ जस्टिस वर्मा की प्रतिक्रिया भी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई। हालांकि रिपोर्टों में यह स्पष्ट नहीं है कि जस्टिस वर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया में क्या कहा है। इससे पहले खबरें आई थी कि आंतरिक जांच समिति ने जस्टिस वर्मा के घर में आगजनी में कैश जलने की बात सही पाई है।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से 8 मई 2025 को जारी बयान में कहा गया है, मुख्य न्यायाधीश ने आंतरिक जांच प्रक्रिया के तहत राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को 3 मई 2025 की 3 सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट की कॉपी और जस्टिस यशवंत वर्मा का 6 मई 2025 का पत्र/जवाब भेजा दिया है। आंतरिक जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थे। इन्होंने 25 मार्च को जांच शुरू की थी। जस्टिस वर्मा के घर में 14 मार्च 2025 को आग लगी थी। उसके बाद बेहिसाब कैश बरामद होने की बात सामने आई थी। जले हुए नोटों की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए थे।

जिस समिति ने इस मामले की जांच की है उसमें पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश अनु सिवारमन शामिल थे। 25 मार्च को समिति ने जांच की प्रक्रिया शुरू की थी और 4 मई को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को रिपोर्ट सौंप दी थी। बताया जाता है कि जब आग लगी थी तब जज अपनी पत्नी के साथ मध्य प्रदेश में थे, जबकि घर में उनकी बुजुर्ग मां और बेटी मौजूद थी।

जले हुए कैश का वीडियो भी सामने आया था। दिल्ली पुलिस ने बताया था कि इसके वीडियो जिन पुलिसकर्मियों ने बनाए थे वो उनके फोन से डिलीट करवा दिए गए, ताकि ये गलत जगह न पहुंच जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक ने कहा था कि बिना मुख्य न्यायाधीश की अनुमति के जज के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का अधिकार पुलिस के पास नहीं हैं। अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा देने से इन्कार कर दिया है, जबकि जांच समिति ने माना है कि उनके यहां से कैश मिला। ऐसे में अगर वो दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें महाभियोग की प्रक्रिया के तहत भी हटाया जा सकता है। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी इस मामले को लेकर सार्वजनिक रूप से बयान दिया था और न्यायपालिका की साख पर बट्टा बताते हुए कहा था कि जो भी मामला है वो बाहर आना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया में अब पोर्ट पर भी अडानी ग्रुप का कब्जा

सिंगापुर की कंपनी से हुआ सौदा

क्वींसलैंड, 09 मई (एजेंसियां)। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने सिंगापुर की कारमाइकल रेल एंड पोर्ट सिंगापुर होल्डिंग्स से एबॉट पॉइंट पोर्ट होल्डिंग्स की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदते हुए उसका अधिग्रहण कर लिया है। यह सौदा 17,244 करोड़ रुपए का है और इसे नकद के बजाय शेयरों के आदान-प्रदान (शेयर स्वैप) के जरिए पूरा किया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सौदे की शेयर खरीद और सदस्यता समझौता 17 अप्रैल 2025 को साइन किया गया, लेकिन इसे पूरा होने के लिए नियामक और शेयरधारकों की मंजूरी की जरूरत है। इस अधिग्रहण से अडानी पोर्ट्स की वैश्विक उपस्थिति मजबूत होगी, क्योंकि एबॉट पॉइंट पोर्ट ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्वींसलैंड में एक प्रमुख निर्यात टर्मिनल है। यह सौदा 17,244 करोड़ रुपए का है और इसे नकद के बजाय शेयरों के आदान-प्रदान (एफडीआई-ओडीआई शेयर स्वैप) के जरिए पूरा किया गया। सौदे की शेयर खरीद और सदस्यता समझौता 17 अप्रैल 2025 को साइन किया गया।

एबॉट पॉइंट पोर्ट का अधिग्रहण इसलिए भी खास है, क्योंकि ये ऑस्ट्रेलिया के उन चंद पोर्ट्स में से है, तो तट (2.75 किमी) से सबसे नजदीक गहरे पानी का पोर्ट है। यानी यहां से बड़े मालवाहक जहाज कोयले का परिवहन कर सकते है। इसके अलावा इस पोर्ट प्वाइंट तक जाने के लिए विशेष तौर पर एक रेलवे लाइन भी बनाई गई है, जिससे सामान आसानी से पहुंचाया जा सकता है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में अडानी की कंपनी के पास कोयले के खदान भी है। ऐसे में ये अधिग्रहण कंपनी के लिए बेहद फायदे का सौदा साबित हो सकता है। इस सौदे के लिए सिरिल अमरचंद मंगलदास ने कानूनी सलाह दी। सिरिल अमरचंद की टीम का नेतृत्व ऋतविज पंड्या, परिधि अडानी, सुभलक्ष्मी नस्कर और मोइज्जा हसन ने किया, जिन्हें कई सहयोगियों ने सहायता दी।

1971 के युद्ध से पाकिस्तान की जेल में बंद है आगरा का जांबाज

54 साल से अपने पति का इंतजार कर रही हैं वीरांगना

आगरा, 09 मई (एजेंसियां)। 1971 में आगरा हवाई अड्डे पर हमले के जवाब में पाकिस्तान पर हमला करने के बाद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोहर पुरोहित वापस नहीं लौटे। मनोहर पुरोहित की पत्नी सुमन पुरोहित ने 54 साल बाद भी अपने पति के वापस आने की उम्मीद नहीं खोई है।

पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने नष्ट करने पर वर्ष 1971 के युद्ध की याद ताजा हो गई। इसमें वीर सपूत फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोहर पुरोहित पाकिस्तान में बम बरसाकर देश लौट नहीं पाए। लौटते वक्त बॉर्डर पर इनका विमान क्रैश होकर भारतीय क्षेत्र में गिरा। वर्ष 1972 में पाकिस्तान से आई चिट्ठी से इनके युद्ध बंदी होने का पता चला। वापसी के लिए इनकी वीरांगना के सारे जतन बेकार गए। मगर, उम्मीद टूटी नहीं है और 54 साल से इनका सिंदूर सुहाग के इंतजार में है।

साकेत कॉलोनी शाहगंज निवासी सुमन पुरोहित (77) से जैसे ही 1971 युद्ध का जिक्र किया, वो गुमसुम हो गईं। कुछ देर मौन रहने के बाद बोलीं 1970 में शादी हुई थी और पति आगरा हवाई अड्डे पर तैनात थे। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने आगरा हवाई अड्डे पर हमला कर दिया। 8 दिसंबर की शाम को घर आए और इतना ही बोले कि ऑपरेशन पर जा रहा हूं। 9 दिसंबर को पाकिस्तान के लोधरन रेलवे यार्ड पर बम बरसाकर लौटते वक्त सीमा के नजदीक पति का विमान क्रेश हो गया। वह भारत के बीकानेर में गिरा।

विमान में पति का शव नहीं था। 1972 में पाकिस्तान से एक सैन्य अफसर का पत्र आया, जिसमें पति को युद्ध बंदी बनाने की जानकारी हुई। ऐसे और भी सैनिकों का पता चला, जिसके बाद सेना की ओर से 54 युद्ध बंदियों की सूची जारी हुई। 54 साल बीत गए, मुझे आज भी इनके आने का इंतजार है। पहलगाम आतंकी हमले पर वो बोलीं, बेटियों के सामने उनका सुहाग उजाड़ दिया। प्रधानमंत्री मोदीजी ने बेटियों के सिंदूर की लाज रख ली।

2001 में आगरा में शिखर वार्ता के दौरान पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से मिले और उन्होंने पाकिस्तान बुलाया। कराची, लाहौर समेत 14-15 जेलों को देखा, वहां रिकॉर्ड उर्दू में और अधूरे थे। कोई उर्दू नहीं पढ़ सकता था। जेलों में भारतीय मछुआरे और भूल से बॉर्डर पार करने वाले लोग भी कैद थे। सेना के अधिकारियों के सामने वे कुछ नहीं बता पाए, लेकिन उन्होंने जेल के अंदर गुप्त बैरक की ओर इशारा किया। इस पर भारतीय कैदियों के रिकार्ड मांगे तो बोले कि बकरी खा गई हैं। कोई सुनवाई नहीं हुई और मायूस होकर लौट आए।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट मनोहर पुरोहित के बेटे विपुल पुरोहित ने बताया कि पिता की वापसी के लिए मेरी मां ने संघर्ष किया। सेना के अधिकारियों और नेताओं से मिलीं, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। बड़ी विडंबना है कि 1971 में 93 हजार सैनिक और जीती हुई हजारों किमी जमीन पाकिस्तान लौटा दिया, लेकिन तत्कालीन सरकार 54 युद्ध बंदियों को वापस नहीं ला पाई। मां और मुझे जीवन भर टीसता रहेगा।

तिरंगे का अपमान करने वाला मुस्लिम युवक गिरफ्तार

कानपुर, 09 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच जबरदस्त तनातनी चल रही है। इसको देखते हुए सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इस बीच इस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की गई है जिसमें भारत के राष्ट्रीय झंडे और पीएम मोदी का अपमान किया गया है साथ ही पाकिस्तान का समर्थन किया गया है।

इंस्टाग्राम पर भारत के तिरंगे और पीएम मोदी के अपमान करने वाले वीडियो को पोस्ट करने वाले कानपुर के जीशान कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया गया है। ये वीडियो पाकिस्तान का है जिसे युवक ने इंस्टाग्राम पर रीपोस्ट किया। इसमें पाकिस्तानी झंडे के साथ हथियार भी मौजूद हैं। कानपुर पुलिस के मुताबिक सचेंडी कस्बे में रहने वाला 20 साल का जीशान कुरैशी एक नाई की दुकान पर काम करता है और उसका पिता गुड्डू मीट की दुकान चलाता है। स्थानीय पुलिस के मुताबिक एक आइडी पर आपत्तिजनक वीडियो अपलोड किया गया जिसमें भारत का अपमान किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दूसरे लोगों का पता लगा रही है जो जीशान के संपर्क में हैं। फिलहाल जीशान कुरैशी से पूछताछ की जा रही है।

इससे पहले मेरठ में सिराजू उर्फ दिलशाद ने अपने व्हाट्सएप की डीपी पर पाकिस्तान का झंडा लगाया था।

भावनपुर थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को गांव के ही किसी व्यक्ति ने सूचना दी थी जिसके बाद पुलिस दिलशाद के पास पहुंची। उसका मोबाइल में व्हाट्सएप की डीपी चेक की गई तो उसमें एक महिला को पाकिस्तान का झंडा पकड़े हुए फोटो दिख रहा था। पुलिस ने दिलशाद की काले रंग की रेडिमी मोबाइल को कब्जे में ले लिया है।

इसके इस कृत्य से भारत के प्रति उसकी भावना दिख रही है और पाकिस्तान प्यार भी नजर आ रहा है।

देश में रहकर गद्दारी करने वालों पर पुलिस और साइबर सेल की पैनी नजर है। ऐसे में हर उस खबर और फोटो पर ध्यान दिया जा रहा है जो देशहित से जुड़ा हुआ है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देश की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम का किया समर्थन

लखनऊ, 09 मई (एजेंसियां)। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देश की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम का समर्थन किया है। बोर्ड ने मामले का हल द्विपक्षीय वार्ता और कूटनीतिक तरीकों से करने की जरूरत बताई। बोर्ड ने वक्फ बचाओ आंदोलन के तहत सभी सार्वजनिक कार्यक्रम 16 मई तक स्थगित कर दिए हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने संकट के समय सरकार, विपक्ष, सेना और जनता से एकजुट होकर खतरों का सामना करने का आह्वान किया। मौजूदा हालात को देखते हुए बोर्ड ने अपने वक्फ बचाओ आंदोलन के सभी सार्वजनिक कार्यक्रम 16 मई तक स्थगित रखने का निर्णय लिया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास ने बताया कि बोर्ड के पदाधिकारियों की ऑनलाइन बैठक में प्रस्ताव पारित कर भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव पर चिंता जताई गई। देश की सुरक्षा के लिए सरकार और सेना की ओर से उठाए गए हर आवश्यक कदम का समर्थन किया।

उन्होंने बताया कि बोर्ड के पदाधिकारियों ने जोर देते हुए कहा कि संकट के समय में, जनता, राजनीतिक दलों, सशस्त्र बलों और सरकार को खतरों का सामना करने के लिए एक साथ आना चाहिए। बैठक में माना गया कि आतंकवाद और निर्दोष नागरिकों की हत्या गंभीर चिंता का विषय है। इस्लामी शिक्षाओं, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। बैठक में द्विपक्षीय वार्ता और चर्चा के माध्यम से मामलों को हल करने की जरूरत बताई गई। उन्होंने कहा कि बोर्ड का मानना है कि युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है, खासकर परमाणु हथियारों की मौजूदगी में। युद्ध से भारत और पाकिस्तान दोनों देशों की जनता को तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। लिहाजा सभी मुद्दों को बातचीत और अन्य कूटनीतिक तरीकों से हल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि बैठक में तय किया गया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अपना वक्फ बचाओ अभियान जारी रखेगा। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए बोर्ड की सार्वजनिक बैठकें और कार्यक्रम अगले 16 मई तक के लिए स्थगित रहेंगी। इनडोर कार्यक्रम तय समय के अनुसार जारी रहेंगे। ऑनलाइन बैठक में बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी, उपाध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी, मौलाना उबैदुल्लाह खान आजमी, मौलाना असगर अली इमाम मेहंदी सलाफी, महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दिदी, सचिव मौलाना सैयद बिलाल अब्दुल हई हसनी, डॉ. यासीन अली उस्मानी बदायूंनी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

महिलाओं को बड़ा उपहार देने की तैयारी में योगी सरकार

एक करोड़ की रजिस्ट्री पर स्टाम्प शुल्क में मिलेगी 1% छूट

लखनऊ, 09 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को स्टांप एवं निबंधन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्किल रेट निर्धारण में समानता सुनिश्चित की जाए, विशेषकर एक जैसी परिस्थितियों वाले स्थानों पर। उन्होंने कहा कि रेट निर्धारण में विकास, शहरीकरण और आधारभूत संरचना की प्रगति को ध्यान में रखा जाए, ताकि आमजन को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्री प्रक्रिया से पहले दस्तावेजों और भूमि स्वामी के वेरिफिकेशन को अनिवार्य बताते हुए कहा कि इससे भूमि विवादों में कमी आएगी। उन्होंने रजिस्ट्री प्रक्रिया को सरल बनाने और तकनीकी माध्यमों का अधिकतम उपयोग करने पर बल दिया ताकि समय और संसाधनों की बचत हो सके।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्तमान में महिलाओं को 10 लाख रुपए तक की रजिस्ट्री पर एक प्रतिशत स्टांप शुल्क की छूट दी जा रही है। इसे बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये तक की रजिस्ट्री पर लागू करने पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम महिलाओं को सशक्त बनाएगा और उनकी आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देगा। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वर्ष 2016-17 में कुल 11 हजार करोड़ रुपये के स्टांप विक्रय हुए थे, जबकि 2024-25 में यह आंकड़ा 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं, वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 11.67 प्रतिशत अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई है। विभाग ने अब तक 45 जनपदों में सर्किल रेट का पुनरीक्षण कर लिया है जबकि शेष 30 जनपदों में यह प्रक्रिया चल रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्किल रेट का पुनरीक्षण तार्किक ढंग से किया जाए ताकि जनता को वास्तविक लाभ प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जनपदों में रजिस्ट्री कार्यालयों का आधारभूत ढांचा सुदृढ़ किया जाए, पर्याप्त स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और सभी निर्माण कार्य समयबद्ध व गुणवत्ता युक्त हों। उन्होंने रजिस्ट्री कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने यह भी कहा कि पैतृक अचल संपत्ति को परिवार के सदस्यों - जीवित व्यक्ति एवं उसके तीन पूर्ववर्ती वंशजों के मध्य विभाजित करने पर अधिकतम पांच हजार रुपये ही स्टांप शुल्क लिया जाए। साथ ही, रजिस्ट्रेशन फीस भी अधिकतम पांच हजार रुपये निर्धारित की जाए। उन्होंने इसे एक जनहितकारी निर्णय बताया, जिससे पारिवारिक विवादों के समाधान में मदद मिलेगी।

बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि विभाग द्वारा स्टांप का ऑनलाइन सृजन, संपत्ति के भारमुक्त प्रमाण पत्र की सुविधा, कृषि बंधक विलेखों की ई-फाइलिंग, निबंधन शुल्क का ई-भुगतान, अप्रयुक्त स्टांप की ऑनलाइन वापसी, डिजिलॉकर में विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र और भारमुक्त प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि तकनीक के प्रयोग से विभाग के सभी कार्य, जो आम जनता से जुड़े हैं, ऑनलाइन किए जाएं ताकि लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

नेपाल बॉर्डर से सटे जिलों में अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी

छह जिलों में अबतक 205 अतिक्रमण के खिलाफ हुई कार्रवाई

लखनऊ, 09 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रही। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा विशेष अभियान जारी है। अबतक महाराजगंज में 28 अवैध मदरसे मिले हैं, जबकि श्रावस्ती में सर्वाधिक 102 अवैध मदरसे मिले हैं, इन सभी पर प्रशासन का चाबुक चल चुका है। वहीं पीलीभीत में भी एक अवैध धार्मिक स्थल मिला है। इसी प्रकार बहराइच में 13 अवैध मदरसों में से 5 को सील किया जा चुका है, जबकि 8 हटा दिए गए हैं।

श्रावस्ती के जिलाधिकारी के अनुसार जिले में शुक्रवार तक कुल 102 अवैध मदरसे चिह्नित किये गये हैं, जिनमें से सभी 102 को सील कर दिया गया है। वहीं एक धार्मिक स्थल को नोटिस दी गई है। इसी प्रकार सार्वजनिक भूमि पर बने 5 मजारों में से 4 पर कार्रवाई की गई है, जबकि एक का मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। इसी प्रकार सार्वजनिक भूमि पर मौजूद दो ईदगाह को भी हटा दिया गया है।

महाराजगंज जिलाधिकारी के अनुसार जिले में शुक्रवार तक कुल 28 अवैध मदरसों पर कार्रवाई की गई है। वहीं एक अवैध धार्मिक स्थल को भी हटाया गया है। इसके साथ ही सार्वजनिक भूमि पर बने 5 मजारों को भी हटाने का कार्य किया है। इसके अलवा सार्वजनिक भूमि पर बने एक ईदगाह को भी चिन्हित किया गया है। वहीं प्रशासन की कार्रवाई को देखते हुए फरेंदा तहसील क्षेत्र में परती पर बने अवैध धार्मिक स्थल के आंशिक भाग को कब्जेदार द्वारा स्वयं सहमति के आधार पर हटा लिया गया है।

बहराइच के जिलाधिकारी के अनुसार जिले में शुक्रवार तक कुल 24 अतिक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं। इनमें सार्वजनिक भूमि पर मौजूद 13 अवैध मदरसों में से 13 को नोटिस देते हुए 5 को सील और 8 मदरसों को हटा दिया गया है। इसी प्रकार कुल आठ अवैध धार्मिक स्थलों में से सभी 8 को नोटिस देते हुए 2 को हटाने की कार्रवाई की गई है। वहीं कुल 2 मजारों में से सभी को नोटिस देते हुए एक को हटा दिया गया। ऐसे ही एक ईदगाह को नोटिस दी गई है। पीलीभीत जिलाधिकारी के अनुसार जिले में अबतक कुल 1 अतिक्रमण सामने आया है, जिसे नोटिस दी गई है।

बलरामपुर के जिलाधिकारी के अनुसार जिले में शुक्रवार तक कुल 28 अवैध मदरसों में से सभी 28 के खिलाफ विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है। इनमें सभी को नोटिस देते हुए 22 को सील किया गया और 5 को हटा दिया गया है। वहीं बचे हुए एक पर आगे कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार सार्वजनिक भूमि पर बने 10 अवैध मजारों में से 8 को हटा दिया गया, जबकि 2 को नोटिस देते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं 1 अवैध ईदगाह को भी हटा दिया गया है।

सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी के अनुसार नेपाल बॉर्डर से 10 किमी तक सीमा में सार्वजनिक भूमि पर अबतक कुल 22 अतिक्रमण पाए गये हैं। इनमें 4 धर्मस्थल, जबकि 18 मदरसे हैं।

यूपी में रहने वाले बलूच अपने आजाद मुल्क जाने को तैयार

जंग में जूझने को उतावले हो रहे यूपी के बलूच

शामली में रहते हैं करीब 5000 बलूच

शामली, 09 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली में विभिन्न स्थानों पर बलूच जनजाति के लोग रहते हैं। ये लोग मुगलों के साथ ही भारत आए थे और यहीं बस गए थे। पूर्व सांसद अमीर आलम और पूर्व विधायक नवाजिश आलम भी बलूच हैं। भारत पाक सीमा पर तनाव के चलते हर कोई आतंकियों की कायराना हरकत को कोस रहा है। वहीं भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जिले में जश्न का माहौल है।

मुगलों के साथ भारत आए बलूच जनजाति के लोग दिल्ली समेत विभिन्न स्थानों पर आकर बस गए थे। गढ़ीपुख्ता, गढ़ी अब्दुल्ला खां, बाबरी समेत विभिन्न स्थानों पर पांच हजार से अधिक बलूच रहे हैं, जिनमें गढ़ीपुख्ता के रहने वाले पूर्व सांसद अमीर आलम खान, पूर्व विधायक नवाजिश आलम भी शामिल हैं। सभी ने कहा कि आतंकियों का खात्मा करने के लिए हम भी युद्ध पर जाने को तैयार है। हर हाल में पाकिस्तानी आतंकियों को सबक सिखाया जाना चाहिए। सांसद अमीर आलम खां और पूर्व विधायक नवाजिश आलम के अनुसार, बलूचिस्तान से 1526 में बाबर की फौज के साथ बलूच जनजाति के लोग दिल्ली आए और फिर दिल्ली से यहां विभिन्न स्थानों पर आकर बस गए थे। दिल्ली से 17वीं शताब्दी में बलूच मीर बख्श और लवी बख्श के परिवार सबसे पहले पास के बागपत गांव में आए थे। इनके साथ अन्य परिवार भी बागपत, शामली और अन्य स्थानों पर आकर रहने लगे थे। तभी से परिवार रह रहे हैं। पूर्व सांसद अमीर आलम खां कहते हैं, हम पहले से ही पाकिस्तान के आतंकवाद के विरोधी है। भारत ने जो कार्रवाई की है वह सराहनीय है। देश का हर शख्स सेना के साथ खड़ा है। आवश्यकता पड़ी तो युद्ध पर जाने को भी तैयार है। पूर्व विधायक नवाजिश आलम कहते हैं, पाकिस्तान आतंकवाद की पौध तैयार करा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने कड़ा जवाब दिया है। सभी बलूच देश के साथ हैं। सेना के साहस को सलाम। यदि जरूरत पड़ी तो पाक आतंकियों से जंग करने को हम सभी तैयार हैं। गढ़ी अब्दुल्ला खां के रहने वाले खीजर ने कहा, हमारी चार पीढ़ी हो गई है। हम शामली में ही आकर रहे हैं। पाकिस्तान के आतंकियों का सफाया होना चाहिए। हम देश के साथ हैं। यदि आवश्यकता पड़ी तो हम भी युद्ध के लिए पीछे नहीं हटेंगे। गढ़ी अब्दुल्ला खां गांव के बलूच एबाब मियां का कहना है कि खुशी की बात है कि भारत ने पाक के घर में घुसकर हमला किया है। आतंकियों ने गलत किया था। हम पूरी तरह से भारत के साथ है। उल्लेखनीय है कि शामली जिले के गढ़ी अब्दुल्ला खां गांव में करीब दो हजार बलूच रहते हैं। इसी तरह गढ़ीपुख्ता में करीब 1800 बलूच रहते हैं। अंबेहटा में चार सौ बलूच रहते हैं, जबकि हसनपुर और खेड़की में सौ-सौ बलूच रहते हैं। बाबरी गांव में करीब सात सौ बलूच रहते हैं।

संपादकीय

बेमानी है सुरक्षा परिषद

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से भी पाकिस्तान खाली हाथ लौटा। वह यह राहत महसूस कर रहा होगा कि सुरक्षा परिषद में उसके खिलाफ न तो बयान जारी किया गया और न ही कोई प्रस्ताव पारित किया गया। यह तसल्ली होगी कि कश्मीर का मुद्दा आज भी जिंदा है और उसका अंतरराष्ट्रीयकरण किया जा सकता है। पाकिस्तान के आग्रह पर ही सुरक्षा परिषद के मई महीने के अध्यक्ष यूनान ने बैठक जरूर बुलाई और वह भी बंद कमरे में आयोजित की गई, लेकिन सारांशतः वह बैठक बेमानी ही रही। सुरक्षा परिषद की ओर से न तो कोई बयान जारी किया गया और न ही कोई प्रस्ताव पारित किया गया। पाकिस्तान भी 15 सदस्यीय शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। उसी लिहाज से भारत-पाक के तनाव और युद्ध सरीखे हालात के मद्देनजर बैठक बुलाई गई। पाकिस्तान से सख्त सवाल भी किए गए। उसके 'आतंकवादी चरित्र' पर सवालों के साथ टिप्पणियां भी की गईं। यहां तक कहा गया कि पाकिस्तान ने युद्ध के हालात पैदा किए हैं। उसके मंत्रियों और फौजी जनरलों ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की बार-बार धमकियां भी दीं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय परमाणु नियंत्रण नियमों से बंधा और प्रतिबद्ध है। तनाव की स्थितियों में ही पाकिस्तान ने दो मिसाइलों का परीक्षण कर युद्ध को भडक़ाने का काम किया है। धार्मिक आस्था के आधार पर पहलगाम नरसंहार की निंदा तो की गई, चिंता भी जताई गई, लेकिन पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के अंतर्संबंधों पर सवाल पूछने के अलावा कुछ ठोस नहीं किया गया। यह सुरक्षा परिषद की गरिमा, शक्ति, विश्वसनीयता पर ही सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र का औचित्य ही क्या है? सुरक्षा परिषद में महाशक्तियां भी मौजूद थीं। उनमें से 13 देशों ने भारत की 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई' का भरपूर समर्थन किया है, लेकिन वे भारत की विनम्रता, शांतिप्रियता, क्षेत्रीय स्थिरता की दलीलें देते रहे। आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में 28 मासूम और बेकसूर सैलानियों का कत्लेआम कर दिया, उस पर पाकिस्तान और आतंकी संगठनों की जवाबदेही तय करने का निर्णय नहीं लिया गया। आखिर भारत कब तक ऐसे वहशियाना हमले स्वीकार और झेलता रहेगा? बैठक में उपदेश दिए जाते रहे कि भारत युद्ध न करे। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरस ने कहा कि भारत-पाक का टकराव 'आउट ऑफ कंट्रोल' हो सकता है। दोनों देश संयम बरतें और आपस में विवादों को सुलझाएं। गुटेरस की मध्यस्थता की पेशकश किसी भी देश ने स्वीकार नहीं की, लिहाजा उस पर भी कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सका। यकीनन भारत और पाकिस्तान में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। भारत ने कूटनीतिक, आर्थिक, समुद्री बंदरगाह संबंधी और सिंधु जल संधि के प्रतिबंध पाकिस्तान पर थोपे हैं, उसके बावजूद लड़ाकू विमानों की गर्जनाएं सुनाई दे रही हैं और 244 जिलों में 'मॉक ड्रिल' के जरिए आम नागरिक को युद्ध के दौरान सुरक्षा के सबक सिखाए गए हैं। सवाल है कि सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य-देश जानते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद का 'छाया-युद्ध' बीते 30-35 सालों से भारत में जारी रखे है, लेकिन सुरक्षा परिषद बेजुबां और बेनतीजा रही है। क्या उसे बेमानी मान लिया जाए? युद्धों के कई उदाहरण हमारे सामने हैं। विध्वंस जारी हैं, मानवता के कत्लेआम किए जा रहे हैं, असंख्य लोग विस्थापित होकर शरणार्थी बन चुके हैं, भुखमरी के चौतरफा हालात हैं, लेकिन सुरक्षा परिषद कोई प्रभावशाली भूमिका नहीं निभा सकी है। अब भारत-पाक का तनाव सामने है। अब महाशक्तियों को सीमापार युद्ध को मान्यता देनी चाहिए। पाकिस्तान को जिम्मेदार और जवाबदेह करार दें और उस पर व्यापक आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। पाकिस्तान को एक 'गैर-जिम्मेदार देश' घोषित किया जाए।

पाकिस्तान के आग्रह पर ही सुरक्षा परिषद के मई महीने के अध्यक्ष यूनान ने बैठक जरूर बुलाई और वह भी बंद कमरे में आयोजित की गई, लेकिन सारांशत: वह बैठक बेमानी ही रही। सुरक्षा परिषद की ओर से न तो कोई बयान जारी किया गया और न ही कोई प्रस्ताव पारित किया गया। पाकिस्तान भी 15 सदस्यीय शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। उसी लिहाज से भारत-पाक के तनाव और युद्ध सरीखे हालात के मद्देनजर बैठक बुलाई गई। पाकिस्तान से सख्त सवाल भी किए गए। उसके 'आतंकवादी चरित्र' पर सवालों के साथ टिप्पणियां भी की गईं। यहां तक कहा गया कि पाकिस्तान ने युद्ध के हालात पैदा किए हैं। उसके मंत्रियों और फौजी जनरलों ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की बार-बार धमकियां भी दीं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय परमाणु नियंत्रण नियमों से बंधा और प्रतिबद्ध है। तनाव की स्थितियों में ही पाकिस्तान ने दो मिसाइलों का परीक्षण कर युद्ध को भडक़ाने का काम किया है।

निर्दोष नागरिकों की धार्मिक पहचान को निशाना बनाकर समाज में भय और नफरत फैलाना चाहता है

पहलगाम के आंसू और सिंदूर की ज्वाला

कर्म सिंह ठाकुर

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ हमला भारत-पाकिस्तान संबंधों में एक नए और भयावह मोड़ का प्रतीक बन गया। इस निर्मम घटना में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान गई, जिन्हें केवल उनके धर्म के आधार पर चुन-चुनकर मारा गया। आतंकियों ने पहले लोगों से उनका धर्म पूछा और जो लोग मुस्लिम धर्म की कलमा पढऩे या अन्य धार्मिक गतिविधियां निभाने में असमर्थ पाए गए, उन्हें बेरहमी से गोली मार दी गई। यह हमला न सिर्फ एक आतंकवादी कार्रवाई थी, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्ष अस्मिता पर किया गया सीधा हमला था। आतंकवाद अब केवल राजनीतिक या सामरिक मुद्दा नहीं रहा, बल्कि वह धार्मिक कट्टरता और मानवता के मूल्यों के पूर्ण पतन का रूप ले चुका है। इस हमले ने न केवल देश को आक्रोशित किया, बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद अब इतनी गहराई तक जा चुका है कि वह निर्दोष नागरिकों की धार्मिक पहचान को निशाना बनाकर समाज में भय और नफरत फैलाना चाहता है। भारत ने इस हमले को अपनी संप्रभुता और सामाजिक एकता के खिलाफ माना और इसके बाद लिए गए निर्णयों ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब हर हमले का जवाब निर्णायक और नीतिगत तरीके से दिया जाएगा। भारत सरकार ने तीव्र प्रतिक्रिया देते हुए सैन्य स्तर पर एक व्यापक कार्रवाई की योजना बनाई। इस सटीक और गोपनीय सैन्य कार्रवाई को नाम दिया गया- ऑपरेशन सिंदूर। यह नाम प्रतीक था भारत की सांस्कृतिक विरासत का, जिसमें सिंदूर शक्ति, सम्मान और संरक्षण का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर न केवल आतंक के विरुद्ध सर्जिकल कार्रवाई थी, बल्कि यह उन निर्दोष नागरिकों को सच्ची श्रद्धांजलि भी थी, जिन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की बलि चढक़र अपना जीवन खोया। 7 मई 2025 की सुबह जब देशवासी अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में व्यस्त थे, मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत के मिशन सिंदूर की खबरों ने भारत के जनमानस का सीना चौड़ा कर दिया। भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की संयुक्त रणनीति ने 6 मई 2025 रात्रि को पाकिस्तान के भीतर 9 प्रमुख आतंकवादी ठिकानों पर जोरदार हमला कर दिया। यह हमले न

केवल लाइन ऑफ कंट्रोल के पास स्थित आतंकी लॉन्चपैड्स पर किए गए, बल्कि पाकिस्तान के भीतरी हिस्सों में भी उन ठिकानों को टारगेट किया गया, जो लंबे समय से आतंक की फैक्टरी बने हुए थे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिन 9 ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की गई, वे थे : बहावलपुर-जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय। मुरीदके : लश्कर-ए-तैयबा का आधार स्थल, जो 2008 मुंबई हमले से जुड़ा रहा है। गुलपुर- नियंत्रण रेखा के पास स्थित वह अड्डा, जहां से 2023-24 के हमलों की योजना बनी। सावाई- जहां से तीर्थयात्रियों पर हमलों की साजिश रची गई। बिलाल- जैश का प्रमुख लॉन्चपैड। कोटली – हिज्बुल मुजाहिदीन की उपस्थिति वाला अड्डा। बरनाला, सरजाला और महसुन्ता – आतंकी ट्रेनिंग और लॉन्चिंग सेंटर। इन हमलों में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया। दूरवर्ती स्थानों को मिसाइलों और ड्रोन हमलों द्वारा ध्वस्त किया गया। खास बात यह रही कि इस पूरे ऑपरेशन में भारतीय पक्ष को कोई नुकसान नहीं हुआ, और सभी सैनिक सुरक्षित वापस लौटे। भारतीय सेना आज विश्व की सबसे शक्तिशाली और संगठित सेनाओं में से एक मानी जाती है। इसकी ताकत न केवल इसके अत्याधुनिक हथियारों, तकनीकी क्षमताओं और रणनीतिक कौशल में निहित है, बल्कि उस अडिग संकल्प में भी छुपी है जो हर भारतीय सैनिक की रगों में बहता है। भारत की सुरक्षा, संप्रभुता और जनमानस की एकता पर यदि कोई खतरा मंडराता है, तो भारतीय सेना उसका जवाब शौर्य और संयम के अद्भुत संतुलन के साथ देती है। वर्ष 2014 के बाद देश ने ऐसे कई उदाहरण देखे हैं, चाहे वह उरी हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक हो, पुलवामा के बाद बालाकोट एयरस्ट्राइक या हाल ही में पहलगाम हमले के पश्चात ऑपरेशन सिंदूर, हर बार भारतीय सेना ने यह सिद्ध किया है कि भारत अब केवल सहन नहीं करेगा, बल्कि हर आघात का उत्तर निर्णायक रूप से देगा। वर्ष 1947 का भारत-पाक विभाजन केवल दो राष्ट्रों का निर्माण नहीं था, बल्कि वह एक ऐसी घटना थी जिसने उपमहाद्वीप को खून से रंग दिया। पाकिस्तान ने अपने निर्माण के तुरंत बाद ही भारत विरोधी गतिविधियां शुरू कर दीं। 1947, 1965 और 1971 में उसने सीधे युद्ध छेड़े। 1999 में कारगिल में तो उसने गुपचुप तरीके से घुसपैठ कर युद्ध का षड्यंत्र रचा, जिसे भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। इन सभी युद्धों में भारत ने विजय प्राप्त की, परंतु हर बार भारत ने युद्ध के बजाय शांति की पहल की। लेकिन पाकिस्तान ने इस सद्भावना का बदला आतंकवाद से दिया। उसकी सेना और आईएसआई लगातार जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिज्बुल जैसे संगठनों को पैसा, प्रशिक्षण और संरक्षण देती रही। मुंबई हमले, उरी हमला, पुलवामा विस्फोट और अब पहलगाम कांड, हर घटना में पाकिस्तान की भूमिका उजागर होती रही है। भारत एक शांति प्रिय राष्ट्र है, लेकिन जब देश की संप्रभुता, नागरिकों की सुरक्षा और मानवता पर आघात होता है, तब भारत यह भी दिखाता है कि वह केवल सहनशील ही नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम राष्ट्र है। ऑपरेशन सिंदूर इसी रणनीतिक और सांस्कृतिक सोच का परिणाम है। पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर एक नए युग की शुरुआत है। यह युग है आत्मरक्षा के अधिकार के उपयोग का, कूटनीति और शक्ति के संतुलन का, और आतंक पर बिना समझौते की नीति का। भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं करता, वह भविष्य की संभावित साजिशों को रोकने के लिए भी तत्पर है। यह संदेश स्पष्ट है- भारत अब हर गोली का जवाब गोली से, और हर आतंकी योजना का जवाब निर्णायक सैन्य रणनीति से देगा। ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने न केवल पाकिस्तान को चेतावनी दी है।

आतंकियों ने पहले लोगों से उनका धर्म पूछा और जो लोग मुस्लिम धर्म की कलमा पढऩे या अन्य धार्मिक गतिविधियां निभाने में असमर्थ पाए गए, उन्हें बेरहमी से गोली मार दी गई। यह हमला न सिर्फ एक आतंकवादी कार्रवाई थी, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्ष अस्मिता पर किया गया सीधा हमला था। आतंकवाद अब केवल राजनीतिक या सामरिक मुद्दा नहीं रहा, बल्कि वह धार्मिक कट्टरता और मानवता के मूल्यों के पूर्ण पतन का रूप ले चुका है।

दृष्टि कोण

सुधार का मार्ग खोलती सुप्रीम कोर्ट की पहल

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। जिसका मकसद न केवल न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया में गुणवत्ता और पारदर्शिता यकीनी बनाना है, बल्कि राजनीतिक हस्तक्षेप और भाई-भतीजावाद सीमित करने का भी प्रयास है। हाईकोर्ट्स द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति हेतु भेजे गए नामों पर विचार करते समय अब सुप्रीम कोर्ट में इंटरव्यू प्रक्रिया को अनिवार्य किया गया है, जो लीक से हटकर नया कदम है। परंपरा रही कि उच्च न्यायालयों द्वारा भेजी गई अनुशंसाएं सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा प्रायः बिना व्यक्तिगत मूल्यांकन के स्वीकृत कर ली जाती थीं। परंतु अब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों ने यह परंपरा तोड़ते हुए व्यक्तिगत इंटरव्यू अनिवार्य किया है, जो अनुशंसित अधिवक्ताओं की न्यायिक नियुक्तियों से पूर्व एक अतिरिक्त मूल्यांकन की परत जोड़ेगा। यह फैसला न्यायपालिका की चयन प्रक्रिया में परिपक्वता का संकेत है, वहीं उस आलोचना का उत्तर भी है जो कॉलेजियम प्रणाली की पारदर्शिता व जवाबदेही की कथित कमी को लेकर होती रही है। वर्ष 1993 के दूसरे न्यायाधीश केस और 1998 के तीसरे न्यायाधीश केस के फैसलों के तहत स्थापित कॉलेजियम प्रणाली ने न्यायपालिका को कार्यपालिका से स्वतंत्रता तो दिलाई, परंतु इसके भीतर पारदर्शिता व जवाबदेही की संरचनात्मक कमी के आरोप सामने आते रहे। आलोचकों के मुताबिक, इस प्रक्रिया में अक्सर व्यक्तिगत संबंधों और सिफारिशों को महत्व दिया जाता है, जिससे योग्यता से समझौता होता है। अब जब इंटरव्यू प्रक्रिया को जोड़ा गया है, तो यह केवल दस्तावेजों और बंद कमरों में होने वाली चर्चा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उम्मीदवारों के व्यक्तित्व, विचारशीलता और न्यायिक मूल्यों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन संभव होगा। इंटरव्यू एक ऐसा सशक्त उपकरण है जो केवल विधिक ज्ञान ही नहीं बल्कि उम्मीदवार की नैतिकता, तर्कशक्ति, संवेदनशीलता और न्यायिक दृष्टिकोण का भी मूल्यांकन कर सकता है। अमेरिकी सीनेट न्यायिक समिति द्वारा जजों के साक्षात्कार या ब्रिटेन के ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन की प्रक्रिया की तरह यह कदम भारत को वैश्विक मानकों की दिशा में आगे ले जाता है। पारंपरिक प्रक्रिया में सीवी और सिफारिश-पत्रों के जरिये उम्मीदवारों का आकलन किया जाता था, जो अक्सर वास्तविक क्षमताएं उजागर करने में विफल रहते थे। इंटरव्यू के जरिये प्रत्याशियों की तात्कालिक सोच, नैतिक निर्णय लेने की क्षमता और जटिल कानूनी या नैतिक परिदृश्यों में व्यवहार की क्षमता की जांच संभव हो सकेगी। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों द्वारा सार्वजनिक रूप से अदालत के आंतरिक कामकाज पर सवाल उठाना दर्शाता है कि सिस्टम के भीतर भी असंतोष व्याप्त था। इंटरव्यू की शुरुआत न केवल जनता के विश्वास बहाली में मदद करेगी, बल्कि यह दर्शाएगी कि न्यायपालिका सुधार की दिशा में स्वेच्छा से कदम उठा रही है। हालांकि, इंटरव्यू प्रणाली पूर्णतः दोषरहित नहीं। इसकी स्वाभाविक सीमा विषयपरकता है। यदि कोई मानकीकृत मूल्यांकन मापदंड नहीं बनाए गए, तो पैनल के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, सवाल पूछने की शैली या प्रत्याशियों की वक्तृत्व क्षमता जैसे कारक निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। इसका समाधान है कि सुप्रीम कोर्ट एक स्पष्ट मूल्यांकन ढांचा तैयार करे। भारत के 25 उच्च न्यायालयों में 1,100 से अधिक स्वीकृत न्यायिक पद हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में नियुक्तियां लंबित हैं। यदि प्रत्येक अनुशंसित अधिवक्ता का इंटरव्यू सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा किया जाएगा, तो इससे समय, संसाधनों और मानवीय क्षमता पर भारी दबाव पड़ेगा। वर्ष 2023 के अंत तक उच्च न्यायालयों में करीब 30 प्रतिशत पद रिक्त थे, और देश में करीब 4 करोड़ मामले लंबित थे। ऐसे में इंटरव्यू प्रक्रिया इस तरह डिज़ाइन करनी होगी कि यह नियुक्ति प्रक्रिया को और अधिक विलंबित न करे। इस नए सुधार को न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति संतुलन के निरंतर संघर्ष के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। साल 2014 में सरकार द्वारा न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का गठन किया गया था, जिसे 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक घोषित कर दिया। अब जब न्यायपालिका स्वयं सुधार ला रही है, तो यह न केवल अपनी स्वायत्तता की रक्षा का प्रयास है, बल्कि बाहरी हस्तक्षेप की संभावना कम करने की रणनीति भी हो सकती है। भारत की उच्च न्यायपालिका में महिलाओं, अनुसूचित जाति/ जनजाति, ओबीसी और धार्मिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व आज भी न्यूनतम है। साल 2022 में उच्च न्यायालयों में महिला न्यायाधीशों की संख्या मात्र 13 प्रतिशत थी। यदि इंटरव्यू प्रक्रिया को समावेशिता की दृष्टि से अपनाया गया, तो यह हाशिये पर खड़े प्रतिभावान अधिवक्ताओं को न्यायिक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कुछ अलग

चोखे रंग की तलाश

जो गरिमा शब्द सेवानिवृत्ति में है, वह भला रिटायर कर देने या छुटकारा पा लेने में कहां? इसीलिए बड़े बूढ़े फरमा गए हैं, कि बेटा किसी को जहर भी देना हो तो मीठी गिल्लौरी में डाल कर देना, वह मजे से निगल जाएगा और रुखसत होते हुए उसके स्वाद की तारीफ भी कर देगा। अभी पिछले दिनों ऐसी ही एक वाहवाही इस आदेश ने लूट ली। बेकारी की समस्या की भीषणता से पूरा देश दो-चार हो रहा है। जनाब, लोगों ने अपने बच्चे कालेजों में पढ़ाने बंद कर दिए हैं और पढ़ाने के नाम पर आईलैट्स अकादमियों में डाल दिए हैं, कि वहां औपचारिक ग्रेड प्राप्त करने के बाद छोकरे विदेश निकल जाएं। सुना तो है सबने कि विदेशों में सोना बरसता है। छोकरा, छोकरी वहां मेहनत मजदूरी पा जाएंगे, तो इस देश के खिलंदड़ेपन और लक्ष्यहीन आवारगी से छुटकारा नहीं, निवृत्ति होगी। भारतीय रुपए के गिरते मूल्य की इतनी कृपा है कि अमरीका, इंग्लैंड में कमाया गया डालर या पाऊंड भारत में आ कर सत्तर से सौ गुणा कीमती हो जाता है। इंग्लैंड और अमरीका गया हमारा कामगार भारत का दौरा करता है तो उसकी परायी मुद्रा अपनी धरा की भारतीय मुद्रा में सत्तर से सौ गुणा हो जाती है। अमरीका का आम फहम भारत का लखपति, करोड़पति बन जाता है। यही तो भेद है कि आज के मसफूटते नौजवानों ने औपचारिक पारंपरिक शिक्षा से छुटकारा नहीं, निवृत्ति कहो, पा आईलैट्स का दामन थामा। एक विदेश की धरती की टिकट लगा गया। शेष बचे कतार में खड़े हैं। कहां कतार तो लगनी चाहिए थी, डिजिटल भारत, इंटरनैट भारत बनाने के लिए, नई शिक्षा प्रणाली के विद्या मंदिरों के बाहर, और कहां आजकल यह कतार लग रही है, वैध-अवैध मंत्र पढ़ कर देश की नई पीढ़ी को विदेशी धरती तक पहुंचाने के लिए? देश की अकादमियों में उचित ग्रेड दिलवाने के ठेके लग गए। शर्तिया विदेश पहुंचा देने के दाम घोषित हो गए। शिक्षा के नवीनीकरण के नाम पर उसका चेहरा ही बदल गया। शायद साम, दाम, दंड, भेद का सिलेबस बन गया है कि आप का बच्चा सात समुद्र पार करवा दिया जाएगा। बस, फीस अग्रिम जमा करवा दीजिए। साब, ऊपर से नीचे तक रास्ता पार करवाने वालों की हथेलियां चुपडऩी पड़ती हैं। तब पार पत्रों का रास्ता हमवार होता है। यह रास्ता बनाने में पूरा परिवार जुटा है। अभी तक सभी यहां बैठे मनरेगा के आसरे जीने की बाट जोह रहे थे। घर का एक भी बशर किसी चोर दरवाजे से निकल गया, तो बाद में 'बरसों से बैठा ठाला शेष' परिवार इसे मुख्य द्वार बना इस धरती से उड़ान भर सकेगा। उनकी धरती पर उतर जाएगा। महोदय, हर युग का अपना-अपना प्रिय उद्योग होता है। इन दिनों यह उद्योग बना है देश की नई पीढ़ी को विदेश का रास्ता दिखाने का। ज्यों-ज्यों यह रास्ता खुल रहा है, त्यों-त्यों लगता है मुंबई का विरार का इलाका और दूसरे महानगरों के पिछवाड़े या भूख से सूखती हुई अंधेरी गलियां विदेश प्रयाण का रास्ता तलाश रही हैं। गांव के गांव खाली हो गए। युवक गए और पीछे रह गए गांवों के बड़े बूढ़े। इन युवकों के लिए क्या कहें? उन्होंने तो इस देश के अंधकूप से निवृत्ति पाई और पीछे छोड़ गए निस्तेज लोगों के लिए अपने साथ आ बसने का मुक्ति मार्ग। इसे इस धरती से छुटकारा पाना या पलायनवाद की मानसिकता न कहना, क्योंकि ऐसे कटु शब्दों में अपने देश की अपंगता को नंगा कर देना शालीनता नहीं। अब जब हमें विदेश या शालीन देशों में खिसक ही जाना है, तो वहां की दोहरी जुबान और दोहरी मानसिकता को जीने का अंदाज भी सीख लेना चाहिए।

देश दुनिया से

अंधेरे बंद कमरे

सात्विक जीवन बहुत सरल जीवन है। सात्विक होना बहुत सरल है। मजे की बात यह है कि इसके लिए किसी कर्मकांड की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ अपना नजरिया बदला, सोचने का ढंग बदला, माइंडसेट बदला और दुनिया बदल गई। कोई पूजा-पाठ नहीं, कोई हवन नहीं, कोई उपवास नहीं, कोई दान-दक्षिणा नहीं। सिर्फ इतना किया कि हमारे कारण किसी को दुख न पहुंचे, हमारे कारण किसी का नुकसान न हो, हम किसी को धोखा न दें, हम किसी भी हालत में झूठ न बोलें, किसी का अपमान न करें, किसी का मजाक न उड़ाएं, किसी को छोटा न समझें, सबसे प्रेम करें, निश्छल प्रेम करें, बिना कारण प्रेम करें, बिना किसी लाभ की आशा के प्रेम करें, निस्वार्थ प्रेम करें। दूसरों के प्रति हमारे व्यवहार में जब यह परिवर्तन आ जाए तो अपने प्रति भी हम अपने नजरिये में दयालुता लायें। अपनी कमियों के लिए, भूलों के लिए, गलतियों के लिए, गुस्ताखियों के लिए खुद को माफ करना सीखें। दूसरों के प्रति और अपने प्रति प्रेम से भर जाएं, यह सात्विकता का पहला चरण है। कर के देखिए, आसान हो जाएगा। डरते रहेंगे, नुकसान का सोच कर, अनिष्ट का सोच कर, तो डरते ही रह जाएंगे, कभी बदल नहीं पाएंगे, शुरुआत करेंगे तो कभी न कभी मंजिल पर पहुंच ही जाएंगे। पर अभी यह सात्विकता का पहला चरण है। सात्विकता का दूसरा चरण है अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा। शारीरिक स्वास्थ्य को तो हम सभी समझते ही हैं। ताजा शुद्ध भोजन लेना, चबा-चबाकर खाना, खाना खाने से चालीस मिनट पहले या डेढ़ घंटे बाद पानी पीना, पानी को बैठकर और घूंट-घूंट करके पीना, भोजन के तुरंत बाद आइसक्रीम या कोई ठंडी चीज न खाना, खाने के तुरंत पहले या तुरंत बाद फल-फ्रूट न खाना, दिन भर में कम से कम दो फ्रूट अवश्य खाना, दिन भर में कम से कम तीन लीटर पानी पीना, रेफ्रिजेरेटर का ठंडा किया हुआ पानी पीने से बचना, मीठा, नमकीन, तीखा आदि संतुलित मात्रा में ही खाना, शराब, सिगरेट, बीड़ी, सुर्ती और अन्य नशीले पदार्थों के प्रयोग से बचना और नियमित रूप से व्यायाम करना आदि शरीर के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। क्रोध न करना, उदास न होना, अपनी कमियों और गलतियों के लिए पछताते ही न रहना, अकेलेपन में भी खुश रहना, रिश्ते बनाना और निभाना, शिकायती स्वभाव का न होना, लालची न होना, धोखेबाज न होना, झूठ न बोलना, मन, वचन और कर्म से ही नहीं बल्कि सोच से भी अहिंसक होना आदि मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। यह लिस्ट देखने में जितनी लंबी लगती है वास्तव में उतनी है नहीं। करने लग जाएं तो कठिन भी नहीं है, बस पहला कदम लेने की जरूरत है, थोड़े से दृढ़ निश्चय की जरूरत है। अगर हमने यह कर लिया तो हम संन्यासी हैं। आदि शंकराचार्य ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'भज गोविंदम्' में इसी का खुलासा किया है। वे तो यहां तक कहते हैं कि संसार छोडक़र, सारे सुख छोडक़र, ठंड में कांपते हुए किसी पेड़ के नीचे सोने वाला, संसार के सारे सुखों का त्याग करके और भगवा पहनकर संन्यासी हो जाने वाला व्यक्ति भी परमात्मा को नहीं पा सकता यदि उसके मन में अब भी कोई इच्छा बाकी है। संसार को छोडऩा संन्यास नहीं है, संसार से मुक्ति संन्यास है, इच्छाओं से मुक्ति इसकी राह है। इच्छाओं से मुक्ति में ही संसार से मुक्ति है और यही संन्यास है। आदि शंकराचार्य कहते हैं कि ज्ञान के बिना सिर्फ रूटीन के रूप में उपवास करना, कर्मकांड करना हमें संन्यासी नहीं बनाता। कोई एक व्यक्ति किसी अंधेरे कमरे में बंद हो और वह उस कमरे में इधर-उधर घूमते हुए बार-बार ठोकरें खाए, कमरे में पड़ी वस्तुओं से टकराता रहे, वह हालत उस संन्यासी की है जो सिर्फ वेशभूषा बदल कर या हुलिया बदल कर संन्यासी होने का दम भरता है। सब कुछ छोड़ देने के बावजूद यदि उसके मन में कोई इच्छा बाकी है तो वह संन्यासी होते हुए भी अज्ञानी है और अंधेरे बंद कमरे में कैद है। इच्छाओं पर नियंत्रण की कला हमें संन्यासी बना सकती है। सच्चाई तो यह है कि पादरियों, मुल्लाओं और संन्यासियों के कठिन कर्मकांड और वेशभूषा ने लोगों में संन्यास के प्रति भ्रम पैदा किया है और बहुत से लोग जो गृहस्थ में रहते हुए ही संन्यासी का-सा जीवन बिता सकते थे, संन्यास की कठिनाइयों के कारण संन्यासी नहीं हो पाए, सात्विक नहीं हो पाए। संन्यासियों के कारण, उनकी संन्यास की प्यास अधूरी रह गई। 'सहज संन्यास मिशन' ने बदलते जमाने की आवश्यकताओं के मद्देनजर, और गृहस्थ लोगों में संन्यास के प्रति जागरूकता लाने के लिए गृहस्थ संन्यास की परंपरा को पुनर्जीवित किया है। सहज संन्यास मिशन की मान्यता है कि हम सरल हो जाएं, सच्चे हो जाएं, निस्वार्थ हो जाएं और प्रेममय हो जाएं तो हम संन्यासी हो गए। उसके लिए घर, परिवार, समाज, मित्र, रिश्तेदार, व्यवसाय या नौकरी छोडऩे की आवश्यकता नहीं है, किसी खास तरह के कपड़े पहनने की आवश्यकता नहीं है। गेरुए वस्त्र पहन कर हम लोगों को बताते हैं कि हम संन्यासी हैं, गृहस्थ संन्यास में रहकर हमें कुछ भी बताने, समझाने या घोषणा करने की भी आवश्यकता नहीं है। यहां तो सिर्फ खुद को समझाने और फिर खुद को समझने की आवश्यकता है। संन्यास इसी में पूरा हो जाता है। परमात्मा तक पहुंचने के कई रास्ते हैं। कोई भक्ति से परमात्मा तक जाता है, कोई सेवा से परमात्मा तक जाता है, कोई ज्ञान से परमात्मा तक जाता है, कोई योग से परमात्मा तक जाता है। सभी रास्ते परमात्मा के रास्ते हैं और सभी सही हैं। हमें अपनी स्थिति, अपनी क्षमता और अपनी पसंद के मुताबिक इनमें से कोई एक रास्ता या सभी का मिश्रण चुनकर अपनी यात्रा आरंभ करनी है और यह ध्यान रखना है कि हम किसी दूसरे रास्ते को नीचा न समझें, गलत न समझें, उसकी आलोचना न करें। सहज संन्यास मिशन में हमें यह स्पष्ट किया जाता है कि गेरुए वस्त्र पहनने की परंपरा उस प्रतीक को दर्शाती है कि व्यक्ति ने अपने शरीर का हवन कर दिया। सिर मुंडाने की प्रथा उस प्रतीक को दर्शाती है कि व्यक्ति ने अपनी इच्छाएं काट डालीं। जटा बढ़ाने की प्रथा इस प्रतीक को दर्शाती है कि हमें किसी फैशन, किसी मेकअप की आवश्यकता नहीं रह गई। इन प्रतीकों को समझकर, इनसे प्रेरणा लेकर इन्हें अपनाना गलत नहीं है, पर इन्हें जाने बिना, इनका महत्व समझे बिना एक रूटीन के रूप में इन्हें अपना लेने से कोई लाभ नहीं होगा। संन्यास लेना एक सार्थक कदम है, पर उसके लिए समझ का होना आवश्यक है, ज्ञान की रोशनी का होना आवश्यक है, वरना हम अंधेरे बंद कमरे के कैदी की तरह हैं जो सिर्फ ठोकरें खा रहा है।

आप का नजरिया

विकास कितना खोखला

मेडिकल कालेज जैसे संस्थानों की इमारतों की वास्तुकला तथा इनकी परिकल्पना में भविष्य की अधिकांश जरूरतें नत्थी होनी चाहिएं। आश्चर्य यह है कि ऐसे सिद्धांत हिमाचल के उभरते मेडिकल कालेजों में पराजित होने लगे हैं। टांडा मेडिकल कालेज के मदर एंड चाइल्ड अस्पताल पर 44 करोड़ व्यय और इस संस्थान का नामकरण करने के बावजूद इसकी परिकल्पना रैंप न होने के कारण चोट खा रही है। कितनी हैरानी की बात है कि अस्पताल की अहम भूमिका में खड़ी इमारत इस काबिल नहीं कि मरीज आसानी से उपचार कक्ष तक पहुंच जाएं। आखिर यह भवन उद्घाटन की पट्टिका तक कैसे पहुंच गया और इसे एक नेता के नाम पर समर्पण भी हो गया, लेकिन सारा वास्तुशास्त्र सीढियों पर फिसल गया। 44 करोड़ का व्यय मामूली नहीं होता। जाहिर है कोई ड्राइंग बनी होगी। इमारतों के मापदंड में इसे सक्रिय अस्पताल की श्रेणी में बनाते-बनाते देखा गया होगा। साइट की इंस्पेक्शन करते कई इंजीनियर गुजरे होंगे, लेकिन ये पांव नहीं देख पाए कि स्ट्रेचर या व्हील चेयर पर मरीज को एक अदद रैंप भी चाहिए। हमारा बजट हारा भी तो निर्माण के मुहाने पर आकर और ताज्जुब यह कि इस गलती को सुधारने के लिए अतिरिक्त तीन करोड़ 31 लाख जारी होने के बावजूद उपचार नहीं हो सका। यह हमारे सोच की गुणवत्ता है या यह भी कहा जा सकता है कि हमारी मशीनरी कितनी अगंभीर है। ऐसे में शिलान्यासों से उद्घाटन तक के फलक तक गलतियों के शिकार कई भवन चिढ़ाते हैं। पालमपुर के मिनी सचिवालय का पलस्तर बताता रहा है कि विकास अंदर से कितना खोखला है, तो इसी शहर का बाइपास थ्रू ब्रिज के निर्माण में लगी शटरिंग ने अपने हाथ खून से रंगे हैं। सरकारी परियोजनाओं की सही मॉनिटरिंग हो, तो अपव्यय के कई स्रोत बंद हो सकते हैं। ऐसी कई अधूरी इमारतें हैं, जो वर्षों बाद केवल विकास के खंडहर में बदल गई हैं। अभी हाल ही में राज्य सरकार ने किराये के भवनों में चल रहे कई विभागीय कार्यालयों को स्थानांतरित करने का फैसला किया है, तो पता चला कि जिला मुख्यालयों में कई खाली संपत्तियां बेकार हो रही हैं। सरकारी दायित्व का परफेक्शन हर बार निजी क्षेत्र के सामने खुद में विवश हो जाता है, तो इसलिए कि व्यावसायिक प्रतिबद्धता न होने के कारण, हर प्रयास गौण किया जाता है। अगर टीएमसी मदर एंड चाइल्ड इमारत के नक्शे पर परफेक्शन की निगाहें होतीं, तो 44 करोड़ की लागत से हम एक भविष्य का उज्ज्वल निर्माण कर पाते। वर्षों बाद भी सरकारी इमारतों के ढेर में आधुनिकता का बोध गायब रहता है, तो इसलिए क्योंकि हम ढर्रे से बाहर नहीं आना चाहते। इस दौरान निर्माण की सरकारी एजेंसियां तो बढ़ गईं, लेकिन नए हिमाचल का कलात्मक पक्ष सामने नहीं आया। सरकारी क्षेत्र में पहाड़ी शैली का आधुनिक बोध दिखाई नहीं दिया, नतीजतन एक ही ड्राइंग पर आफिस, स्कूल या चिकित्सा भवन दिखाई देने लगे हैं। शिमला में अंग्रेजी शासन में जिस तरह प्रकृति से मेल खाता निर्माण हुआ, वह न्यू शिमला बनते-बनते मिट्टी में मिल चुका है।

यूएस के उप राष्ट्रपति ने दिए संकेत-भारत अपने तरीके से निपटे

वाशिंगटन,09 मई (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान का तनाव फिलहाल कम होता दिखाई नहीं दे रहा है। इसी बीच अमेरिका ने इशारों ही इशारों में संकेत दे दिया है कि भारत अपने तरीके से पाकिस्तान से निपट ले और वो इसमें कोई दखल नहीं देगा। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वैंस ने इशारों में यह भी जता दिया कि भारत को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय हितों की रक्षा करने का पूरा हक है।

वेंस ने कहा, हम इन देशों को कंट्रोल नहीं कर सकते। भारत को पाकिस्तान से शिकायतें हैं और पाकिस्तान ने जवाब दिया है। हम बस यही कर सकते हैं कि तनाव न बढ़े, लेकिन इस जंग में अमेरिका का कोई रोल नहीं बनता। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया है। ये कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान का संघर्ष बुनियादी तौर पर हमारा मामला नहीं है। वेंस ने साफ शब्दों में कहा कि यह ऐसा मामला है जिसमें अमेरिका की कोई सीधी भूमिका नहीं बनती। हालांकि, उन्होंने अपने बयान सीधे तौर पर नहीं लेकिन सांकेतिक तौर पर यह इशारा है कि भारत इस स्थिति से अपने तरीके से निपटे।

भारत के कड़े रुख और लगातार जवाबी कार्रवाइयों ने एक बात तो पूरी दुनिया को दिखा दी है कि अब भारत आतंकवाद पर कोई नरमी नहीं बरतेगा और पाकिस्तान को कोई बचाने नहीं आएगा। जेडी वेंस के बयान को भी इसी संकेत में देखा जा रहा है कि अब भारत को आतंक के खिलाफ कार्रवाई में खुली छूट है, और अमेरिका इससे दूरी बनाए रखना चाहता है।

भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

भारत ने गुरुवार की रात पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमलों की कोशिश को भी नाकाम कर दिया। पठानकोट, जम्मू और उधमपुर जैसे संवेदनशील सैन्य अड्डों को निशाना बनाया गया था, लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों की सतर्कता ने हर साजिश को चकनाचूर कर दिया। इससे पहले इस पूरे घटनाक्रम पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा, मैं दोनों देशों को जानता हूं और चाहता हूं कि वो इस तनाव को सुलझाएं। अगर मेरी कोई मदद काम आए तो मैं जरूर तैयार हूं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के तीन बंदरगाहों कराची कासिम, ग्वादर में हाई अलर्ट

कराची। पड़ोसी भारत के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के कारण पाकिस्तान ने मुल्क के तीन प्रमुख बंदरगाहों कराची, कासिम और ग्वादर में हाई अलर्ट जारी किया है। साथ ही यहां मछली पकड़ने पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। द नेशन अखबार की खबर के अनुसार, एहतियात के तौर पर समुद्र में मौजूद सभी मछली पकड़ने वाली नावों और ट्रॉलरों को गुरुवार को वापस बुला लिया गया। हाई अलर्ट हटाए जाने तक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लागू रहेगा। अधिकारियों ने मछुआरों से समुद्र में जाने से परहेज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने कहा कि सभी प्रमुख बंदरगाहों पर सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है।

भारत-पाक तनाव पर नेपाल की प्रतिक्रिया- हमारी धरती पड़ोसी देशों के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होगी

काठमांडु। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद नेपाल ने एक स्पष्ट और संतुलित बयान जारी करते हुए कहा है कि वह अपनी ज़मीन का इस्तेमाल किसी भी शत्रुतापूर्ण गतिविधि के लिए नहीं होने देगा। नेपाल ने आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए भारत के प्रति संवेदना जताई है, खासकर उस आतंकवादी हमले को लेकर जिसमें एक नेपाली नागरिक की भी मौत हुई। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा है, कि नेपाल सरकार पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत-पाक तनाव को लेकर अत्यंत चिंतित है। बयान में आगे कहा गया है, कि नेपाल आतंकवाद के खिलाफ है और किसी भी हाल में अपनी धरती का उपयोग शत्रुतापूर्ण ताकतों द्वारा अपने पड़ोसियों के खिलाफ नहीं होने देगा। एक नेपाली नागरिक की मौत के बाद नेपाल ने इस हमले की सीधी और कड़ी निंदा की है।

नेपाल ने कहा कि वह भारत के साथ इस दुखद समय में संवेदना और एकजुटता के साथ खड़ा है। बयान में यह भी उल्लेख किया गया कि नेपाल हर तरह के आतंकवाद का विरोध करता है और वैश्विक आतंकवाद विरोधी प्रयासों में सहभागी रहेगा।

नेपाल के प्रमुख नेताओं में बिमलेंद्र निधि, पूर्व उप प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों के खिलाफ एक प्राकृतिक और आवश्यक प्रतिक्रिया थी।

इस प्रकार भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए नेपाल ने बहुत ही सधा हुआ और संतुलित बयान दिया है।

कैंसर से बचाव में किस तरह महत्वपूर्ण साबित हो सकते टेलोमेयर

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने कैंसर से बचाव से जुड़ी एक नई प्रक्रिया खोजी है, जो टेलोमेयर नामक संरचनाओं पर केंद्रित है।

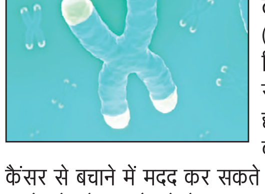

टेलोमेयर गुणसूत्रों (क्रोमोसोम) के सिरे पर मौजूद सुरक्षात्मक आवरण होते हैं, जो कोशिकाओं को कैंसर से बचाने में मदद कर सकते हैं। टेलोमेयर उम्र बढ़ने और कैंसर रोकने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ, ये धीरे-धीरे छोटे होते हैं। जब टेलोमेयर बहुत छोटे हो जाते हैं, वे कोशिकाओं को विभाजन रोकने का संकेत देते हैं। यह एक प्राकृतिक सुरक्षा प्रक्रिया है, जो कैंसर को फैलने से रोकती है। रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी एक अध्ययन में सामने आई है। शोधकर्ता वैज्ञानिक के अनुसार, हमारे डेटा से पता चलता है कि टेलोमेयर बहुत ज्यादा सक्रिय होते हैं। वे स्ट्रेस पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं और उम्र बढ़ने जैसी दिखने वाली सेलुलर प्रतिक्रिया को शुरू कर देते हैं। वे ऐसा कैंसर से बचने के लिए करते हैं। शोध में, यह समझने का प्रयास किया कि टेलोमेयर कैंसर से बचाव में सक्रिय भूमिका कैसे निभाते हैं। यह अध्ययन एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अधिकतर लोग मानते हैं कि टेलोमेयर सिर्फ निष्क्रिय रूप से छोटे होते जाते हैं। लेकिन हमारा शोध बताता है कि वे सक्रिय रूप से कोशिकाओं की सुरक्षा भी करते हैं। टेलोमेयर कोशिका चक्र को रोककर या कोशिकाओं को खुद से मरने के लिए प्रेरित करके, उन कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करते हैं, जिसमें गुणसूत्र क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। खोज से टेलोमेयर का एक नया कैंसर-रोधी कार्य सामने आया है, जो पहले ज्ञात नहीं था। इस खोज से कैंसर के नए उपचारों की राह खुल सकती है।

बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के दावे से पाकिस्तान में खलबली

क्वेटा,09 मई (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बाईस अप्रैल को आतंकवादी हमला करवाकर पाकिस्तान बुरी तरह फंस गया है। इस हमले से दोनों के बीच के सैन्य टकराव पर सारी दुनिया की नजर है। इस बीच पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित बलूचिस्तान प्रांत में स्वतंत्रता की गूंज उठने से दहशतगर्द मुल्क के हाथों से तोते उड़ते नजर आ रहे हैं। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा पाकिस्तान का नौवां सबसे बड़ा शहर है। लेखक मीर यार बलोच की आजादी की घोषणा से पाकिस्तान में खलबली मच गई है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के प्रतिष्ठित लेखक मीर यार बलोच ने एक्स पोस्ट में बलूचिस्तान की आजादी का एलान किया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान के पतन के निकट होने के कारण जल्द ही संभावित घोषणा की जानी चाहिए। उन्होंने भारत से अनुरोध किया कि वह बलूचिस्तान के आधिकारिक कार्यालय और दिल्ली में दूतावास की अनुमति दे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से भी अनुरोध किया है कि वह बलूचिस्तान के लोकतांत्रिक गणराज्य की स्वतंत्रता को मान्यता दे और अपना समर्थन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों की बैठक बुलाए।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बलूचिस्तान में अपने शांति मिशन को तुरंत भेजना चाहिए, जिससे पाकिस्तान की कब्जे वाली सेना से बलूचिस्तान के क्षेत्रों, वायु क्षेत्र और समुद्र को खाली करने और सभी हथियार और संपत्ति बलूचिस्तान में छोड़ने के लिए कहे। मीर यार बलोच ने कहा कि अब सेना, फ्रंटियर कोर, पुलिस, सैन्य खुफिया, आईएसआई और नागरिक प्रशासन में सभी गैर-बलूच कर्मियों को तुरंत बलूचिस्तान छोड़ देना चाहिए। साथ ही बलूचिस्तान का नियंत्रण जल्द ही स्वतंत्र बलूचिस्तान राज्य की नई सरकार को सौंप दिया जाए।

मीर यार ने कहा कि जल्द ही अंतरिम सरकार की घोषणा होगी। मंत्रिमंडल में बलूच महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होगा। बलूचिस्तान की स्वतंत्र सरकार का राजकीय समारोह जल्द ही आयोजित किया जाएगा। मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्षों को राष्ट्रीय परेड देखने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। हम उनसे आशीर्वाद मांगेंगे।

उन्होंने बलूचिस्तान में रहने वाले हिंदू समुदाय को आश्वस्त किया है कि वे निश्चिंत रहें। उन्हें और हिंगलाज माता मंदिर सहित उनके सभी धार्मिक स्थलों को पाकिस्तानी सेना के आतंकवाद और आक्रमण से बचाया जाएगा। बलूचिस्तान, पाकिस्तान की कायर सेना को ऐसा बड़ा सबक सिखाने में सक्षम है, जिसे उसके उसकी सात पीढ़ियां कभी नहीं भूलेंगी। बलूचिस्तान में अब कोई भी पाकिस्तानी किसी हिंदू से कलमा पढ़ने के लिए कहने और उसकी पत्नी और बच्चों के सामने उसकी हत्या करने की हिम्मत नहीं करेगा।

नहाता नहीं था, इसीलिए ब्वॉयफ्रेंड से ब्रेकअप

लंदन। जब किसी की जीवनशैली दूसरे के लिए परेशानी का कारण बन जाए, तो रिश्ते में दरार आना तय होता है। कुछ ऐसा ही हुआ ब्राज़ील की एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर डेबोरा पोर्टो के साथ, जिन्होंने अपने ब्वॉयफ्रेंड से केवल इसलिए ब्रेकअप कर लिया क्योंकि वह न तो नहाता था, न कोई हाइजीन प्रोडक्ट इस्तेमाल करता था। डेबोरा पोर्टो एक बॉडी पॉजिटिव कंटेंट क्रिएटर हैं, जिनके सोशल मीडिया पर करीब 20 लाख फॉलोअर्स हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि उनका अपने ब्वॉयफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया है और इसकी वजह थी उसकी 'प्राकृतिक जीवनशैली'। डेबोरा के अनुसार, उनका एक्स-ब्वॉयफ्रेंड न तो साबुन, शैंपू, डियोडरेंट या टूथपेस्ट का इस्तेमाल करता था और हफ्ते में सिर्फ एक बार नहाता था। शुरुआत में डेबोरा को उसका नेचुरल रहन-सहन आकर्षक लगा, लेकिन धीरे-धीरे यह सब असहज करने वाला बन गया। उन्होंने कहा कि उनके ब्वॉयफ्रेंड के शरीर से बदबू आने लगी थी और उसके साथ किसी बंद कमरे में रहना मुश्किल हो गया था। वह बिस्तर पर नहीं सोता था, बल्कि जमीन पर दरी बिछाकर सोता और डेबोरा को भी यही करने के लिए कहता। वह पेड़ों को गले लगाता, नंगे पांव घंटों चलता और कई बार कीचड़ में लोटता था, जिसे वह प्रकृति से जुड़ने का जरिया मानता था। लेकिन डेबोरा को ये आदतें अब विचित्र लगने लगीं। आखिरकार उन्होंने इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला लिया। हालांकि डेबोरा ने यह भी कहा कि वह अपने पूर्व प्रेमी की सोच और जीवनशैली का सम्मान करती हैं, लेकिन यह उनके लिए उपयुक्त नहीं थी।

भारत का जल प्रहार, सलाल और बगलिहार डैम के खोले गए गेट, पाक के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा

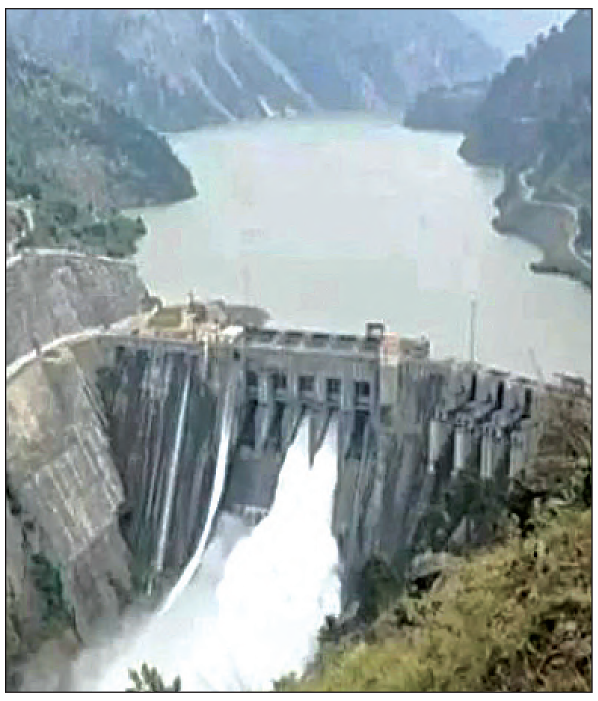

इस्लामाबाद,09 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। वहीं, अब भारत ने चिनाब नदी पर बने सलाल और बगलिहार डैम के सभी गेट एक साथ खोल दिए हैं। जिस कारण अब पाकिस्तान कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए है।

चेनाब नदी पर बने सलाल और बगलिहार डैम के गेट भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद बंद कर दिए थे। इससे पाकिस्तान पर एक तरह से वाटर स्ट्राइक की गई थी। लेकिन, अब भारत ने दोनों डैम के कई गेट एक साथ खोल दिए हैं। ऐसे में अब पाकिस्तान में बाढ़ आने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, ये भी बताया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर रीजन में भारी बारिश के बाद जलाशयों में काफी पानी जमा हो गया है। इसके बाद चिनाब नदी पर बने सलाल और बगलिहार डैम पर बने छह गेट को खोल दिए गए हैं।

भारत लौट सकता हैं कोहिनूर हीरा, ब्रिटेन की इस मंत्री के बयान से जागी उम्मीद

कोहिनूर हीरे को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई है। ब्रिटेन की संस्कृति मामलों की सचिव, लिसा नैंडी ने भारत और ब्रिटेन के बीच चल रही बातचीत का ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि दोनों देश पुराने सांस्कृतिक विरासतों और ऐतिहासिक चीजों को लेकर मिलकर काम कर रहे हैं। इसमें कोहिनूर हीरा भी शामिल है, जो भारत के इतिहास और ब्रिटिश शासन से गहराई से जुड़ा हुआ है। नैंडी ने बताया कि चर्चा इस पर हो रही है कि कैसे दोनों देश मिलकर अपने नागरिकों को इन सांस्कृतिक धरोहरों तक पहुंच दिला सकते हैं। ब्रिटेन में भारतीय मूल की मंत्री लिसा नैंडी ने बताया कि 卐हम भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से बातचीत कर रहे हैं, ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें कि दोनों देशों के लोग इन सांस्कृतिक चीजों से जुड़ सकें, जो एक अलग दौर से आई है। मैंने अपने भारतीय समकक्ष से भी इस बारे में बात की है। उनके बयान से फिर उम्मीद जागी है कि कोहिनूर भारत वापस आ सकता है। कोहिनूर दुनिया के सबसे बड़े कटे हुए हीरों में से एक है, जिसका वजन करीब 105 कैरेट है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बांग्लादेश में आम चुनाव की हलचल तेज, नई ताकतें भी मैदान में

ढाका,09 मई (एजेंसियां)।

भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनावपूर्ण हालात में बांग्लादेश आम चुनाव की ओर अग्रसर होता दिख रहा है। चुनाव को लेकर ढाका में राजनीतिक गतिविधियाँ जोर पकड़ रही हैं। हालाँकि चुनाव की औपचारिक तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है, लेकिन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने संकेत दिए हैं कि आम चुनाव दिसंबर 2025 या जनवरी 2026 में हो सकते हैं। ऐसा करना उनके लिए भी सही ही होगा, क्योंकि अब देश के हालात बदल रहे हैं और इसमें जोर-जबरदस्ती काम आने वाली नहीं है। यह बात पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों पर किए गए भारतीय कार्रवाई से स्पष्ट हो गया है।

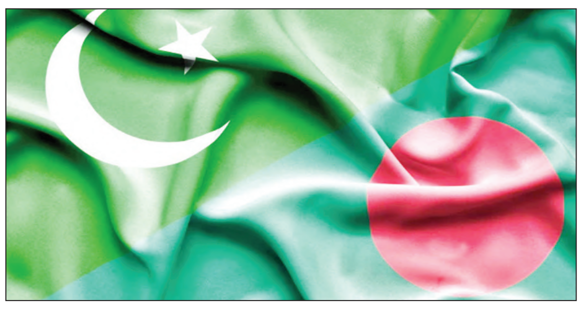

देखने में आया है कि यूनुस और उनकी समर्थित सरकार लगातार पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर भारत को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसे में देश में एक नया समीकरण भी बनने लगा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना की पार्टी और छात्रों के संगठन सरकार के खिलाफ खुलकर सड़कों में आने का मन बना चुके हैं, ऐसे में मौजूदा अंतरिम सरकार के लिए यही अच्छा होगा कि वह जल्द से जल्द देश में आम चुनाव कराने की घोषणा कर दे। वैसे देखने में आ रहा है कि शेख हसीना की अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनावी रणनीतियों में जुट चुकी हैं।

दोनों दलों ने राजनीतिक सभाएं, जनसंपर्क अभियान और प्रचार गतिविधियों को तेज कर दिया है। खालिदा जिया की लंदन से वापसी ने बीएनपी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी है और पार्टी ने घोषणा की है कि वह सभी 300 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

छात्र आंदोलनों से निकली एनसीपी की उभरती ताकत

इस चुनाव में एक नया मोड़ नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की सक्रियता के रूप में सामने आया है। यह पार्टी छात्र आंदोलनों से उभरी है और अब ग्रामीण इलाकों से लेकर कॉलेज परिसरों तक तेज़ी से अपना जनाधार बना रही है। एनसीपी ने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने और चुनावी सुधार की मांग की है। पार्टी के दक्षिण प्रमुख हसनत अब्दुल्ला का कहना है कि वे इस चुनाव को तभी वैध मानेंगे जब इन मांगों पर कार्रवाई होगी।

राजनीतिक समीकरण बदलने की संभावनाएं

एनसीपी का उभार, धार्मिक संगठनों से संभावित गठजोड़, और अवामी लीग विरोधी रुख से संकेत मिल रहे हैं कि इस बार का चुनाव पारंपरिक दो-ध्रुवीय मुकाबले से अलग हो सकता है। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने भी शंका जताई है कि अवामी लीग के शासन में निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं होंगे।

वेटिकन ने कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को चुना नया पोप

इस पद पर पहुंचने वाले पहले अमेरिकी, ट्रंप ने कहा-यह देश के लिए बहुत बड़ा सम्मान

वेटिकन सिटी,09 मई (एजेंसियां)।

वेटिकन ने अपना नया पोप कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को चुन लिया। कैथोलिक प्रमुख के सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाले रॉबर्ट प्रीवोस्ट पहले अमेरिकी कार्डिनल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सबसे बड़ा सम्मान बताया है। दिवंगत पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के रूप में उनका चुनाव मतदान के जरिये किया गया। उन्हें पोप लियो के नाम से जाना जाएगा।

सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी से पोप के रूप में अपनी पहली टिप्पणी में उन्होंने शांति का

आह्वान किया और दिवंगत पोप फ्रांसिस को जनसमूह के सामने श्रद्धांजलि अर्पित की। संयुक्त राज्य अमेरिका के कार्डिनल रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को 267वां पोप चुना गया है। वह जल्द ही दुनिया के 1.4 अरब कैथोलिकों के नए नेता के रूप में सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी में आधिकारिक रूप से कदम रखेंगे।

शिकागो के 69 वर्षीय प्रीवोस्ट वैश्विक अनुभव वाले नेता हैं। उन्होंने अपने करियर का अधिकांश समय दक्षिण अमेरिका में एक मिशनरी के रूप में बिताया और पेरू में बिशप के रूप में कार्य किया। उन्होंने हाल ही में बिशप नियुक्तियों के लिए एक शक्तिशाली वेटिकन कार्यालय का नेतृत्व किया। उनसे पोप फ्रांसिस के सुधारों को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।

133 वोटिंग कार्डिनल थे और उनमें से किसी एक को अगला पोप बनने के लिए दो-तिहाई वोट की आवश्यकता थी। दोपहर की शुरुआत में सिस्टिन चैपल के ऊपर सफेद धुआं निकला जो एक नए पोप के चयन का संकेत दे रहा था। वह मतदान में बाजी मार गए। रॉबर्ट प्रीवोस्ट का जन्म 1955 में शिकागो के इलिनोइस में हुआ था। प्रीवोस्ट ने पेंसिल्वेनिया के विलानोवा विश्वविद्यालय से गणित में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और शिकागो के कैथोलिक थियोलॉजिकल यूनियन से धर्मशास्त्र में डिप्लोमा प्राप्त किया। बाद में उन्हें पोंटिफिकल सेंट थॉमस एक्विनास विश्वविद्यालय में कैनन कानून का अध्ययन करने के लिए रोम भेजा गया और जून 1982 में एक पुजारी के रूप में नियुक्त किया गया। यह कहा जाता है कि अमेरिका के अत्यधिक वैश्विक राजनीतिक प्रभाव के कारण कार्डिनल निर्वाचक हमेशा अमेरिका से पोप चुनने से कतराते हैं। उन्होंने इसे गलत साबित कर दिया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका जश्न मनाया कि कार्डिनल्स के कॉलेज ने अपना पहला अमेरिकी पोप शिकागो के कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को चुना। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए बड़ा सम्मान है। लियो ने उन्हें पोप के रूप में चुनने के लिए अपने कार्डिनल भाइयों का आभार जताया है।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में लेंगे हिस्सा, दो बार चोट के कारण रह चुके हैं बाहर

नई दिल्ली , 09 मई (एजेंसियां) ।

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस साल 24 जून को चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा शहर में होने वाले गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेंगे। इससे पहले वह 2023 और 2024 के संस्करणों से चोट के चलते हट गए थे, लेकिन इस बार वह तीसरी बार में किस्मत आजमाने उतरेंगे।

दो बार नहीं खेल पाए, अब कोच के देश में दिखेगा जलवा – टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले दो वर्षों में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि वह 2024 में विशेष अतिथि के रूप में वहां मौजूद रहे थे। इस बार यह मुकाबला खास इसलिए भी होगा क्योंकि यह उनके दिग्गज कोच और पूर्व विश्व चैंपियन जान ज़ेलेज़नी के होमग्राउंड पर खेला जाएगा। ज़ेलेज़नी खुद इस टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।

नीरज ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं यह घोषणा करते हुए उत्साहित हूं कि मैं इस साल ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लूंगा। यह एक ऐतिहासिक प्रतियोगिता है और इस बार यह और भी खास होगी। मेरे कोच जान ज़ेलेज़नी ने यहां कई बार जीत दर्ज की है और अब वह टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड मीट का हिस्सा है गोल्डन स्पाइक – गोल्डन स्पाइक मीट 1961 से आयोजित हो रहा है और यह वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिता है, जो डायमंड लीग के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अहम सिरीज़ मानी जाती है।

इस बार नीरज का मुकाबला 2020 ओलंपिक रजत पदक विजेता और चेक गणराज्य के ही याकुब वाडलेच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों से होगा।

इससे पहले दो बड़े मुकाबलों में उतरेंगे नीरज – गोल्डन स्पाइक से पहले नीरज 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में नजर आएंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई के बीच होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

रायुडू के बयान पर भड़के लोग

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच ही भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ऑपरेशन सिंदूर के बाद की गयी अपनी एक पोस्ट के कारण विवादों में आ गये हैं। इसमें उन्होंने उन्होंने लिखा कि आंख के बदले आंख लेना पूरी दुनिया को अंधा कर देगा।रायुडू की इस बात से प्रशंसक भड़क गये और उन्हें जमकर ट्रॉल किया जाने लगा। इसके बाद मौके की नजाकत को देखते हुए रायुडू ने अपनी इस पोस्ट को हटाकर बात संभालने के प्रयास किये। इसी के तहत ही रायुडू ने आंख के बदले आंख वाले पोस्ट के करीब एक घंटे के बाद एक और पोस्ट भेजी, जिसमें उन्होंने लिखा, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और सीमा से सटे भारत के अन्य हिस्सों में शांति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना। प्रभावित सभी लोगों के लिए शक्ति, सुरक्षा और शीघ्र समाधान की आशा। जय हिंद! इसके एक घंटे बाद फिर से उन्होंने पोस्ट किया और फिर से आंख के बदले आंख वाले बयान पर स्पष्टीकरण देने के प्रयास करते हुए लिखा, आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है। आइए याद रखें — यह कमजोरी का आह्वान नहीं है, बल्कि समझदारी की याद दिलाता है। न्याय को दृढ़ रहना चाहिए, लेकिन मानवता की दृष्टि कभी नहीं खोनी चाहिए। हम अपने देश से बेहद प्यार कर सकते हैं और फिर भी अपने दिलों में करुणा रख सकते हैं। देशभक्ति और शांति साथ-साथ चल सकते हैं।
रायुडू की इस बात पर प्रशंसकों ने उन्हीं के अंदाज में जवाब दिया। एक यूजर ने लिखा, कोहली ने तेरे साथ सही किया था जो विजय शंकर को विश्व कप में ले गया था एक और यूजर ने जवाब दिया, कुछ तो शर्म करो, सीएसके के प्रशंसक भी तुम्हारा बचाव नहीं करेंगे। वहीं एक ने लिखा, ये प्रवचन लिखकर क्या दिखाना चाहता है तू ज्यादा स्मार्ट है तो क्या किया जाए कोई भी आए और हमारे लोगों को मारकर चला जाए तुम जैसे लोग देश की सुविधाओं का तो पूरा लाभ उठाते हैं पर समय आने पर देश के पक्ष में लिखने से भी पीछे हट जाते है। एक अन्य ने लिखा, अगर आपको लगता है कि वे 26 परिवार हमारे अपने हैं, तो आप ऐसा नहीं कहेंगे। हम पिछले 70 सालों से निर्दोष जवानों और अधिकारियों को खो रहे हैं। इसलिए उपदेश देना बंद करें।

पंजाब किंग्स में आने से बेहतर हुआः अर्शदीप

नई दिल्ली। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आईपीएल के इस सत्र में पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप ने कहा है कि इस टीम में आने के बाद से ही उनमें काफी बदलाव आया है जिसके कारण ही वह पहले से बेहतर खिलाड़ी बन सके हैं। अर्शदीप ने कहा कि फ्रेंचाइजी में एक साल होने के बाद से ही उन्हें अहम भूमिका भी मिलने लगीं जिससे वह अधिक जिम्मेदारी से अपना काम कर पाते हैं। वह साल 2019 से ही पंजाब किंग्स से खेल रहे हैं। अर्शदीप ने कहा, जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूं, पहले साल को छोड़कर , मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और बेहतर इंसान के रूप में विकसित होने में भी सहायता मिली।

भारतीय टीम के नये टेस्ट कप्तान के लिए ये हैं प्रबल दावेदार

मुम्बई । रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद अब अगले माह होने वाले इंग्लैड दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नये कप्तान की तलाश है। भारतीय टीम को इंग्लैड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में इन चार खिलाड़ियों को कप्तानी का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। जसप्रीत बुमराह : तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट कप्तान बनने के सबसे बड़े दावेदार हैं। वह टीम के उपकप्तान भी हैं। उन्होंने कई अवसरों पर नेतृत्व कर प्रभावित किया है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले और आखिरी टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। उन्होंने पहले मैच में 72 रन देकर 8 विकेट लेकर भारत को 295 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी वह प्लेयर ऑफ द मैच ही रहे।हालांकि, बुमराह सिडनी में आखिरी टेस्ट में चोट लगने के कारण पूरा मैच नहीं खेल सके थे। बुमराह का कमजोर पक्ष उनकी फिटनेस है।

भारत-पाकिस्तान टकराव के कारण आईपीएल को टाला गया

बीसीसीआई ने नई तारीखें नहीं बताईं, विदेशी खिलाड़ियों को अपने देश लौटने के लिए कहा

नई दिल्ली , 09 मई (एजेंसियां) ।

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े टकराव के कारण बीसीसीआई ने आईपीएल टाल दिया है। हालांकि बीसीसीआई ने इस पर अधिकृत बयान जारी नहीं किया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, यह अच्छा नहीं लगता कि जब देश में युद्ध चल रहा हो, तब क्रिकेट खेला जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी विदेशी खिलाड़ियों को अपने देश लौटने के लिए कहा गया है। नई तारीखें आने पर उन्हें सूचित किया जाएगा। अभी आईपीएल के 12 लीग मैच और 4 प्लेऑफ के मुकाबले बाकी हैं। टूर्नामेंट का फाइनल 25 मई को होना था।

माना जा रहा है कि अगस्त में होने वाला भारत का बांग्लादेश दौरा रद्द किया जाएगा। सितंबर में होने वाला एशिया कप भी टाला जाएगा। इनकी जगह भारत में आईपीएल के बाकी मैच कराए जा सकते हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने कहा, आईपीएल को टालना यह एक अच्छा फैसला है क्योंकि भारत-पाकिस्तान तनाव चल रहा है। हम इंतजार कर सकते हैं। बीसीसीआई को सरकार से सलाह करके आगे के फैसले लेने चाहिए।

एक दिन पहले पंजाब-दिल्ली मैच बीच में रद्द करना पड़ा था

पाकिस्तान ने 8 मई की रात करीब 8.30 बजे भारत के जम्मू, पंजाब और राजस्थान की बॉर्डर पर मिसाइल और ड्रोन से हमला कर दिया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच खेला जा रहा था। इसे बीच में ही रोकना पड़ा था।

पंजाब ने पहले बैटिंग करते हुए 10.1 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 122 रन बना लिए थे। तभी मैदान की फ्लडलाइट्स को बंद कर दिया गया और दर्शकों को घर भेजा गया। युद्ध की स्थिति को देखते हुए शहर में ब्लैकआउट किया गया और मैच रद्द कर दिया। यह लीग स्टेज का 58वां मैच था।

आईपीएल के मैच चार बार देश से बाहर खेले गए

आईपीएल 2008 से चल रहा है। अब तक चार बार इसका आयोजन देश से बाहर हुआ है। इस साल आईपीएल का 18वां सीजन है।

2009- पहली बार 2009 में लोकसभा चुनाव होने के कारण आईपीएल के सभी मुकाबले साउथ अफ्रीका में खेले गए थे, क्योंकि चुनाव की वजह से सरकार ने मैच में पर्याप्त सुरक्षा देने से मना कर दिया था। 2014- लोकसभा चुनाव के कारण आईपीएल का पहला चरण 16 से 30 अप्रैल तक यूएई में आयोजित किया गया था। उसके बाद बाकी बचे मैच 2 मई से भारत में खेले गए थे। 2020- कोरोना के कारण आईपीएल मार्च में नहीं हुआ और इसका आयोजन सितंबर में यूएई में कराया गया। मुंबई ने दिल्ली को हराकर खिताब जीता था। 2021- आईपीएल को देश के चार स्थानों दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और चेन्नई में कराने का फैसला किया गया। 9 अप्रैल से टूर्नामेंट शुरू भी हुआ। लेकिन, खिलाड़ियों में कोरोना संक्रमण के कारण 2 मई के खेले गए मैच के बाद टूर्नामेंट को बीच में रोकना पड़ा और टूर्नामेंट के बचे हुए मैच सितंबर-अक्टूबर में यूएई में खेले गए।

गुजरात टॉप पर, 3 टीमें बाहर

आईपीएल बीच में रोके जाने तक लीग स्टेज के 57 मैच खत्म हो चुके थे। 58वां मैच बीच में रोका गया। 57 मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सबसे ज्यादा 16-16 पॉइंट्स रहे। बेहतर रन रेट के कारण गुजरातटॉप पर रही। पंजाब तीसरे, मुंबई चौथे और दिल्ली पांचवें नंबर पर थी। वहीं चेन्नई, राजस्थान और हैदराबाद की टीमें प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गईं।

गुजरात-बेंगलुरु के 3-3 मैच बाकी

टूर्नामेंट रोके जाने तक 4 टीमों के 2-2 मैच बाकी थे। वहीं गुजरात और बेंगलुरु समेत 6 टीमों ने 3-3 मैच नहीं खेले थे। शुक्रवार को लखनऊ और बेंगलुरु के बीच लखनऊ में मैच खेला जाना था, लेकिन इससे पहले ही टूर्नामेंट को रोक दिया गया।

पीसीएल 2025 के बचे हुए मुकाबले यूएई शिफ्ट, भारत-पाक तनाव के बीच लिया गया बड़ा फैसला

नई दिल्ली , 09 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10वें संस्करण के बचे हुए आठ मुकाबले अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह अहम फैसला लिया है। पीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि शेष मुकाबलों की तारीख और स्थान की घोषणा जल्द की जाएगी।

रावलपिंडी मैच रद्द, खिलाड़ियों ने जताई चिंता

गुरुवार को कराची किंग्स और पेशावर ज़ल्मी के बीच रावलपिंडी स्टेडियम में मुकाबला होना था, लेकिन एक ड्रोन के स्टेडियम परिसर में गिरने के बाद आपात बैठक बुलाकर मैच को स्थगित कर दिया गया। इस बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नक़वी और लीग में शामिल विदेशी खिलाड़ियों के बीच चर्चा हुई, जिसमें अधिकांश विदेशी खिलाड़ियों ने लीग को यूएई शिफ्ट करने की मांग की।

यूएई में पीसीएल को दोबारा मिली शरण

यह पहली बार नहीं है जब पीसीएल को यूएई में कराना पड़ा हो। लीग की शुरुआत 2016 में यूएई से हुई थी और शुरुआती दो सीजन वहीं खेले गए थे। इसके बाद 2021 में कोविड के कारण भी कुछ मुकाबले यूएई में हुए थे। अब एक बार फिर लीग को सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर भी पड़ सकता है असर

पीसीएल के बाद पाकिस्तान को 21 मई को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी 20 सीरीज़ की मेज़बानी करनी थी। पहला मुकाबला 25 मई को फैसलाबाद में खेला जाना था, लेकिन अब लीग के शेड्यूल में बदलाव होने से इस सीरीज़ पर भी असर पड़ सकता है। पीसीबी ने फिलहाल इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

रिले रेस में जीत के बाद उत्साहित स्वर्ण विजेता ली झुवाओ, टेंग जियांगडा व टेंग जियो

चीन में राष्ट्रीय खेलों की रिले रेस में जीत के बाद उत्साहित स्वर्ण विजेता ली झुवाओ, टेंग जियांगडा व टेंग जियो।

जेसन रॉय की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेलेंगे

लंदन, 09 मई (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज़ जेसन रॉय एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्हें इस हफ्ते वारविकशायर के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले के लिए सरे की टीम में शामिल किया गया है।

चार साल बाद वापसी, पिछली बार 2020 में खेले थे रेड-बॉल मैच

34 वर्षीय रॉय ने अब तक 87 रेड-बॉल मैचों में 36.46 की औसत से 9 शतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143 (लंकाशर के खिलाफ, 2015) है। हालांकि, उन्होंने आखिरी बार 2020 की कोविड प्रभावित गर्मियों में बॉब विलिस ट्रॉफी में हैम्पशायर के खिलाफ यह फॉर्मेट खेला था।

टेस्ट में नहीं चल पाए थे रॉय

2019 विश्व कप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद रॉय को टेस्ट टीम में मौका मिला था। उन्होंने आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले लेकिन आठ पारियों में महज 13.75 की औसत से रन बना सके। ऑस्ट्रेलियाई पेस

अटैक के सामने उनकी तकनीक नाकाम साबित हुई और आखिरकार उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

सफेद गेंद प्रारूप में गिरती लोकप्रियता का असर

रॉय की वापसी उनके टी20 करियर की घटती चमक को भी दर्शाती है। 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप में उन्हें इंग्लैंड की टीम से बाहर रखा गया था और इस साल के आईपीएल के लिए भी उन्हें नहीं चुना गया।

वह 2020, 2022 और 2024 में निजी कारणों से आईपीएल से हट चुके हैं। आखिरी बार उन्होंने मार्च 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे खेला था। सरे को बल्लेबाज़ों की कमी, रॉय से उम्मीदें सरे टीम को इस मुकाबले में ओली पोप, जेमी स्मिथ और गस एटकिंसन जैसे ईसीबी-कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी झेलनी पड़ेगी, जिन्हें ज़िम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टेस्ट से पहले आराम दिया गया है।

दमरे और ड्रीम अकादमी ने एलवीआर बास्केटबॉल चैंपियनशिप में खिताब जीता

हैदराबाद , 09 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे और ड्रीम बास्केटबॉल अकादमी शुक्रवार को यहां विक्ट्री प्लेग्राउंड में आयोजित एल. वेंकटराम रेड्डी (एल.वी.आर.) मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप के क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग में चैंपियन बने।

पुरुषों के फाइनल में, एससीआर ने ब्रेक तक 24-20 से आगे रहने के बाद निजाम बास्केटबॉल अकादमी को 66-49 से हराया।

विजेताओं के लिए संतोष (17) और अजित (15) ने प्रमुख प्रदर्शन किया, जबकि हारने वालों के लिए बालाजी (20) ने शानदार प्रदर्शन किया और कौशिक (9) ने उनका अच्छा साथ दिया।

महिलाओं के फाइनल में, ड्रीम अकादमी ने

निज़ाम बास्केटबॉल अकादमी के खिलाफ हाफ टाइम तक 40-19 से बढ़त लेने के बाद 61-42 से जीत दर्ज की।

विजेता टीम की ओर से नेत्रा (26) और मेधा (20) ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि हारने वाली टीम की ओर से अमिता (16) और जाह्नवी (9) ने अच्छा प्रदर्शन किया।

तेलंगाना बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष आर श्रीधर रेड्डी ने पुरस्कार वितरित किए।

पुरुष फाइनल: साउथ सेंट्रल रेलवे 66 (संतोष 17, अजीत 15) बनाम निजाम बास्केटबॉल अकादमी 49 (बालाजी 20)।

महिला फाइनल: ड्रीम बास्केटबॉल अकादमी 61 (नेत्रा 26, मेधा 20) ने निजाम बास्केटबॉल अकादमी 42 (अमिता 16) को हराया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अडाणी को 2.85 और अंबानी को 1.15 अरब डॉलर का नुकसान,अरबपतियों में रुतबा भी घटा

मुंबई, 09 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव ने अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और रिलायंस ग्रुप के मालिक मुकेश अंबानी को तगड़ी चोट पहुंचाई है। अडानी को 2.85 अरब डॉलर और अंबानी को 1.15 अरब डॉलर का झटका लगा है। घरेलू शेयर मार्केट में तगड़ी बिकवाली के कारण सेंसेक्स में 412 अंक की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 140 अंक फिसल गया। इससे अडानी और अंबानी के नेटवर्थ में कमी आई है। अडानी अब ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में 21वें पोजीशन पर हैं जबकि अंबानी 17वें स्थान पर काबिज हैं।

दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों में अमेरिकी धारावाहिकता बनी रही है, जबकि अमेरिकी अरबपतियों की दौलत में भारी गिरावट हुई है। एलन मस्क के पास दुनिया की सबसे अधिक संपत्ति है जबकि अमेरिकी अरबपतियों ने इस साल भी दौलत गंवाई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप-10 अरबपतियों में अमेरिकियों का दबदबा है। इसमें शामिल एक मात्र गैरअमेरिकी फ्रांस के बर्नार्ड अर्नॉल्ट का रुतबा भी तेजी से घटा है। अब अर्नाल्ट 8वें पोजीशन पर हैं। कभी दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति रहे अर्नाल्ट की दौलत 152 अरब डॉलर रह गई है। दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति के रूप में एलन मस्क के पास 335 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनके बाद जेफ बेजोस (214 अरब डॉलर), मार्क जुकरबर्ग (211 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (173 अरब डॉलर), बिल गेट्स (168 अरब डॉलर) का नंबर आता है। इस साल दौलत गंवाने के मामले में भी अमेरिकी ही अव्वल हैं। ट्रंप के टैरिफ नीति के बाद सबसे अधिक चोट अमेरिकी अरबपतियों को ही लगी है।

न्यूज ब्रीफ

लक्ष्मी सैलून अकादमी ने अपनी पहली शाखा शुरू की

हैदराबाद: 09 मई (एजेंसियां)। लक्ष्मी सैलून एंड अकादमी ने आर.के.पुरम, कोत्तापेट, हैदराबाद में अपनी पहली शाखा शुरू की। सैलून का उद्घाटन सोमा रंगारेड्डी, भाजपा नेता, राधा धीरज रेड्डी, पार्षद, आर.के.पुरम डिविजन, एन. पवन कुमार, पार्षद, कोत्तापेट डिवीजन, डी. भास्कर रेड्डी, कांग्रेस नेता, महेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र, नागेश, श्रीमती लक्ष्मी द्वारा किया गया।सेलिब्रिटीज और टिनसेल स्टार्स को आकर्षक ग्रूमिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध लक्ष्मी सैलून, आकर्षक और ट्रेंडी हेयर केयर, स्किन, बॉडी केयर सेवाएं और सौंदर्य प्रदान करेगा, जिसमें हेयर फॉर्म और हेयर कलरिंग, हेयर स्टाइलिंग, मैनीक्योर, ब्राइडल मेकअप, हेयर ग्रूमिंग जैसी ग्रूमिंग सेवाएं शामिल हैं। ग्राहक की उम्र के आधार पर फेशियल प्रदान करने के अलावा, सैलून हर्बल और फलों, गुलाब की पंखुड़ियों और वैज्ञानिक स्ट्रोक फेशियल का उपयोग करके फेशियल सेवाएं प्रदान करेगा। श्रीमती लक्ष्मी एक अत्यधिक प्रशंसित एस्थेटिक्स, कॉस्मेटोलॉजिस्ट विशेषज्ञ हैं और वह माइक्रो-ब्लेडिंग और स्थायी मेकअप के क्षेत्र में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित और दुबई, यूके और भारत देशों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं इसके अलावा, अकादमी सौंदर्य और कल्याण में व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करती है जिसका उद्देश्य महत्वाकांक्षी ब्यूटीशियन और मेकअप कलाकारों को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर बोलते हुए लक्ष्मी सैलून एंड एकेडमी की पार्टनर श्रीमती लक्ष्मी ने कहा अलकापुरी कॉलोनी, आरके पुरम, कोत्तापेट में हमारी पहली शाखा खोलना एक गर्व और भावनात्मक मील का पत्थर है। लक्ष्मी सैलून एंड एकेडमी के पार्टनर नागेश ने कहा कि हम अलकापुरी कॉलोनी, आरके पुरम, कोत्तापेट में अपने ग्राहकों के लिए अपनी विश्व स्तरीय सेवाओं को एक कदम और करीब लाकर बहुत खुश हैं। जो चीज हमें अलग बनाती है, वह है लग्जरी सेवा और संरचित शिक्षा का मिश्रण। हम गुणवत्ता, स्वच्छता और निरंतर नवाचार के लिए प्रतिबद्ध हैं - यह सुनिश्चित करते हुए कि हर ग्राहक और छात्र को वह ध्यान मिले जिसके वे हकदार हैं। एक गर्मजोशी भरे और शानदार माहौल, अनुभवी पेशेवरों और ग्राहकों की संतुष्टि और शिक्षा पर मजबूत ध्यान के साथ, लक्ष्मी सैलून एंड एकेडमी का लक्ष्य सौंदर्य और कल्याण उद्योग में नए मानक स्थापित करना है।

भारत में बेनेली ने लॉन्च की नई 2025 टीआरके बाइक सीरीज

नईदिल्ली। भारत में बेनेली ने अपनी नई 2025 टीआरके सीरीज, टीआरके 502 और टीआरके 502एक्स को लॉन्च किया है। हालांकि, इनकी कीमत में पहले के मुकाबले 35,000 रुपये तक का इजाफा हुआ है। अब टीआरके 502की कीमत 6.20 लाख रुपये और टीआरके 502एक्स की कीमत 6.70 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इसके अलावा, टीआरके 502 एक्स का नया यलो कलर वेरिएंट 6.85 लाख रुपये का है। इस नई सीरीज में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इन बाइक्स में नए फीचर्स और तकनीक को जोड़ा गया है, जिससे ये ऑफ-रोड और लॉन्ग ड्राइव के शौकिनों के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकती हैं। बाइक्स में अब हीटेड सीट्स और हैंडल ग्रिप्स दिए गए हैं, जो सर्दियों में राइडिंग को और भी आरामदायक बना देंगे। इसके अलावा, पुराने एलसीडी डिस्प्ले को हटा कर अब 5-इंच की फुल-कलर टीएफटी स्क्रीन दी गई है, जो ब्लूटूथ और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन को सपोर्ट करती है। राइडर को टायर प्रेशर की जानकारी अब सीधे स्क्रीन पर मिलती रहेगी, जो सफर को सुरक्षित बनाता है। इंजन के मामले में दोनों बाइक्स में 500सीसी का पार्लेल-ट्विन लिक्विड-कूल्ड इंजन है, जो 46.9 बीएचपी की पावर और 46 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

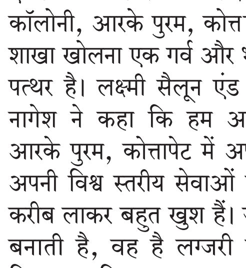

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आंख उठाई तो...

उकसावे के जारी रहने पर आगे की कार्रवाई की सख्त चेतावनी भी दी।

जम्मू और कश्मीर में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन-चुन कर 26 हिंदू पर्यटकों को मारा गया था। इसके बाद ही यह ऑपरेशन शुरू हुआ। दशकों से चली आ रही हिंसा और खून-खराबे से तंग आकर जम्मू और कश्मीर के लोग सामान्य स्थिति और आर्थिक स्थिरता के लिए संघर्ष कर रहे थे। इस हमले में न केवल निर्दोष लोगों की मौत हुई, बल्कि कश्मीरियों की प्रतिष्ठा भी धूमिल हुई। एक स्थानीय कश्मीरी ने एक आतंकवादी को निहत्था करने की कोशिश में वीरतापूर्वक अपनी जान भी गंवा दी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, यह हमला सिर्फ निर्दोष लोगों पर हमला नहीं था, बल्कि कश्मीर में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को तोड़ने का प्रयास था। उनके बयान से यह बात रेखांकित होती है कि हमले के पीछे की मंशा सिर्फ़ शांति भंग करने से कहीं ज्यादा थी क्षेत्र में सामाजिक सामंजस्य और स्थिरता के व्यापक ताने-बाने को कमजोर करना।

इस ऑपरेशन के लिए सिंदूर नाम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों की विधवाओं के सम्मान में चुना गया था। हिंदू परंपरा में सिंदूर एक महिला की विवाहिता होने का प्रतीक है। इस नाम का मार्मिक चयन हमले में विधवा हुई 25 महिलाओं द्वारा अनुभव किए गए गहरे नुकसान को परिलक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत रूप से पीड़ितों और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि के रूप में यह नाम चुना। 6 मई 2025 को सुबह 1:05 बजे से 1:30 बजे के बीच किया गया यह ऑपरेशन भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सावधानीपूर्वक समन्वित हमला था, जिसका उद्देश्य लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों से जुड़े आतंकी ढांचे, लॉन्चिंग पैड और प्रशिक्षण केंद्रों को नष्ट करना था। विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, ऑपरेशन ने पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में और पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में बहावलपुर, मुरीदके, तेहरा कलां, सियालकोट, भीमबर, कोटली और मुजफ्फराबाद सहित नौ जगहों को निशाना बनाया। सभी निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधा गया और कोई विफलता नहीं रही। इस सटीकता से पाकिस्तान सरकार को भारत की मजबूत खुफिया पैठ और हमला करने की क्षमताओं के बारे में साफ-साफ संदेश गया। ऑपरेशन सिंदूर की महत्वपूर्ण रणनीति में प्रमुख आतंकवादी सरगनाओं के ठिकानों पर प्रहार भी शामिल था। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य बहावलपुर में जैश के मुख्यालय पर हुए हवाई हमलों में मारे गए। साथ ही अजहर के चार करीबी सहयोगी भी मारे गए। ये कार्रवाइयां आतंकवादी संगठनों के भीतर प्रभावशाली सरगनाओं को लक्षित करने में ऑपरेशन की सटीकता को खास तौर पर रेखांकित करती है।

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान समेत दुनिया को भारतीय सेना के सटीक हथियारों और शस्त्रागारों की विविधता का भी परिचय दिया। भारतीय सेना ने राफेल लड़ाकू विमानों से स्कैल्प मिसाइल दागे और एएएसएम हैमर बमों का भी इस्तेमाल किया। भारतीय सेना ने इन उन्नत हथियारों के जरिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए बिना 500 किलोमीटर दूर तक के लक्ष्यों पर सक्षमतापूर्वक हमला किया। यह भारत की रणनीतिक योजना और तकनीकी श्रेष्ठता को दर्शाता है। हथियारों का चयन विशिष्ट लक्ष्यों के लिए सावधानीपूर्वक किया गया, जिससे ऑपरेशन की प्रभावशीलता बढ़ गई। इस सटीकता ने पाकिस्तान के पांच भारतीय जेट विमानों को मार गिराने के झूठे दावों को भी उजागर कर दिया, क्योंकि ऐसा कोई सबूत नहीं था। वास्तव में, पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली आने वाले हमलों को रोकने में विफल रही, जिससे भारतीय हथियार प्रणालियों की श्रेष्ठता और भी उजागर हुई। ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों की सभी तीन शाखाओं थलसेना, नौसेना और वायुसेना द्वारा निष्पादित किया गया था। इससे सेना की तीनों शाखाओं के बीच निर्बाध समन्वय और संयुक्त परिचालन शक्ति का प्रदर्शन हुआ। थलसेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा भी, यह ऑपरेशन भारत की सख्त, तीव्र और समन्वित हमला करने की क्षमता का प्रमाण है।

अपनी तात्कालिक सामरिक सफलता के साथ-साथ ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को एक निर्णायक रणनीतिक संदेश दिया है। भारत ने पाकिस्तानी सेना को प्रतिरोध का एक मजबूत पाठ पढ़ाया। भविष्य में कोई भी दुस्साहस पाकिस्तान को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेगा, जिसे पाकिस्तान आसानी से नहीं झेल नहीं सकता। पाकिस्तानी क्षेत्र में अंदर तक हमला करके, भारत ने दिखाया कि कोई भी लक्ष्य उसकी पहुंच से दूर नहीं है और भविष्य में उकसावे के गंभीर परिणाम होंगे। पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था, जो अंतरराष्ट्रीय बेलआउट पर निर्भर है, संघर्ष शुरू करने या बनाए रखने की उसकी क्षमता को अत्यंत कम कर देती है। संकट के तुरंत बाद, पाकिस्तानी नेता ख्वाजा आसिफ ने कहा, यदि भारत तनाव कम करने को तैयार है, तो हम तनाव कम करने को तैयार हैं। इसके अलावा, दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) ने तनाव कम करने के लिए बातचीत भी की।

कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के लिए भी ऑपरेशन सिंदूर ने साफ-साफ संदेश दिया। अगर भारत पाकिस्तान के अंदर तक जाकर लगभग पूरी सटीकता के साथ हमला कर सकता है, तो स्थानीय आतंकी तत्वों को बेअसर करना और भी आसान है। ऑपरेशन की सटीकता और पहुंच ने एक स्पष्ट चेतावनी दी, जिसका आतंकी नेटवर्क पर महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा।

ऑपरेशन सिंदूर से कई लक्ष्य सधे। आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ठोस रणनीतिक बदलाव भी देखने को मिला। इस बदलाव ने परमाणु ब्लैकमेल को पूरी तरह खत्म किया और दृढ़ निर्णय क्षमता को पारिभाषित किया। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह निर्णायक रुख अतीत के सतर्क रणनीतिक दृष्टिकोण से साफ-साफ अलग है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, नई दिल्ली ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को रूढ़ियों और कुंठाओं से निकाल कर नया और महत्वपूर्ण रूप दिया है। आतंकी हमलों के बाद लंबी बहस और परमाणु ब्लैकमेल का दौर अब खत्म हो गया है। मोदी के कार्यकाल से पहले, पाकिस्तान की परमाणु निरोधक क्षमता को लेकर भारत के राजनीतिक प्रतिष्ठान में व्यापक भय और भ्रम था। पाकिस्तान ने लंबे समय से भारत को डराने के लिए अपनी परमाणु क्षमता को ब्लैकमेल की तरह इस्तेमाल किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद को समर्थन देने वाले पाकिस्तान पर जुर्माना लगाने के लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और संकल्प का प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, मोदी के रणनीतिक दृष्टिकोण में आश्चर्य, गोपनीयता और रणनीतिक-चाल का तत्व भी शामिल है। उदाहरण के लिए, ऑपरेशन सिंदूर से पहले मॉक ड्रिल की घोषणा ने पाकिस्तान का ध्यान भटका दिया, लेकिन वास्तविक हमले रात में हुए, जिससे पाकिस्तान अचंभित रह गया। यह अप्रत्याशितता मोदी के रणनीतिक नेतृत्व की पहचान है, जो विरोधियों को अनुमान लगाने पर मजबूर करती है और यह सुनिश्चित करती है कि वे भारत के अगले कदम के लिए कभी भी पहले से कुछ तय नहीं कर सकते। मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि यदि आप भारत के खिलाफ आतंकवाद को जारी रखते हैं, तो आपको गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उनके नेतृत्व ने भारत-पाकिस्तान संबंधों के गणित को मौलिक रूप से बदल दिया है। यह सुनिश्चित किया है कि भारत अब पाकिस्तान के उकसावे का मूक दर्शक नहीं रहेगा।

कंधार विमान ...

प्रधानमंत्री कार्यालय को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हम लंबे समय से डेनियल पर्ल के लिए न्याय चाहते थे। वह यहूदी थे और उन्हें सिर्फ उनकी पहचान के लिए बेरहमी से मारा गया। हम उनके आखिरी शब्दों को हमेशा याद रखेंगे मेरे पिता यहूदी थे, मेरी मां यहूदी हैं और मैं भी यहूदी हूं। यह शब्द यहूदी इतिहास में हमेशा गूंजते रहेंगे। दुनियाभर में यहूदी समुदाय ने इस कार्रवाई की सराहना की है।

पाकिस्तानी सेना ...

की दूरी एक जबरदस्त धमाका हुआ था जिसके बाद से ही शरीफ के किसी बंकर में जा छुपे होने के समाचार मिलने शुरू हो गए थे।

कारगर हमले...

ड्रोन के मलबे की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। प्रारंभिक जांच में तुर्किये के ड्रोन होने बात पता चली है।बताया गया कि पाकिस्तान ने 7 मई को शाम 8:30 बजे एक असफल बेवजह ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। पाकिस्तान नागरिक विमान को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि भारत पर उसके हमले के बाद उसे तेज हवाई रक्षा प्रतिक्रिया मिलेगी। यह भारत और पाकिस्तान के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उड़ान भरने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों सहित सभी नागरिक विमानों के लिए सुरक्षित नहीं है। मीडिया को एक स्क्रीनशॉट भी दिखाया गया जिसमें पंजाब सेक्टर में उच्च वायु रक्षा चेतावनी की स्थिति के दौरान एप्लीकेशन फ्लाइट रडार 24 का डेटा है। इसके मुताबिक भारतीय पक्ष का हवाई क्षेत्र नागरिक हवाई यातायात से पूरी तरह से खाली है। जबकि, कराची और लाहौर के बीच हवाई मार्ग पर नागरिक विमान उड़ान भर रहे हैं। भारतीय वायुसेना ने अपनी प्रतिक्रिया में काफी संयम दिखाया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय नागरिक वाहकों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के तंगधार, उड़ी, पुंछ, मेंढर, राजौरी, अखनूर और उधमपुर में भारी कैलिबर आर्टिलरी गन और सशस्त्र ड्रोन का इस्तेमाल कर नियंत्रण रेखा के पार गोलाबारी की। भारतीय सेना के कुछ जवान हताहत हुए। भारत सरकार ने हताहत हुए सैनिकों की संख्या और उनके परिचय के बारे में कुछ नहीं बताया। रात में पाकिस्तान के सशस्त्र यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) ने बठिंडा सैन्य स्टेशन को निशाना बनाने की कोशिश भी की जिसे पकड़ कर निष्क्रिय कर दिया गया। पाकिस्तानी हमले के जवाब में पाकिस्तान में चार हवाई रक्षा स्थालों पर सशस्त्र ड्रोन लॉन्च किए गए। इनमें से एक ड्रोन एडी रडार को नष्ट करने में सक्षम रहा।

उधर, अपुष्ट खबरों के मुताबिक अरब सागर में तैनात भारतीय विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने कराची पर बड़ा हमला किया और एक के बाद एक कई मिसाइलें और ड्रोन दागे। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कहा जाने वाला शहर कराची पर अटैक से पाकिस्तान तिलमिला उठा है। यह पाकिस्तान का अहम बंदरगाह है जो भारत से करीब 350 किलोमीटर दूर है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर कई मायने में पाकिस्तान के लिए अहम है। भारत के ड्रोन ने यहां स्थित पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया। रावलपिंडी पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय है। भारत ने पाकिस्तानी सेना के गढ़ पर हमला कर यह स्पष्ट संदेश दिया कि आंख उठाई तो घर में घुस कर मारेंगे। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के उत्तर पूर्व में स्थित सियालकोट पाकिस्तानी फौज के लिए काफी अहम है और व्यावसायिक शहर भी है। यह अमृतसर से 100 किलोमीटर दूर है जबकि जम्मू से 47 किलोमीटर दूर है। भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के अंदर 300 किलोमीटर से ज्यादा दूर शहरों पर भी बम बरसाए। इसके अलावा गुजरांवाला, अटॉक, मिआनो, खेनजूं, बहावा जैसे शहरों में भी धमाके हुए। यहां तक कि पाकिस्तान के एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम यानी अवॉक्स को भी नष्ट कर दिया।8 मई को देर रात रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर कहा, केवल पाकिस्तान को ही यह फैसला लेना है कि वह भारत के साथ तनाव कम कर सकता है या नहीं। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की हरकत करके यह शुरू किया, भारत ने पहलगाम हमले का जवाब दिया है। इससे पहले भारत ने जम्मू से जैसलमेर तक पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल हमले को नाकाम कर दिया। भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम सुदर्शन ने इन हमलों को नाकाम किया। पाकिस्तान के हमले को देखते हुए जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल समेत कई राज्यों के कई शहरों में ब्लैक आउट किया गया था। भारतीय सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के अत्याधुनिक विमान एफ-16 और जेएफ-17 मार गिराए। इसके पहले 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के कई शहरों में पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया था।पाकिस्तान की सेना द्वारा लगातार सीमा पर गोलीबारी की जा रही है। भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एलओसी पर स्थित कई पाकिस्तानी पोस्ट तबाह हो गए। भारतीय सेना ने इसका वीडियो जारी किया है। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी चौकियों को तबाह करने के लिए एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल का इस्तेमाल किया। सेना ने कहा, पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने 8 और 9 मई की रात पूरी पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों से हमला किया। इस दौरान पाकिस्तानी सेना ने एलओसी पर कई बार सीजफायर का भी उल्लंघन किया। भारतीय सेना ने देश की संप्रभुता और एकता की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। दूसरी तरफ, भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू कश्मीर के सांबा सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। घुसपैठ की कोशिश में कई पाकिस्तानी घुसपैठिए बीएसएफ के हाथों मारे गए। कल रात पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा स्थित कई स्थानों पर ड्रोन भेजने के असफल प्रयास किए। उधमपुर, सांबा, जम्मू, अखनूर, नगरोटा और पठानकोट क्षेत्रों में भारतीय सेना की वायु रक्षा इकाइयों की ओर से बड़े पैमाने पर किए गए काउंटर-ड्रोन ऑपरेशन के दौरान 50 से अधिक ड्रोन को सफलतापूर्वक निष्प्रभावी कर दिया गया। भारतीय सेना ने दो पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को भी ढेर किया और पायलटों को गिरफ्त में ले लिया। इनमें से एक पायलट राजस्थान के जैसलमेर बॉर्डर के पास पकड़ा गया तो दूसरा जम्मू-कश्मीर के अंतर्गत जम्मू जिले के अखनूर में पकड़ा गया है। इसकी भी आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। अभी तक भारत ने तीन पाकिस्तानी लड़ाकू विमान मार गिराए हैं, इसमें एक एफ-16 लड़ाकू विमान और दो जेएफ-17 लड़ाकू विमान शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की। यह समीक्षा बैठक भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की हालिया कोशिशों को नाकाम करने के एक दिन बाद की गई। उभरती सुरक्षा स्थिति के हर पहलू पर चर्चा की गई। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी शामिल हुए।

भारत में घुस...

बीएसएफ की इस कार्रवाई से एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से बढ़ती घुसपैठ की कोशिशों का पर्दाफाश हुआ है। खुफिया इनपुट और लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के मद्देनजर, बीएसएफ ने जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करते हुए दो अतिरिक्त बटालियनों की तैनाती की है। ये बटालियनें विशेष रूप से सांबा सेक्टर और अन्य संवेदनशील इलाकों में तैनात की गई हैं।

बलूचिस्तान में ...

कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान की आजादी की घोषणा कर दी है।

बलूचिस्तान के लोग अपनी आजादी को लेकर मुखर हो रहे हैं। बलूचों ने बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग करने और अलग देश बनाने की मांग की है। उन्होंने अपील की है कि भारत में उनके लिए अलग से दूतावास बने। प्रसिद्ध बलूच लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए। उन्होंने पाकिस्तान से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की घोषणा की। उन्होंने भारत सरकार से भारत में बलूच दूतावास खोलने की अनुमति मांगी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से अपील की कि वह बलूचिस्तान में शांति रक्षक दल भेजे और पाकिस्तानी सेना को यहां से जाने के लिए कहे। बलूचिस्तान के प्रतिष्ठित लेखक मीर यार बलोच ने बलूचिस्तान की आजादी के फैसले को सार्वजनिक फोरम पर साझा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान के पतन के निकट होने के कारण जल्द ही बलूचिस्तान के आजाद होने की घोषणा होगी। उन्होंने भारत से अनुरोध किया कि वह बलूचिस्तान के आधिकारिक कार्यालय और दिल्ली में दूतावास की अनुमति दे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से भी अनुरोध किया है कि वह बलूचिस्तान के लोकतांत्रिक गणराज्य की स्वतंत्रता को मान्यता दे और अपना समर्थन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों की बैठक बुलाए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बलूचिस्तान में अपने शांति मिशन को तुरंत भेजना चाहिए, जिससे पाकिस्तान की कब्जे वाली सेना से बलूचिस्तान के क्षेत्रों, वायु क्षेत्र और समुद्र को खाली करने और सभी हथियार और संपत्ति बलूचिस्तान में छोड़ने के लिए कहे। मीर यार बलोच ने कहा कि अब सेना, फ्रंटियर कोर, पुलिस, सैन्य खुफिया, आईएसआई और नागरिक प्रशासन में सभी गैर-बलूच कर्मियों को तुरंत बलूचिस्तान छोड़ देना चाहिए। साथ ही बलूचिस्तान का नियंत्रण जल्द ही स्वतंत्र बलूचिस्तान राज्य की नई सरकार को सौंप दिया जाए।

मीर यार ने कहा कि जल्द ही अंतरिम सरकार की घोषणा होगी। मंत्रिमंडल में बलूच महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होगा। बलूचिस्तान की स्वतंत्र सरकार का राजकीय समारोह जल्द ही आयोजित किया जाएगा। मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्षों को राष्ट्रीय परेड देखने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। हम उनसे आशीर्वाद मांगेंगे। उन्होंने बलूचिस्तान में रहने वाले हिंदू समुदाय को आश्वस्त किया है कि वे निश्चिंत रहें। उन्हें और हिंगलाज माता मंदिर सहित उनके सभी धार्मिक स्थलों को पाकिस्तानी सेना के आतंकवाद और आक्रमण से बचाया जाएगा। बलूचिस्तान, पाकिस्तान की कायर सेना को ऐसा बड़ा सबक सिखाने में सक्षम है, जिसे उसके उसकी सात पीढ़ियां कभी नहीं भूलेंगी। बलूचिस्तान में अब कोई भी पाकिस्तानी किसी हिंदू से कलमा पढ़ने के लिए कहने और उसकी पत्नी और बच्चों के सामने उसकी हत्या करने की हिम्मत नहीं करेगा।

टी.ए. की...

पर्यावरण सुरक्षा और मानवीय मदद में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। टीए पूरी तरह से नियमित सेना के साथ जुड़ा हुआ है और इसके जवानों को उनकी बहादुरी और सेवा के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। सरकार की अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा 32 टीए इन्फैंट्री बटालियनों में से 14 बटालियनों को तैनात करने का आदेश दिया गया है। इन्हें देश के कई सैन्य कमानों में भेजा जाएगा।

अधिसूचना में यह भी साफ किया गया है कि इन बटालियनों की तैनाती तभी होगी जब बजट में इसके लिए पैसे उपलब्ध होंगे या फिर आंतरिक बचत से पैसे की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, जिन यूनिट्स को रक्षा मंत्रालय के अलावा किसी अन्य मंत्रालय की मांग पर तैनात किया जाएगा, उसका खर्च संबंधित मंत्रालय ही उठाएगा।

शनिवार को आजमाएं काले तिल के उपाय, बड़े से बड़ा संकट होगा दूर, शनिदेव होंगे प्रसन्न

हिंदू धर्म में शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन की समस्याओं से निजात मिल सकती है। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में पूजा के दौरान काले तिल प्रयोग करने का भी खास महत्व बताया गया है। ऐसे में अगर आप जीवन में एक के बाद एक आने वाले संकटों से परेशान हैं, तो शनिवार के दिन काले तिल के कुछ विशेष उपाय कर सकते हैं। माना जाता है कि काले तिल के उपाय करने से शनिदेव प्रसन्न हो सकते हैं और जातक को जीवन के दुखों से मुक्ति मिल सकती है।

शनि दोष का प्रभाव कम करने के लिए काले तिल का उपाय

अगर आपकी कुंडली में शनि दोष है, तो इसके प्रभाव को कम करने के लिए काले तिल में घी मिलाकर भगवान विष्णु को अर्पित करें। इस उपाय को रोज करने से शनि दोष का प्रभाव कम किया जा सकता है। काले तिल और घी का यह उपाय रोज करना संभव न हो, तो हर शनिवार के दिन यह काम जरूर करें। ऐसी मान्यता है कि इस एक उपाय से व्यक्ति को पूर्व जन्म में किए जाने अनजाने पापों से मुक्ति मिल सकता है। शास्त्रों के अनुसार, जो व्यक्ति शनिवार के दिन काले तिल में घी मिलाकर विष्णुजी को चढ़ाने के साथ-साथ नियमित रूप से तिल-तिल बोलता है, उसके भी पाप तिल के बराबर भगवान विष्णु जी काटते हैं।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए काले तिल का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनिवार के दिन तिल के तेल का दीपक जलाने का खास महत्व होता है। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नानादि कर लें और फिर शनि मंदिर जाएं। अब वहां तिल के तेल का दीपक जलाकर रखें और शनिदेव की पूजा-अर्चना करें। इससे शनिदेव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा भक्त पर बनी रहती है। साथ ही, भगवान विष्णु के सामने भी तिल के तेल का दीपक जलाना बहुत फलदायी माना जाता है। आप दीपक में कुछ काले तिल के दाने भी डाल सकते हैं। इस उपाय को हर शनिवार के दिन करने से जरूरी कार्यों में आ रही अड़चनों से निजात मिल सकती है और जीवन से नकारात्मकता खत्म होने लगती है। माना जाता है नियमित रूप से इस उपाय अपनाने से व्यक्ति के घर से दरिद्रता और अंधकार दूर होने लगता है।

जीवन के दुख दूर करने के लिए काले तिल का उपाय

शनिवार को शनिदेव की विधिपूर्वक पूजा करने के साथ-साथ इस दिन जल या दूध में काले तिल मिला लें। अब इस जल को पीपल के पेड़ अर्पित करें। इस उपाय को हर शनिवार के दिन करना बहुत फलदायी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि लगातार 40 शनिवार तक पीपल के वृक्ष में काले तिल वाला जल या दूध अर्पित करने से शनि ग्रह के अशुभ प्रभाव को दूर किया जा सकता है। साथ ही, इससे भक्त को शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है और जीवन के समस्त कष्टों से निजात मिल सकती है। इस उपाय को पूरे विश्वास और श्रद्धा पूर्वक करने से व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आ सकती है।

शनि के प्रतिकूल प्रभाव को दूर करने के लिए तिल का उपाय

अगर किसी व्यक्ति के ऊपर शनि की दशा, साढ़ेसाती या ढैय्या चल रही है, तो इनके प्रतिकूल प्रभाव को दूर करने के लिए शनिवार के दिन तिल के लड्डू किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को खिलाने चाहिए। माना जाता है कि इस उपाय को शनिवार के दिन करने से शनिदेव बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और अपनी दशा में भक्त को कष्टों से मुक्ति दिला सकते हैं। अगर तिल के लड्डू का दान करना संभव न हो, तो आप किसी जरूरतमंद को काले तिल भी दान में दे सकते हैं। इससे जीवन के संकट दूर हो सकते हैं और घर में सुख-समृद्धि आने लगती है। इसके अलावा, शनि के प्रतिकूल होने पर हर शनिवार को आप खुद भी तिल से बनी चीजों का सेवन करें। मान्यता है कि ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

आज धन लक्ष्मी योग से तुला समेत अन्य राशियों को अप्रत्याशित लाभ

आज यानी 10 मई शनिवार है और आज के दिन के स्वामी कर्म और न्याय के कारक ग्रह शनि होंगे। और आज के दिन त्रयोदशी उपरांत चतुर्दशी तिथि का संयोग बन रहा है। ऐसे में आज भगवान शिव दिन के देवता होंगे। इसके साथ ही आज चंद्रमा को गोचर कन्या उपरांत तुला राशि में होने जा रहा है। और आज चंद्रमा और मंगल एक दूसरे से चतुर्थ दशम भाव में आएंगे जिससे बेहद शुभ धन लक्ष्मी योग बनने जा रहा है। इस पर आज चित्रा नक्षत्र और सिद्धि योग का भी उत्तम संयोग बनेगा। ऐसे में आज शनिवार को धन लक्ष्मी योग और भगवान शिव की कृपा से मेष, कर्क, तुला, मकर और कुंभ राशि के जातकों को भाग्य का साथ मिलेगा और तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही जानें आज शनिवार के उपाय भी।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन बेहद शुभ रहने वाला है। आज मेष राशि के जातकों को कारोबार में तरक्की के नए मौके मिलेंगे। आपको किसी पुराने क्लाइंट की तरफ से बड़ा सौदे का प्रस्ताव आ सकता है, जिससे आप अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। कारोबार में आप अपनी चतुराई और वाक्पटुता से लोगों को प्रभावित करने में सफल होंगे। विदेश से जुड़े कारोबार करने वालों के लिए आज का दिन अतिरिक्त लाभ के अवसर ला सकता है। व्यापार में अप्रत्याशित लाभ के आसार हैं। पार्टनरशिप में काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। सेहत के मामले में आज का दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों का सहयोग मिलने से आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। परिवार में आज माहौल अनुकूल रहेगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

उपाय : आज पीपल के पेड़ के नीचे लाल बाती से सरसों के तेल का दीया जलाएं और 108 बार ऊं शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जप करें।

कर्क राशि– कर्क राशि वालों के लिए आज शनिवार का दिन नए अवसर लेकर आने वाला है। आज आपके कारोबार में लंबे समय से अटक रहे कार्यों में तेजी आएगी। खासकर बाजार में फंसा आपका धन भी वापस आने के आसार हैं। इससे मन में राहत का भाव आएगा। कारोबार में विस्तार की योजना बना रहे हैं तो आप सही रणनीति के साथ आगे बढ़कर बड़ा लाभ कमा सकते हैं। आज आपको मामा, मौसी आदि की तरफ से कोई फायदा हो सकता है। माता का सहयोग मिलेगा। परिवार में सामंजस्य बैठाने और माहौल को अच्छा बनाने में मां की अहम भूमिका रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। घर परिवार में सुख साधनों में बढ़ोतरी होने से बच्चे काफी खुश होंगे।

उपाय : आज सरसों के तेल को एक पात्र में डालकर उसमें अपनी परछाई देखें और इसके बाद इस तेल को जरूरतमंदों को दान कर दें। शनि मंदिर में जाकर शनि चालीसा का पाठ करें।

तुला राशि– तुला राशि के लिए आज का दिन भाग्यशाली रहेगा। आज आपको कार्यक्षेत्र में मनचाहा काम या स्थानांतरण मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आज आप कम मेहनत में अधिक लाभ कमाने वाली स्थिति में रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न होंगे। अगर नौकरी बदलने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आज आपको उम्मीद बढ़ाने वाली खबर मिल सकती है।

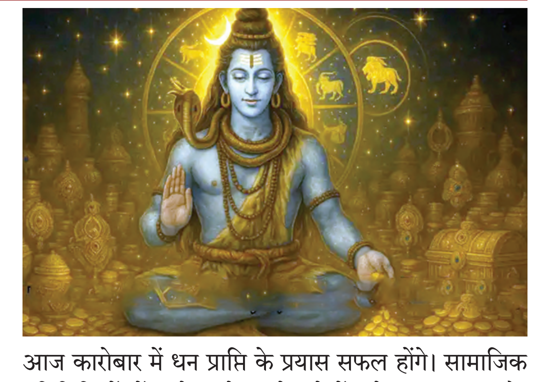

आज कारोबार में धन प्राप्ति के प्रयास सफल होंगे। सामाजिक गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों को आज पद और प्रतिष्ठा का लाभ मिल सकता है। मान सम्मान में बढ़ोतरी से आपके आत्मविश्वास में इजाफा होगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन कोई खुशखबरी लेकर आ सकता है। परिवार में आज मस्तीभरा माहौल रहेगा। प्रेम संबंधों में अनुकूलता रहेगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। जीवनसाथी के साथ तीर्थयात्रा पर जाने की योजना बन सकती है।

उपाय : आज तांबे के लोटे में तिल मिलाकर शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। महामृत्युंजय मंत्र और शनि मंत्र ऊं प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः का अधिक से अधिक बार जप करें।

मकर राशि – मकर राशि वालों को आज शनिवार के दिन तरक्की करने के अच्छे मौके मिलेंगे। नौकरी और कारोबार करने वालों के लिए आज का दिन लाभ अर्जित करने का है। आज आपको संपर्कों का फायदा मिलेगा। प्रभावशाली संपर्कों से बेहतरीन डील हासिल कर सकते हैं। जो आपके करियर के ग्राफ को तेजी से ऊपर लेकर जाएगी। कारोबार के सिलसिले में आज यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। यात्रा सुखद और सफल होगी। आज आपके मान सम्मान में इजाफा होगा। नौकरीपेशा जातकों को सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा। परिवार में पहले से चला आ रहा कोई विवाद अपनी परिणति की ओर बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। जीवनसाथी की मदद से आपका तनाव दूर होगा। आप दोनों डिनर के लिए बाहर जा सकते हैं।

उपाय : आज शनि मंदिर में एक कटोरी सरसों के तेल को रख आएं और शनि देव की प्रतिमा के सामने सात बार शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों को आज शनिवार के दिन आर्ज मोर्चों पर लाभ मिलेगा। आज आय में बढ़ोतरी के आसार हैं। आर्थिक मामलों के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज धन प्राप्ति के प्रयास सफल होंगे, अगर किसी ने आपसे उधार लिया था तो वह वापस मिल सकता है। आज कमाई के नए अवसर मिल सकते हैं। कारोबार के विस्तार की योजना बना रहे जातकों के सामने आ रही कोई बाधा अप्रत्याशित रूप से दूर होगी। व्यापार अच्छा चलेगा। आज पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। जीवनसाथी आपके कहे बिना आपकी बात को समझ जाएगा। आज आपकी रोमांटिक लाइफ भी अच्छी चलने वाली है। प्रेम संबंधों में जी रहे जातक अपने रिश्ते के बारे में परिवार को बता सकते हैं। विवाह में आ रहीं अड़चनें दूर होंगी।

उपाय : आज किसी सफाईकर्मी को धन का दान करें और रोगियों या बुजुर्गों की सेवा करें। मांस मदिरा का सेवन न करें।

ज्येष्ठ अमावस्या 26 को मनाई जाएगी

धार्मिक दृष्टि से ज्येष्ठ माह का विशेष महत्व माना गया है। इस माह में बड़ा मंगल और निर्जला एकादशी जैसे पर्व आते हैं। इसी तरह ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि भी बहुत ही खास है। इस तिथि को आध्यात्मिक शुद्धि और पुण्य अर्जन के लिए काफी शुभ माना गया है। इसी के साथ अमावस्या तिथि पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है।

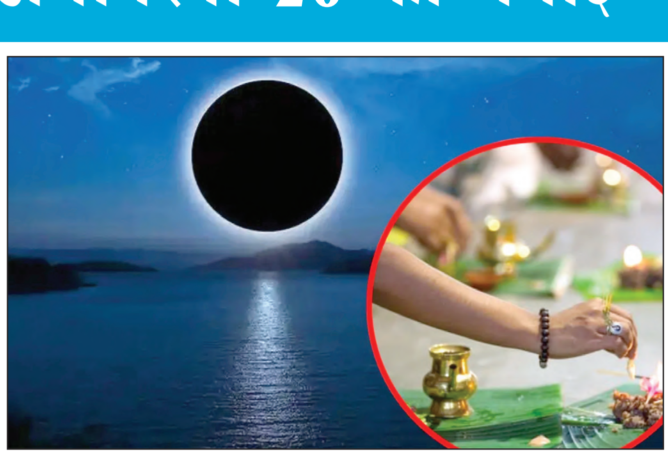

ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 26 मई को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 27 मई को सुबह 8 बजकर 31 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि सोमवार, 26 मई को मनाई जाएगी। सोमवार के दिन पड़ने के कारण इसे सोमवती अमावस्या भी कहा जाएगा, जो मुख्य रूप से भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए खास मानी गई है।

इस कार्यों से मिलते हैं शुभ परिणाम

अमावस्या के दिन किसी पवित्र नदी में स्नान करने के बाद गरीबों और जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य करना बेहद शुभ माना जाता है। अगर आपके लिए ऐसा करना संभव नहीं है, तो आप घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं। इसके साथ ही पितरों के आशीर्वाद के लिए अमावस्या पर पिंड दान और श्राद्ध कर्म भी जरूर करना चाहिए।

प्रसन्न होंगे पितृ

सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ का पूजन करें और भी जरूर करें। पूजन के दौरान पीपल के पेड़ की सात बार परिक्रमा करनी चाहिए और पेड़ के नीचे सरसों के तेल में काले तिल डालकर दीपक जलाना चाहिए। इसी के साथ आपको सोमवती अमावस्या पर पितृ चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं, जिससे पितरों का कृपा आपके ऊपर बनी रहे।

करें इन चीजों का दान

सोमवती अमावस्या के दिन दान का भी विशेष महत्व है। ऐसे में आप पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए गरीबों व जरूरतमंद लोगों में अन्न, धन और वस्त्रों का दान कर सकते हैं। इसी के साथ इस दिन पर सफेद रंग की चीजें जैसे चावल, दही, मिश्री, खीर और सफेद कपड़ों का दान किया जा सकता है। इससे आपको महादेव की कृपा प्राप्ति हो सकती है।

शुभ नहीं हैं मई में ग्रहों का संयोग!

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय सेना ने देर रात पड़ोसी देश के आतंकी ठिकानों को चकना चूर कर दिया है। यह बदला सिर्फ पहलगाम नहीं, बल्कि उन सभी हमलों का है जब-जब आंतकियों ने भारतीयों को चोट पहुंचाई है। भारतीय सेना ने प्रेस कांफ्रेंस में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर यह जानकारी शेयर की है। सेना ने बताया 25 मिनट चले इस ऑपरेशन में सेना ने भारत में पिछले दो दशक से हुए आतंकी हमलों में शामिल आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। इससे पहले भी भारत सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट स्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को चोट दे चुका है। आतंकवाद के खिलाफ भारत ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आज पाकिस्तान में स्थित कई आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया है। आतंक के खिलाफ हुए इस ऑपरेशन का नाम भारत ने ' ऑपरेशन सिंदूर ' रखा है। भारत के इस एक्शन के बाद अब कयास लगाए जा रहे हैं कि पाकिस्तान भी कुछ बड़ा कर सकता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ज्योतिषीय दृष्टि से देखें तो इस समय ग्रहों का ऐसा संयोग बना हुआ है जो महाभारत के युद्ध के समय बना था। साथ ही भारत पाकिस्तान के बीच 1965 और 1971 में जब युद्ध हुआ था उस समय भी ग्रहों का ऐसा ही कुछ संयोग बना था जो साल 2025 में बनने जा रहा है। ज्योतिषशास्त्र की गणना के अनुसार। महाभारत के समय भी ग्रहों का ऐसा ही संयोग बना था। वैसे जिस योग में यानी शकट भंग योग जो शनि के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश पर बनता है वह 2030 में बनेगा, इसी शकट भंग योग में महाभारत का महायुद्ध हुआ था तो 2030 का समय भी बेहद तनावपूर्ण हो सकता है।

7 मई को आपरेशन सिंदूर उसी का नतीजा है। लेकिन ये हमला अभी अंतिम नहीं है। क्योंकि हमले के समय की कुंडली भी शनि प्रधान है। मकर लग्न की कुंडली बनती है।विशेष बात ये है कि हमले के समय चतुर्ग्रही योग बना हुआ था। बुध, शुक्र, शनि और राहु एक साथ विराजमान थे। यानि ग्रहों की स्थिति साफ इशारा कर रहे हैं भारत यही रुकने वाला नहीं है, आने वाले दिनों में पाकिस्तान को अलग-अलग मोर्चों पर भारत उसे कड़ी पटखनी देगा। बुध आने वाले दिनों में पाकिस्तान के संचार व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है, उसका बैंकिंग सिस्टम चरमरा सकता है। मारकेश शुक्र के कारण उसके बड़े नेता, बड़े उद्योगपति, सिलिब्रिटी आदि देश छोड़ कर जा सकते है। राहु जो कि गुप्त ऑपरेशन और उसके शत्रुओं को एक्टिव कर सकता है। कह सकते हैं कि पाकिस्तान को गर्त में ले जाने से अब कोई नहीं रोक सकता है। शनि उसके कर्मों का फल देकर ही रहेंगे।

ऐसे में संजोग से जब मार्च 2000 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत के दौरे पर थे तो उनकी यात्रा से एक दिन पूर्व 20 मार्च 2000 की रात्रि पाकिस्तान के आतंकियों ने कश्मीर के अनंतनाग जिले के एक गावं में 35 निर्दोष सिखों की हत्या कर दी थी। ठीक इसी प्रकार से अब जब अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के 4 दिन के दौरे पर हैं तो पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने भारतीय सेना की वर्दी पहन एक कायरतापूर्ण हमला कर निर्दोष नागरिकों की जान ली है। मार्च 2000 में कश्मीर की प्रभाव राशि तुला से छठे भाव में सूर्य गोचर कर रहे थे तथा मृत्यु के सप्तम भाव में गुरु, शनि और मंगल का अशुभ गोचर हो रहा था। यानी ग्रह योग कुछ उसी प्रकार का 22 अप्रैल का भी बना था जैसा साल 2000 में बना था।

ज्योतिषीय दृष्टिकोण से देखें तो जम्मू-कश्मीर की प्रभाव राशि तुला मानी जाती है। 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के समय तुला राशि से छठे भाव में मीन राशि में शनि, राहु, शुक्र और बुध गोचर कर रहे थे। यह भाव कश्मीर की कुंडली में हिंसा से संबंधित भाव है। तुला से विनाश के अष्टम भाव में गुरु गोचर कर रहे हैं जिनका अष्टमेश शुक्र से राशि परिवर्तन योग बना हुआ है। तुला राशि को वर्तमान में मंगल अपनी चौथी दृष्टि से पीड़ित कर रहे हैं।

वर्तमान में तुला राशि पर मंगल की चौथी दृष्टि आगामी 7 जून तक रहेगी जिसके चलते कश्मीर घाटी में भारतीय सेना बहुत ही सख्ती से आतंकवादियों से निपटेगी। और बड़ी तादाद में आतंकियों का सफाया करेगी। यही नहीं भारत की ओर से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी कैम्पों को ड्रोन या हवाई हमलों में बड़ा नुकसान पहुँचाया जा सकता है। अगले तिमाही में पाकिस्तान को आतंकी हमले का करारा जवाब मिल सकता है। वैसे अगस्त के महीने में और सितंबर के शुरू में शनि-मंगल का समसप्तक योग देश में किसी हिंसक गतिविधि या आतंकी हमले का योग दिखा रहा है। इसलिए इस समय अधिक अलर्ट रहने की जरूरत है।

पाकिस्तान की स्थापना कुंडली (14 अगस्त 1947, मध्य रात्रि, पाकिस्तान) मेष लग्न की है, जिसमें वर्तमान में मारकेश शुक्र की महादशा में तृतीयेश और षष्ठेश बुध की अंतरदशा चल रही है जो उसकी अर्थव्यस्था और सेना दोनों के लिए बेहद घातक है। शुक्र में बुध की यह अंतरदशा दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक चलेगी जो की पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हिंसक विद्रोह और देश की पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान से तालिबान के बड़े हमलों में नुकसान उठाने का ज्योतिषीय संकेत है। शुक्र युद्ध के सप्तम भाव का स्वामी होकर दशमेश शनि से ग्रह युद्ध में फंसा हुआ है। पाकिस्तान की कुंडली में अंतर दशानाथ बुध तीसरे घर का स्वामी होकर चतुर्थेश चन्द्रमा से एक अशुभ राशि परिवर्तन में होकर उसे सैन्य संघर्ष में बड़ी हानि का योग दिखा रहा है। कर्क राशि में गोचर कर रहा नीच का मंगल 7 जून तक पाकिस्तान के लिए विशेषरूप से अशुभ है। पूर्वी मोर्चे पर भारत की और से सैन्य दबाव और पश्चिम में तालिबानी संगठनों और बलूच विद्रोहियों का हमला पाकिस्तान की सेना को दो मोर्चों पर हानि सहने को मज़बूर कर सकता है। पाकिस्तान की कुंडली मेष लग्न की है, जिसका स्वामी मंगल वर्तमान समय में नीच का होकर कर्क राशि में विराजमान है। मंगल नीच राशि में हो तो युद्ध में पराजित होना पड़ता है। ज्योतिष में मंगल को युद्ध का कारक माना गया है। पाकिस्तान की कुंडली में सबसे खराब दशा चल रही है। पाकिस्तान की कुंडली शुक्र की दशा चल रही है। शुक्र पाकिस्तान की कुंडली में मारकेश है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब मारकेश की दशा चल रही हो तो व्यक्ति को मृत्युतुल्य कष्ट मिलता है, पाकिस्तान का यही समय आरंभ हो चुका है।

भविष्य मालिका

भविष्य मालिका की भविष्यवाणी के अनुसार,शनि 29 मार्च, 2025 को मीन राशि में प्रवेश करेंगे और 28 अप्रैल, 2025 को जब शनि उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करेंगे तो इसके प्रभाव से संघर्ष और प्राकृतिक आपदाएं घट सकती हैं। भविष्य मालिका के अनुसार, द्वितीय विश्व युद्ध और भारत पाकिस्तान के बीच हुआ 1965 युद्ध के दौरान भी ग्रहों का ऐसा ही संयोग बना हुआ था। भविष्य मालिका के अनुसार 2025 से 2028 के बीच तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। इस युद्ध में अन्य देश भी शामिल हो सकते हैं, जिसमें चीन और 13 इस्लामिक देश भारत का विरोध कर सकते हैं। यह अनुमान है कि यह युद्ध परमाणु युद्ध में भी बदल सकता है।

मई में ग्रहों का संयोग शुभ नहीं

दरअसल, 14 मई को गुरु अतिचारी होकर मिथुन राशि में गोचर करने जा रहे हैं। 12 साल बाद गुरु अतिचारी चाल से चलते हुए मिथुन राशि में पहुंचेंगे। इससे पहले वर्ष 1965 और 1971 में जब भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था तो उस समय भी गुरु अतिचारी थे। साथ ही 18 मई को राहु गोचर करते हुए कुंभ राशि में पहुंच जाएंगे। ऐसे में गुरु और राहु का नवम पंचम योग बनेगा। गुरु और राहु का नवम पंचम योग ज्योतीष दृष्टि से शुभ नहीं माना गया है। 18 मई तक शनि और राहु का पिशाच योग भी बना हुआ है दरअसल, शनि और राहु इस समय मीन राशि में गोचर कर रहे हैं। पिशाच योग भी ज्योतिष के अनुसार, अशुभ योग में से एक है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, पिशाच योग जब बनता है तो तनाव, आर्थिक समस्या और जन जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ग्रहों के इस स्थिति का असर देश और दुनिया पर युद्ध के रूप में भी दिखाई दे सकता है।

2025 में गुरु के अतिचारी होने पर देश दुनिया पर प्रभाव

ज्योतिषों के अनुसार साल 2025 में गुरु के अतिचारी होने से दुनियाभर में काफी अधिक प्रभाव देखने को मिल सकता है। इससे करियर आर्थिक स्थिति के साथ-साथ युद्ध संकट आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। गुरु की चाल में तेजी होने से दुनियाभर में कई युद्ध हो सकते हैं। कई देशों के बीच युद्ध होने की आशंका मानी जा रही है। इसके साथ ही एक बार फिर आर्थिक मंदी की ओर बढ़ सकते हैं। जैसा 1929 में हुआ था। जब अमेरिकी शेयर बाजार में एक बड़ी गिरावट आई। जो इस दुर्घटना का वैश्विक प्रभाव पड़ा और इसे महामंदी की शुरुआत माना जाता है। गुरु के अतिचारी होने से धर्म संबंधित घटनाएं बढ़ सकती है। विभिन्न धर्मों के लोग अपनी परंपराएं दूसरों के ऊपर थोपने की कोशिश कर सकते हैं। देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में ऐसी स्थिति देखने को मिल सकती है।

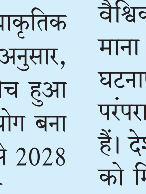

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

देश पहले आता है, बाकी सब बाद में...

कमल हासन ने भारत-पाक में बढ़ते तनाव के बीच कैंसिल किया फिल्म ठग लाइफ का इवेंट

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया और जंग के हालात बने हुए हैं। ऐसे में कमल हासन ने देश के साथ एकजुटता दिखाते हुए अपनी फिल्म ठग लाइफ का ऑडियो लॉन्च इवेंट कैंसिल कर दिया है। कमल हासन ने कहा कि उनके लिए देश पहले आता है और बाकी सब बाद में। कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस ने यब अपडेट शेयर किया और साथ ही कहा कि जल्द ही नई डेट का ऐलान किया जाएगा।

फिल्म ठग लाइफ को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया है, जोकि एक्शन-ड्रामा है। इस फिल्म का स्क्रीनप्ले कमल हासन ने मणिरत्नम के साथ मिलकर लिखा है, और एक्टिंग भी की है। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। पहले टीम ने 16 मई को ठग लाइफ का ऑडियो लॉन्च करने की योजना बनाई थी, पर अब इसे री-शेड्यूल किया जाएगा।

ठग लाइफ का ऑडिय लॉन्च कैंसिल कमल हासन बोले- देश पहले

कमल हसन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने एक बयान जारी किया, जिसमें लिखा है, आर्ट इंतजार कर सकती है। देश सबसे पहले आता है। हमारे देश की सीमा पर हो रहे घटनाक्रम और मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हमने ठग लाइफ के ऑडियो लॉन्च को री-शेड्यूल करने का फैसला किया है, जिसे पहले 16 मई के लिए निर्धारित किया गया था।

बयान में कमल हासन की ओर से आगे लिखा है, 'हमारे सैनिक हमारी मातृभूमि की रक्षा में अडिग साहस के साथ फ्रंटलाइन पर

डटे हुए हैं। इसलिए यह समय जश्न मनाने का नहीं, बल्कि शांति से एकजुटता दिखाने का समय है। नई तारीख का ऐलान बाद में सही मौका देखकर किया जाएगा। इस समय, हमारी संवेदनाएं हमारे सशस्त्र बलों के उन बहादुर जवानों और महिलाओं के साथ हैं, जो हमारे देश की सुरक्षा के लिए सतर्क हैं। देश के नागरिक होने के नाते संयम और एकजुटता के साथ रिएक्ट करना हमारा कर्तव्य है। जश्न मनाने के बजाय आत्मचिंतन करना चाहिए।'

अरिजीत सिंह ने भी लिया बड़ा फैसला, दिलजीत दोसांझ भी शामिल

सिर्फ कमल हासन ही नहीं, बल्कि कई सेलेब्स और मेकर्स ने देश के साथ एकजुटता दिखाते हुए अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए। जहां दिलजीत दोसांझ ने अपनी फिल्म सरदार 3 से पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर को बाहर कर दिया, वहीं सिंगर अरिजीत सिंह ने अपना चेन्नई कॉन्सर्ट कैंसिल कर दिया और अबू धाबी कॉन्सर्ट पोस्टपोन कर दिया। वहीं, राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर भूल चूक माफ के मेकर्स ने फिल्म को थिएटर्स के बजाय सीधे ओटीटी पर ही रिलीज करने का ऐलान कर दिया।

ठग लाइफ की कास्ट और रिलीज डेट

ठग लाइफ की बात करें, तो इसमें कमल हासन के अलावा तृषा कृष्णन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, अशोक सेलवन, नस्सर और जोजू जॉर्ज जैसे एक्टर्स हैं। यह फिल्म 5 जून को थिएटर्स में पैन इंडिय रिलीज की जाएगी।

हम आपके कर्जदार हैं

अनन्या पांडे ने भारतीय सेना के साहस को किया सलाम

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद भारतवासी अपनी सेना के साथ खड़े हैं और लगातार उनका मनोबल बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रहे हैं। पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया है। जिस तरह से भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से छोड़े गए ड्रोन और मिसाइल को रोका है, उसे लेकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। कई बॉलीवुड सेलेब्स अपने रिएक्शन दे रहे हैं। इसी बीच अनन्या पांडे ने भारतीय सशस्त्र बलों को सलाम करते हुए पोस्ट शेयर किया है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के हीरोज को सलाम। आप और आपके परिवारों को दिल से धन्यवाद, आपके बेमिसाल हिम्मत के लिए। हम आपके कर्जदार हैं। जय हिंद!

बता दें कि अनन्या को हिंदी सिनेमा में 6 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तब वह नर्वस थीं और खुद को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन अब उन्हें कुछ नया आजमाने या जोखिम लेने से डर नहीं लगता।

अनन्या ने कहा, मैं जब करियर शुरू कर रही थी, तब मेरी उम्र 19 साल थी। मैं बहुत घबराई हुई थी, लेकिन सपनों से भी भरी हुई थी और खुद को पहचानने की कोशिश कर रही थी। मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मैं कौन हूं। हालांकि तब अपने व्यक्तित्व और करियर को लेकर थोड़ी उलझन में थी।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब, मुझे लगता है कि मैं खुद को एक ऐसे रूप में ढाल चुकी हूं जो कोशिश करने से, गिरने से, फिर उठने से और लोगों को चौंकाने से नहीं डरती। मैं अब भी सीख रही हूं। खुद को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं।

उन्होंने कहा, मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैं खुद को बेहतर बनाते रहना चाहती हूं और ऐसे किरदार चुनना चाहती हूं जो मुझे चुनौती दें, मेरे भीतर उत्साह और घबराहट का एहसास जगाएं।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के बाद वह पति पत्नी और वो, खाली पीली, गहराइयां, लाइगर, ड्रीम गर्ल 2, खो गए हम कहां, जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में कैमियो भी किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने सीरीज 'कॉल मी बे' के जरिए ओटीटी भी कर चुकी हैं।

साई पल्लवी फेयरनेस क्रीम के एड को कहा ना...

अभिनेत्री साई पल्लवी की गिनती फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में की जाती है। 9 मई 1992 को जन्मीं अभिनेत्री के बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं कि वह अभिनय की दुनिया में आने से पहले एक डॉक्टर थीं। 'नेचुरल ब्यूटी' के नाम से मशहूर अभिनेत्री एक फेयरनेस क्रीम के विज्ञापन को न कर चुकी हैं। वहीं, अपने बेबाक अंदाज की वजह से विवादों से भी उनका गहरा नाता रहा है।

जानकारी के अनुसार साई पल्लवी को साल 2019 में एक कंपनी ने फेयरनेस क्रीम के विज्ञापन के लिए ऑफर किया था, जिसके लिए उन्हें 2 से 3 करोड़ रुपए मिल रहे थे। हालांकि, अभिनेत्री ने विज्ञापन को यह कहकर ठुकरा दिया कि वह इस तरह की चीजों को प्रमोट नहीं करेंगी।

एक साक्षात्कार में पल्लवी ने खुलासा किया था कि वह ज्यादा मेकअप करने के पक्ष में नहीं रहती हैं।

अभिनेत्री का मानना है कि वह भारतीय हैं और उन्हें जो रंग मिला है, वह सही है। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के फैसले की जमकर प्रशंसा हुई थी और यूजर्स ने इसे उनका बेहतरीन फैसला बताया था।

उन्होंने कहा था कि 'द कश्मीर फाइल्स' में दिखाया गया कि कश्मीरी पंडितों को किस तरह से मारा गया। उन्होंने इस दौरान एक घटना का भी जिक्र किया, जिसमें एक मुस्लिम युवक गाड़ी में गाय लेकर जा रहा था। उसे पीटकर 'जय श्रीराम' के नारे लगवाए गए। साई पल्लवी ने कहा कि अगर धार्मिक संघर्ष की बात हो रही है, तो फिर इन घटनाओं में अंतर कहां है? उनका मानना है कि कश्मीरी पंडितों का नरसंहार तब हुआ था और ये घटना अब हुई है। हमें खुद को सही रखना चाहिए, तभी सही के लिए आवाज उठा सकते हैं।

पल्लवी ने साल 2005 में आई फिल्म 'कस्तुरी मान' से डेब्यू किया था। इसके

बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और काली, मिडिल क्लास, मारी, लव स्टोरी, श्याम सिंह रॉय, गार्गी, अमरन, तंडेल जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।साई पल्लवी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो वह जल्द ही नितेश तिवारी के 'रामायण' में नजर आएंगी। फिल्म में वह माता सीता के किरदार में होंगी, वहीं रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। 'रामायण' में केजीएफ स्टार यश लंकापति रावण की भूमिका में हैं।

फहाद फासिल से साई पल्लवी को इसलिए लगता है डर

'फिल्म कम्पैनियन' से बातचीत में साई ने फहाद फासिल के लिए कहा था, 'मैं उनके काम की वजह से उनसे डरती थी। उनकी आंखों में कुछ ऐसा है कि जब वह आपको देखते हैं, आपको पता नहीं चलता कि यह प्यार से देख रहे हैं या नफरत के भाव से। वह चेहरे पर कोई भी भाव को झलकने नहीं देते। लेकिन जब स्क्रीन पर आते हैं तो उनकी यही आंखें, उनका चेहरा सब जोर से बोलता है। मैं सिर्फ अथिरन की बात नहीं कर रही हूं।' हालांकि, साई पल्लवी ने यह भी बताया कि फहाद फासिल के साथ काम करते हुए, उन्होंने एक बड़ी सीख हासिल की। एक्ट्रेस ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें कभी फिल्मों में काम करने की चाहत नहीं थी। वह यूएस में थे और कुछ समय के लिए छुट्टी ले ली। फिर एक दिन उन्होंने दोबारा कोशिश करने का फैसला किया। उन्होंने मुझसे कहा कि वह किसी बात का ज्यादा दबाव या तनाव नहीं लेते।' साई आगे कहती हैं, 'मुझे एहसास हुआ कि दबाव और तनाव आपको नीचे गिरा सकते हैं। मैं जब भी कोई फिल्म करती हूं, तो यही सोचती हूं कि यह मेरी पहली या आखिरी फिल्म है।'

सूर्या की जबरा फैन हैं साई पल्लवी

साई ने इसी तरह तमिल सुपरस्टार सूर्या के बारे में भी बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि वह सूर्या की बहुत बड़ी फैन हैं। साल 2019 की फिल्म छत्रद्य में दोनों ने साथ काम किया था। सेट पर एक वाकये का जिक्र करते हुए साई बताती हैं, 'जब मैंने सच में सूर्या को अपने पास देखा तो मेरी जैसे सांस रुक गई थी।साई पल्लवी ने कहा, 'सेट पर पहले दिन, मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि वह मेरे पीछे खड़े हैं। जब मैं मुड़ी तो मेरी सांस रुक गई। यह ऐसा था, जैसे फिल्मों में होता है। ऐसा लगा जैसे मेरी मेरे पैर जमीन पर नहीं हैं। सांस रुक गई है। जब उन्होंने मुझे इस तरह देखा तो मुस्कुराने लगे और दूसरी तरफ देखने लगे।

भारतीय सेना की बहादुरी पर फिदा करीना, बोलीं,

हम आभारी हैं

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके के नौ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में इस कार्रवाई को सीमित, केंद्रित और बिना उकसावे वाला बताया। इस स्ट्राइक को लेकर पूरे देश में जहां खुशी का माहौल है, वहीं मशहूर हस्तियां भी भारतीय सशस्त्र बलों के साहस को सलाम कर रही हैं। इस कड़ी में बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने प्रेस ब्रीफिंग की एक तस्वीर पोस्ट की और सैनिकों के प्रति अपना गहरा सम्मान और आभार व्यक्त किया है। करीना कपूर खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर प्रेस ब्रीफिंग की तस्वीर शेयर की, जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री, भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह नजर आ रही हैं। करीना कपूर खान ने लिखा, हम सेना के प्रयासों के लिए आभारी हैं। मैं उनकी बहादुरी और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को सलाम करती हूं। आइए आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हों। जय हिंद।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर शेखर कपूर, रवीना टंडन, सुनील शेट्टी, रणदीप हुड्डा, सिद्धार्थ मल्होत्रा, मनीष पॉल, अमीषा पटेल, रोहित शेट्टी, संजय दत्त, जैकी भगनानी समेत अन्य सितारों की भी प्रतिक्रिया आई।फिल्म निर्माता-निर्देशक शेखर कपूर ने भारतीय सेना को सलाम करते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया एक ऐसे राष्ट्र के लिए उपयुक्त है, जो दुनिया को दिखा रहा है कि वह कितना जिम्मेदार और आश्वस्त है। बिना किसी बयानबाजी के ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। यह उन क्षेत्रों और संगठनों पर एक सटीक प्रहार है, जिन्होंने निर्दोष नागरिकों को मारने वाले आतंकियों का समर्थन किया था।

फिल्म रेड 2 की पहले हफ्ते में धुआंधार कमाई

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जहां भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है, वहीं इसका असर बॉक्स ऑफिस पर भी पड़ा है। बीते दो दिनों से थिएटर पहुंचने वाले दर्शकों की संख्या में कमी देखी जा रही है। इस बीच अजय देवगन की रेड 2 ने टिकट खिड़की पर 8 दिनों के पहले हफ्ते का सफर पूरा कर लिया है और यह शानदार रहा है। राज कुमार गुप्ता के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म अब देश में 100 करोड़ क्लब की दहलीज पर है। इसने 2025 की टॉप-5 हिंदी फिल्मों की लिस्ट में यह चौथे नंबर पर है। सनी देओल की जाट और अक्षय कुमार की केसरी चैप्टर 2 को यह पहले ही पछाड़ चुकी है। जबकि अगला नंबर सलमान खान की ईद रिलीज 'सिकंदर' का है, जिसे यह अपने दूसरे वीकेंड में ही धूल चटाने का दम रखती है।

गुरुवार को रिलीज के 8वें दिन रेड 2 के शोज में औसतन 11.26% सीटों पर दर्शक नजर आए हैं। जबकि गिने-चुने शोज में चल रही केसरी चैप्टर 2 के लिए यह संख्या 11.34% रही है। सिनेमाघरों में बाकी की फिल्मों यानी जाट और द भूतनी के लिए यह संख्या 8-10% के बीच रही है। इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में कोई नई फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। पहले राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर भूल चूक माफ 9 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी थिएटर रिलीज को कैंसिल कर दिया गया है। 'भूल चूक माफ को 16 मई को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा।

रेड 2 ने गुरुवार को 8वें दिन देश में 5.15 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म का टोटल कलेक्शन अब 95.65 करोड़ रुपये हो चुका है। यह अपने दूसरे वीकेंड में आसानी से सलमान खान की 'सिकंदर' की लाइफटाइम 110.36 करोड़ की कमाई को पछाड़ सकती है। ऐसा होते ही रेड 2 साल 2025 में छावा (585.70 करोड़) और स्काई फोर्स (113.62 करोड़) के बाद तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन जाएगी।

साल 2018 की सुपरहिट रेड के सीक्वल रेड 2 में अजय देवगन के साथ रितेश देशमुख और वाणी कपूर भी हैं। 120 करोड़ के बजट में यह फिल्म बनकर तैयार हुई है। अब जब इस शुक्रवार को कोई नई फिल्म रिलीज नहीं हुई है, तो रेड 2 को इसका फायदा मिल सकता है। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के कारण इसकी कमाई पर बुरा असर भी पड़ सकता है।

रेड 2 की वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो इसने पहले हफ्ते में विदेशों में 17.50 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की है। जबकि देश और विदेश मिलाकर इसने 131.00 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। सब ठीक रहा तो दूसरे वीकेंड तक यह वर्ल्डवाइड 150 करोड़ के पार पहुंच सकती है।

केसरी चैप्टर 2 वर्ल्डवाइड कलेक्शन

दूसरी ओर, अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे की 'केसरी चैप्टर 2' का हिट होने का सपना चकनाचूर हो चुका है। दर्शकों और समीक्षकों से तारीफ मिलने के बावजूद यह बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई ही कर पाई है। 150 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 21 दिनों में देश में 83.21 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। गुरुवार को केसरी 2 ने 61 लाख रुपये कमाए हैं। वर्ल्डवाइड 130.25 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है।

जाट और द भूतनी का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

सनी देओल और रणदीप हुड्डा की 'जाट' अब अपना बोरिया बिस्तर समेट चुकी है। 29वें दिन गुरुवार को इसने महज 9 लाख रुपये कमाए हैं। जबकि भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जाट' का टोटल कलेक्शन 87.90 करोड़ तक ही पहुंचा है।

इस फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपये है। सिनेमाघरों में 'रेड 2' के साथ ही रिलीज हुई संजय दत्ता और मौनी रॉय की 'द भूतनी' पहले ही डिजास्टर साबित हो चुकी है। आठ दिनों के पहले हफ्ते में इसने महज 4.80 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। इसमें से गुरुवार को 27 लाख रुपये की कमाई हुई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्य-क्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं- या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल-से-ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 मई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख, शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 05:32 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 03:15 तक
योग : सिद्धि रात्रि 03:59 तक
करण : तैतिल सायं 05:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या दोपहर 01:42 तक
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 ,, सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैशाख कुंभ दान

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीमा पर तनाव के बीच भजनलाल ने ली मंत्रिपरिषद की विशेष बैठक

जयपुर, 09 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक लेकर प्रशासनिक और आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रभारी मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रभारी सचिवों को अपने क्षेत्रों में निरन्तर सम्पर्क बनाए रखने और आवश्यकता के अनुरूप जरूरी संसाधनों की उपलब्धता एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राजस्थान की लम्बी अन्तरराष्ट्रीय सीमा को देखते हुए प्रदेशवासियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसे देखते हुए आमजन सोशल मीडिया पर चलने वाले भ्रामक और अफवाह फैलाने वाली खबरों का प्रसार करने से बचें और सरकार द्वारा जारी अधिकृत सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्रिपरिषद् की बैठक के बाद प्रेस वार्ता में बताया कि मंत्रिपरिषद् की बैठक में आपात स्थिति के समय उठाए जाने वाले सभी आवश्यक कदमों और उनकी तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए जरूरी दिशा-निर्देशों की स्थानीय प्रशासन द्वारा आवश्यक पालना करवाए जाने के संबंध में निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सीमावर्ती जिलों में रिक्त पदों को तुरंत भरने का काम शुरू कर दिया है। बिजली, पेयजल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागों के साथ उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों के इन जिलों में रिक्त पदों को भरे जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर एवं श्रीगंगानगर जिलों में 5-5 करोड़ तथा जोधपुर, हनुमानगढ़ एवं फलौदी जिलों में 2.5-2.5 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री सहायता कोष के नियमों में शिथिलता प्रदान कर स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि का उपयोग आवश्यकतानुसार राहत एवं सहायता कार्यों में किया जा सकेगा। साथ ही, आपदा प्रबंधन मद से सभी जिलों में आवश्यक उपकरण इत्यादि उपलब्ध करवाने के लिए 19 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। आरएसी, एसडीआरएफ, बॉर्डर होमगार्ड इत्यादि की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजी जा रही है। पुलिस एवं प्रशासन को 24 घंटे मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। इन जिलों में अतिरिक्त दमकल और एंबुलेंस की सेवाएं भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा रहा है।

पटेल ने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न, दवाईयों सहित अन्य जरूरी वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीमावर्ती जिलों में अधिक भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं करने का निर्णय भी किया गया। रात में आवश्यकतानुसार लाइट और सड़क तथा रेलमार्ग पर मूवमेंट को रोकने तथा आवश्यकतानुसार ब्लैकआउट को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। रक्तदान शिविर लगाने वाली संस्थाओं और रक्तदान करने वाले नियमित डोनरों को भी सक्रिय किया गया है। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई है कि वे प्रशासनिक निर्देशों और केन्द्र एवं राज्य सरकार की एडवाइजरी की पालना के लिए आमजन को प्रेरित करें तथा छोटी से छोटी घटनाओं पर नजर रखते हुए अफवाहों को फैलने से रोकें।

जैसलमेर पर पाकिस्तानी ड्रोन हमला नाकाम

सेना की सख़्ती से बचा बड़ा हादसा, 9 घंटे का ब्लैक आउट, स्कूल-ट्रेनें बंद

जयपुर, 09 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर एक बार फिर देश की रक्षा का गवाह बना। गुरुवार रात पाकिस्तान की ओर से हुए ड्रोन हमले को भारतीय सेना ने हवा में ही नाकाम कर दिया। यह हमला उस वक्त हुआ जब पूरा देश पहलगाम हमले के जवाब में की गई एयर स्ट्राइक की खबरों पर नजर गड़ाए बैठा था। जैसलमेर-पोकरण की सैन्य चौकियों को निशाना बनाने की साजिश को भारतीय सुरक्षा बलों ने समय रहते नाकाम कर दिया।

गुरुवार रात करीब 9 बजे पाकिस्तान ने जैसलमेर क्षेत्र पर स्वार्म ड्रोन अटैक किया। यह ड्रोन झुंड के रूप में आए थे, जिनका मकसद सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाना था। लेकिन भारतीय सेना की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से सभी पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराए गए। कुछ देर बाद सूली डूंगर क्षेत्र में एक ड्रोन का मलबा भी बरामद हुआ, जिसे सेना ने कब्जे में ले लिया।

सिर्फ ड्रोन ही नहीं, हमले के दौरान जैसलमेर के किशनघाट क्षेत्र की एक बस्ती में जिंदा बम भी गिरा, जिसने स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी। शुक्रवार सुबह जैसे ही इसकी सूचना मिली, पुलिस और एयरफोर्स के जवान मौके पर पहुंचे। डक्ज प्रेमदान ने बताया -हमें सूचना मिली है कि यह बम या उसका कोई हिस्सा हो सकता है इसलिए पुलिस मौके पर पहुंची है और जांच की जा रही है।बम गुरुवार रात गिरा था, लेकिन सौभाग्य से फटा नहीं। फिलहाल सेना और बम डिस्पोजल स्कॉड स्थिति की जांच कर रहे हैं। रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक पूरे जैसलमेर में 9 घंटे का ब्लैक आउट रखा गया। सैन्य कार्रवाई और सुरक्षा कारणों से जिला प्रशासन ने बिजली सप्लाई रोक दी थी। इस दौरान सेना की तैनाती और गश्त बढ़ा दी गई थी। हाईवे, चौकियां और बस्तियां निगरानी में रहीं।हमले के मद्देनज़र जैसलमेर जिले में आज सभी स्कूल बंद रखे गए हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के तहत चिकित्सा सेवाएं सुदृढ़

जयपुर, 09 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से आपदा प्रबंधन की दृष्टि से सीमावर्ती क्षेत्रों सहित अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं को और सुदृढ़ किया गया है। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने विभागीय बैठकें लेकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद सीमावर्ती जिलों के चिकित्सा संस्थानों के लिए व्यापक आपदा प्रबंधन कार्य योजना लागू की गई है। इसके तहत आवश्यकतानुसार वरिष्ठ रेजिडेंट्स की तैनाती, उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता, दवा आपूर्ति सहित अन्य व्यवस्थाओं को पुख्ता किया गया है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर, गंगानगर और हनुमानगढ़ के सीमावर्ती अस्पतालों में 336 वरिष्ठ रेजिडेंट्स (एसआर) की तैनाती के आदेश जारी किए गए हैं। संबंधित मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ तैनाती मैट्रिक्स को साझा किया गया है, जिसमें उन्हें प्रशासनिक नियंत्रण केंद्रों के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए गए हैं। तैनाती के दौरान संकाय और एसआर को उपस्थित रहना अनिवार्य किया गया है। लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था कॉलेज प्रशासन द्वारा की जाएगी।सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात चिकित्सा कर्मचारियों के लिए छात्रावास के कमरे और भोजन सुविधा की व्यवस्था की गई है तथा आवश्यकता पड़ने पर कमरों को साझा करने की अनुमति दी गई है।

भारत पर हमला करने का अंजाम तो पाकिस्तान को भुगतना ही होगा : विज

अंबाला, 09 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से भारत पर जवाबी हमला किए जाने पर हरियाणा सरकार में वरिष्ठ मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत के साथ टक्कर लेने के बाद पाकिस्तान को समझ आ जाएगा कि गलती हुई। क्योंकि, भारत पाकिस्तान का ऐसा हाल करेगा कि जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

शुक्रवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा भारत पर हमला करने का अंजाम तो पाकिस्तान को भुगतना ही होगा। अभी तो 9 आतंकी ठिकाने तबाह हुए हैं, पाकिस्तान में पनप रही आतंकवाद के पूरी फैक्ट्री को भी तबाह किया जाएगा।

अंबाला में ब्लैकआउट की घोषणा पर हरियाणा सरकार में मंत्री ने कहा कि तैयारी होनी बहुत जरूरी है। ब्लैक आउट के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। मैं लोगों से अपील करना चाहूंगा कि ब्लैक आउट के दौरान घरों की लाइटों को भी बंद रखें। इनवर्टर, जनरेटर, मोमबत्ती भी न जलाए। क्योंकि, ब्लैक आउट इसीलिए किया जाता है ताकि दुश्मनों को आवासीय क्षेत्र की लोकेशन के बारे में जानकारी न मिल सके।

पंजाब-हरियाणा में पानी विवाद पर हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा कि पंजाब देश के हित में नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान जवाबी हमला कर रहा है। भारत-पाक के बीच तनाव का माहौल है। दोनों देशों की फौज आमने-सामने खड़ी है। लेकिन, ऐसे समय में पंजाब पानी पर लड़ रहा है। यह वक्त आपस में लड़ने का नहीं बल्कि एकजुट होने का है।पीएम मोदी पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी ने कहा था कि आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे, वह भारतीय सेना ने करके दिखाया। पीएम मोदी जो कहते हैं वह पूरा करते हैं।

जेजेपी ने सभी 22 जिलों में घोषित किए जिला प्रवक्ता

चंडीगढ़, 09 मई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन नवनिर्माण के तहत कई पदाधिकारियों की नियुक्तियां की है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा ने जिला अध्यक्षों से विचार-विमर्श करके सभी 22 जिलों में जिला प्रवक्ताओं की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी ने अंबाला में मनजिंदर सिंह ढिल्लों, भिवानी में शंकर अहुजा, दादरी में राजेंद्र श्योराण, फरीदाबाद में अनिल खुटेला, फतेहाबाद में कुलदीप खिचड़, गुरुग्राम में पवन धनकोट, हिसार में रवि आहुजा और झज्जर में विकास पराशर को जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी है।

इनके अलावा जींद में विकास जांगड़ा, कैथल में दर्पण मित्तल, करनाल में राकेश संधु, कुरुक्षेत्र में शेखर डोगरा, महेंद्रगढ़ में विजय छिलरो, मेवात में राहुल जैन, पलवल में प्रवीन डूडी, पंचकुला में सुरेश पाठक और पानीपत में अजय सिंह बिंझौल को जिला प्रवक्ता बनाया गया है। वहीं रेवाड़ी में कमल मंगलेश्वर, रोहतक में अजय इंदोरा, सिरसा में अमर सिंह ज्याणी, सोनीपत में सुधीर धनखड़ और यमुनानगर में दमन शर्मा जेजेपी के जिला प्रवक्ता होंगे।

अंबाला में रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट के निर्देश

अंबाला, 09 मई (एजेंसियां)। जिले में शुक्रवार रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत स्ट्रीट लाइट, दुकानों की रोशनी, घरों के बाहर की बिजली, यहां तक कि जनरेटर और इनवर्टर भी बंद रखने को कहा गया है। ये सिर्फ अंधेरा नहीं है, ये एक सख्त चेतावनी है कि हालात सामान्य नहीं हैं।

जिला मजिस्ट्रेट अजय सिंह तोमर का यह आदेश बताता है कि कोई अनदेखा ख़तरा मंडरा रहा है, जिसकी परछाई से बचने के लिए अंधेरे की शरण ली जा रही है। यह ब्लैकआउट उस खामोशी का नाम है, जो चीखती नहीं, लेकिन बहुत कुछ कहती है।

आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया, लेकिन ज़मीन पर हलचल है। सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हैं, और प्रशासन अलर्ट मोड में। ऐसे में यह फैसला महज़ एहतियात नहीं, एक रणनीति है। कुछ ऐसा है जो उजाले से डरता है, और जिससे लड़ने के लिए अंधेरे की ज़रूरत है।

रात 8 बजे के बाद घरों के बाहर कोई भी लाइट न जलाएं। दुकानें, होर्डिंग, विज्ञापन लाइटें पूरी तरह बंद रहें। इनवर्टर, जनरेटर, सोलर पावर - सब प्रतिबंधित रहेंगे। खिड़की और दरवाजों से रोशनी बाहर न झलके।

बीएनएसएसकी धारा 223 के तहत, आदेशों की अवहेलना करने पर न सिर्फ सजा मिलेगी, बल्कि एफआईआर भी दर्ज होगी।

मोहाली और चंडीगढ़ में 7 बजे मार्केट बंद बॉर्डर वाले शहरों में ब्लैक आउट जारी

चंडीगढ़, 09 मई (एजेंसियां)। मोहाली और चंडीगढ़ में सात बजे मार्केट और मॉल बंद करने का आदेश दिया गया है। सात बजे से रेस्टोरेंट समेत सभी दुकानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा जम्मू, पंजाब, गुजरात और राजस्थान में थोड़ी देर बाद पाकिस्तान से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लैकआउट रहेगा। यह सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन ने बॉर्डर इलाके में रहने वालों लोगों से घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। ज़िला मजिस्ट्रेट निशांत यादव ने चंडीगढ़ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत 'किसी भी तरह के पटाखे फोड़ने पर रोक' के संबंध में आदेश जारी किए हैं। चंडीगढ़ और मोहाली के साथ हरियाणा के पंचकुला को अलर्ट रखा गया है।

एसएसपी चंडीगढ़ कंवरदीप कौर ने कहा है कि मेरी चंडीगढ़ वासियों से अपील है कि सोशल मीडिया पर चल रही किसी भी अफवाह पर भरोसा न करें। सही जानकारी के लिए चंडीगढ़ प्रशासन और पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल को फॉलो करें। चंडीगढ़ में स्थिति सामान्य है। सारी मार्केट खुली है। डरने की कोई स्थिति नहीं है। हमें कल रात और आज सुबह 9 बजे के आसपास अलर्ट मिला था, दोनों ही स्थिति में सायरन बजाया गया। जनता ने ब्लैक आउट में बहुत अच्छा सहयोग भी किया है। लोगों से अपील है कि दिशानिर्देशों को अच्छे से पढ़े और समझें।

चंडीगढ़ प्रशासन ने अपने सभी विभाग, बोर्ड और कॉरपोरेशन के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी है। आदेश जारी कर कहा है कि कोई भी कर्मचारी चंडीगढ़ को छोड़कर नहीं जाएगा। पहले से मंजूर छुट्टियां भी अब रद्द मानी जाएंगी। जिला मजिस्ट्रेट, यू.टी. चंडीगढ़ ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आवश्यक वस्तुओं (चावल, गेहूं, चीनी, ईंधन, आदि) की जमाखोरी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

हरियाणा के सभी जिलों के सरकारी भवनों पर आपातकालीन सायरन लगाने के आदेश

चंडीगढ़, 09 मई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए हरियाणा के सभी जिलों के शहरी और ग्रामीण इलाके की सरकारी बिल्डिंगों पर इमरजेंसी रिस्पांस सायरन लगाने के आदेश हुए। साथ ही ये भी निर्देश दिए गए है कि सायरन मशीनों पर 24 घंटे अधिकारीयों की ड्यूटी लगाई जाए। इससे पहले प्रदेश के अंबाला जिले में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब वायुसेना स्टेशन से संभावित हमले की चेतावनी जारी की गई। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर शहर में सायरन बजाया और सभी नागरिकों को तत्काल घरों के अंदर रहने तथा बालकनियों से दूर रहने की सलाह दी है।

बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। पूरे देश में सुरक्षा चौकसी बढ़ गई है। राज्यों ने अपने विभागों को अलर्ट कर दिया है। सरकारी और निजी अस्पतालों को इमरजेंसी के लिए 25% बेड रिजर्व रखने के निर्देश दिए हैं। पुलिस, डॉक्टरों और फायर बिग्रेड कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसल कर दी गई है। सीएम नायब सैनी ने भी अपने सभी

राजकीय कार्यक्रम रद्द कर दिए है। मौजूदा हालात को देखते हुए सीएम ने यह निर्णय लिया है।

सरहद पर तनाव के चलते हरियाणा भी अलर्ट मोड पर आ गया है। भारत और पाकिस्तान में टेंशन के बीच हरियाणा स्वास्थ्य महानिदेशक ने गुरुवार को चिट्ठी जारी कर कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी-अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा, न ही अवकाश पर जाएगा। किसी भी तरह का अवकाश अगले आदेश तक मंजूर ना किया जाए। अगर किसी भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी को अवकाश पर जाना है तो स्वास्थ्य महानिदेशक से अनुमति लेनी होगी। इस संबंध में राज्य के सभी सिविल सर्जनों, राज्य के सभी प्रधान चिकित्सा अधिकारियों को चिट्ठी भेजी गई है। इसके अलावा हरियाणा पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। पुलिस विभाग की तरफ से अधिकारियों कर्मचारियों की छुट्टी को लेकर निर्देश जारी किए गए है। वहीं दमकल विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द की गई है।

48 घंटे के भीतर सार्वजनिक भवन में सायरन लगाने के निर्देश

हरियाणा सरकार ने सभी ग्राम पंचायतों को अगले 48 घंटे के भीतर सार्वजनिक भवन में सायरन लगाने के निर्देश दिए हैं। यह सायरन ऐसी जगहों पर होने चाहिए जिससे पूरे क्षेत्र को कवर किया जा सके। जम्मू-कश्मीर में डेउ पर पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी में हरियाणा के पलवल जिले के रहने वाले जवान दिनेश कुमार शर्मा शहीद हो गए हैं। उनकी शहादत पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बयान जारी किया है। सीएम सैनी ने कहा- आपकी शहादत पर प्रत्येक देशवासी को गर्व है। यह देश आपके त्याग को कभी भुला नहीं पाएगा। इस शहादत को मेरा नमन।

मंत्री लेशी सिंह और विधायक पर आरोपियों को बचाने का आरोप

तेजस्वी यादव ने उठाई जांच की मांग

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया के धमदाहा विधायक और खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह, रूपौली से निर्दलीय विधायक शंकर सिंह और स्थानीय पुलिस पर 14 साल की किशोरी से गैंगरेप और हत्या मामले में आरोपियों को बचाने का आरोप लगा है। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मंत्री और विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, तेजस्वी ने परिजनों को डीजीपी से मिलकर न्याय का भरोसा दिलाया है। पाकिस्तान के ऊपर भारत की ओर से की जा रही सैन्य कार्रवाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि वे और उनकी पार्टी सरकार और देश के सेना के साथ खड़ी है। हमें भारतीय सेना पर गर्व है।

पूर्णिया सर्किट हाउस में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सामने ही बीते 13 फरवरी को रघुवंश नगर के मेहीखंड में 14 साल की किशोरी से हुई गैंगरेप के बाद हत्या मामले में अपनी बात रखते हुए पीड़िता के परिजनों ने मंत्री लेसी सिंह, रूपौली से निर्दलीय विधायक शंकर सिंह और स्थानीय थानेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए गैंगरेप के आरोपी अजीत झा और मिट्ठू सिंह का बचाव करने और केस को कमजोर करने और धमकाने का आरोप लगाया।

परिजनों ने कहा कि किशोरी के गुप्तांग से खून आ रहा था। दोनों गालों पर दांत से काटे जाने के काले निशान दें, पूरे शरीर पर खरोंच थी। इसके बावजूद भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रेप की पुष्टि तक नहीं हुई। अगर ऐसा है तो बेटी की हत्या क्यों की गई और उसके शरीर पर जख्म के ये निशान कहां से आए। दोनों आरोपियों को छोड़ दिया गया। अब उन लोगों पर आरोपी पक्ष की ओर से केस उठाने का दवाब बनाया जा रहा है। मंत्री लेशी सिंह, विधायक शंकर सिंह, स्थानीय पुलिस और वरीय पुलिस पदाधिकारी उसका साथ दे रहे हैं। वरना घटनाक्रम को इतना लंबा समय बीत गया, उन्हें अब तक इंसाफ क्यों नहीं मिल सका। अब उन्हें केस न उठाने पर जान से मारने की धमकी मिल रही है।

वे मांग करते हैं कि उनकी बेटी के आरोपियों को सख्त सजा दी जाए। वरना आज उनकी बेटी के साथ ऐसा हुआ कल किसी और की बेटी होगी। नेता ऐसे लोगों का बचाव करेंगे तो उन्हें न्याय कैसे मिल सकेगा। गुंडे, बदमाशों और रेपिस्ट का मनोबल बढ़ेगा। जिस तरह की चीजें उनके साथ हो रही हैं। पीड़िता के परिजनों का पक्ष जानने के बाद नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वे इस मामले को लेकर डीजीपी से मिलेंगे और जल्द से जल्द पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग हैं।

पुलिस और पदाधिकारियों को हर कार्य दिवस पर पहननी होगी निर्धारित वर्दी

पुलिस की छुट्टियों पर लगी रोक

पटना (एजेंसियां)। वर्तमान परिस्थितियों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए बिहार पुलिस मुख्यालय और बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंद्र ने अलग-अलग दो आदेश जारी किया है। सभी पुलिस सेवा में लगे पुलिसकर्मियों की छुट्टियों पर रोक लगा दिया गया है। वहीं, बिहार पुलिस मुख्यालय ने एक नया आदेश जारी किया है। वर्दी से संबंधित पुराने निर्देश को निरस्त कर नए आदेश जारी किया है।

इस आदेश के मुताबिक, अब पुलिस मुख्यालय में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को (विशेष शाखा, अपराध अनुसंधान विभाग, आर्थिक अपराध इकाई, कमजोर वर्ग एवं मद्य निषेध को छोड़कर) प्रत्येक कार्य दिवस में निर्धारित वर्दी पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

इससे पहले पुलिसकर्मियों को समाह के सोमवार और शुक्रवार को सिविल ड्रेस में आने की अनुमति थी। लेकिन, वर्तमान राष्ट्रीय परिपेक्ष और उच्च स्तरीय बैठकों की बढ़ती आवृत्ति को देखते हुए यह आदेश संशोधित किया गया है। बिहार पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि पांच इकाईयों को इस दायरे में छूट दी गई है। जबकि सभी पुलिसकर्मियों को वर्दी में उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। यह अगले आदेश तक जारी रहेगा।

बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेंद्र ने एक पत्र जारी करते हुए राज्य के सभी पुलिस सेवा के कर्मियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि वर्तमान परिस्थितियों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए सभी पुलिसकर्मियों को अपने पदस्थापन स्थल पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहना होगा।

आदेश के मुताबिक किसी भी परिस्थिति में अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। केवल अत्यंत आवश्यक परिस्थिति में ही छुट्टी देने पर विचार किया जा सकता है। इस आदेश का उद्देश्य राज्य में शांति, कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती बनाए रखना है। वहीं राज्य सरकार ने बिहार के सभी जिलों के संबंधित अधिकारियों को इस आदेश का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है।

दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से डीजे पिकअप चालक की मौत

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के पचरुखी थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक अनियंत्रित ट्रक ने पचरुखी बाइपास पर डीजे लदे पिकअप वैन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में पिकअप ड्राइवर सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को आनन-फानन में सीवान सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान ड्राइवर की मौत हो गई। अन्य दो घायलों की हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया।

मृतक की पहचान पचरुखी में हुई है। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम दिलशाद अली (27) है, जो पचरुखी थाना क्षेत्र के कोदई गांव निवासी तैयब अली का पुत्र था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दिलशाद अली अपने पिकअप वैन में डीजे लोड करके लहेजी गांव में एक शादी समारोह में डीजे बजाने गया था। रात में समारोह खत्म होने के बाद वह अपने दो साथियों के साथ घर लौट रहा था। पचरुखी बाइपास के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पचरुखी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइपास पर अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से इस मार्ग पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है।

इस हादसे से मृतक के परिवार में शोक की लहर है। दिलशाद अली अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच कर रही है।

तेजस्वी यादव ने सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों से की मुलाकात, की आर्थिक मदद

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कटिहार जिले के कुरसेला में हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 8 लोगों के परिवारों से मुलाकात की। यह हादसा उस समय हुआ जब कुछ लोग शादी में शामिल होने जा रहे थे। तेजस्वी यादव ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख साझा किया।

उन्होंने कहा कि यह घटना पूरे समाज को हिला देने वाली है और पार्टी इस कठिन समय में पूरी तरह से पीड़ित परिवारों के साथ है।

राजद पार्टी की तरफ से मृतकों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये और घायलों को 20-20 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई।

तेजस्वी यादव पूर्णिया जिले के बड़हरा कोठी प्रखंड के दीबराधनी और लतराहा पंचायत में पहुंचे, जहां उन्होंने पीड़ितों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। दुर्घटना में जिन लोगों की मौत हुई, उनमें टुनटुन मंडल, प्रिंस कुमार, धीरज पोद्दार, ज्योति कुमार, रूपेश मंडल, शिको कुमार, राधा मंडल और अजय कुमार शामिल हैं। तेजस्वी यादव ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

बिहार सरकार की खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने पूर्णिया जिले के बनमनखी विधानसभा क्षेत्र में सड़क हादसे में मारे गए 8 युवाओं के परिजनों से मुलाकात की। यह दर्दनाक हादसा सोमवार रात बी.कोठी प्रखंड के दिबराधनी और लतराहा पंचायत में हुआ था। मंत्री लेशी सिंह ने शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी और अपनी ओर से हर परिवार को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। उन्होंने कहा, 'यह केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि कई परिवारों के सपनों का टूट जाना है।'

लेशी सिंह ने कहा कि यह दुखद घटना पूरे समाज को झकझोर देने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं इस कठिन समय में इन परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी हूं। इनका दर्द मैं अपना समझती हूं। हो सकता है यह घाव कभी न भर पाए, लेकिन हम सबको मिलकर इन परिवारों को सहारा देना होगा।' इस मौके पर बनमनखी के विधायक कृष्ण कुमार ऋषि भी मंत्री के साथ मौजूद थे। मंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की।

बेगूसराय के लाल पवन पंडित देश सेवा के दौरान शहीद

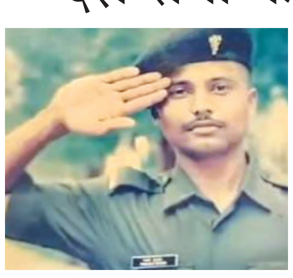

मध्यप्रदेश के जबलपुर आर्मी कैंप में थे तैनात

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय निवासी आर्मी जवान की मौत होने से इलाके में सन्नाटा पसर गया। वह फिलहाल मध्यप्रदेश के जबलपुर आर्मी कैंप में तैनात थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात एकाएक सिर दर्द हुआ। इसके बाद इलाज के क्रम में मृत्यु की बात सामने आई।

बता दें कि शहीद आर्मी जवान जिले के नावकोठी प्रखंड के छतौना निवासी पवन कुमार पंडित थे। वह साल 2005 से ही राष्ट्र की सेवा के लिए सेना में कार्यरत थे। बेगूसराय जिले के लिए एक हफ्ते के भीतर यह दूसरी क्षति है। जब देश की सेवा करने वाले जवान शहीद हुए हैं। इससे पहले कश्मीर में हुए बस हादसे में बरौनी प्रखण्ड के अमरपुर निवासी सेना के एक जवान शहीद हो गए थे। अब एक और लाल के दुनिया छोड़ जाने के बाद से जिले के लोगों में गम का माहौल है। छतौना में शहीद के घर मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। माता सहित अन्य परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर छाई हुई है।

इस घटना के बाद से छतौना गांव सहित क्षेत्र और जिले में गम छाया हुआ है। एक तरफ जहां पाक के साथ भारत की तनातनी चल रही है। वहीं, एक आर्मी जवान की मौत की बात सुनकर हर कोई परेशान हो उठा। शहीद की मां ने मीडिया को बताया कि 12 मई को वह घर आने वाले थे। पिछले आठ दिनों से उनकी मां से फोन पर बातचीत हो रही थी। आने को लेकर मां भी कई बार कह रही थी, जल्दी ही पूरे परिवार के साथ घर आ जाओ। इस पर जवान ने कहा था, बच्चे के स्कूल में छुट्टी होते ही जल्दी आता हूं। मां बार-बार बेटे को याद कर दहाड़ मारकर रो रही है।

राजस्व कर्मचारियों को हड़ताल समाप्त करने का विभाग का निर्देश

सभी डीएम को जारी किया पत्र

पटना (एजेंसियां)। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों के डीएम के लिये पत्र जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कई जिलों के राजस्व कर्मचारियों द्वारा हड़ताल किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है।

अपर मुख्य सचिव द्वारा सभी समाहर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा गया है कि जिन जिलों में राजस्व कर्मचारी हड़ताल पर हैं, वहां संबंधित डीएम कर्मियों को बुलाकर उनसे वार्ता करें और हड़ताल तोड़ने के लिए कहें। अगर इसके बाद भी कर्मी नहीं मानते हैं, तो इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की जाए।

इन कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन विभागीय मुख्यालय को भी जल्द भेजा जाए। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह के स्तर से जारी इस पत्र में स्पष्ट रूप से यह निर्देश दिया गया है कि किसी जिले में राजस्व कर्मी अकस्मात हड़ताल पर नहीं जायें, इससे सरकार के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम बाधित हो रहे हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि राजस्व कर्मियों के एक गुट ने राज्य मुख्यालय में अपनी सेवा संबंधित समस्याओं एवं मांगों के संबंध में ज्ञापन दिया था। इस पर विभाग के स्तर से गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है। उनकी प्रमुख मांगे ऐसी हैं, जिनका निर्णय वित्त विभाग की सहमति एवं राज्य सरकार का अनुमोदन के पश्चात ही लिया जा सकता है। इनमें राजस्व विभाग के स्तर से निर्णय नहीं लिया जा सकता है। इसके मद्देनजर इन बिन्दुओं पर निर्णय होने में समय लगने की संभावना है।

इस विभागीय आदेश के अनुसार, औपचारिक रूप से किसी भी जिले से कर्मियों के हड़ताल पर जाने से संबंधित कोई भी सूचना आधिकारी तौर पर प्राप्त नहीं हुई है। परंतु अपुष्ट जानकारी के आधार पर जब कुछ जिलों के डीएम से जानकारी प्राप्त की गई, तो उनके स्तर से राजस्व कर्मचारी के हड़ताल पर जाने की बात बताई गई है। इसके आधार पर विभाग के स्तर से यह आदेश जारी किया गया है।

होमगार्ड जवान बहाली में फर्जीवाड़ा

दूसरे के बदले परीक्षा देने वाला अभ्यर्थी बायोमेट्रिक जांच में पकड़ाया

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा जिले के नेहरू स्टेडियम में चल रहे होमगार्ड की बहाली में एक अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, मौके से स्कॉलर फरार हो गया है। इसकी पहचान बायोमेट्रिक जांच के दौरान की गई है।

बताया जाता है कि कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र का रहने वाले विद्यासागर कुमार की जगह विकास कुमार नाम के व्यक्ति ने फिजिकल टेस्ट और योग्यता की परीक्षा दी थी। इसकी पुष्टि सदर डीएसपी अमित कुमार ने करते हुए कहा कि होमगार्ड बहाली के दौरान एक फर्जी अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया गया है। प्रथम दृष्टया ये जानकारी मिली है कि फिटनेस के आधार सौदा तय होने की बात सामने आई है।

बताया जाता है विद्यासागर कुमार की जगह विकास कुमार ने दौड़, ऊंची कूद, गोला फेंकने हुए सभी टेस्ट में वह पास कर चुका था। आगे जब बायोमेट्रिक जांच की गई, जिसमें उसका बायोमेट्रिक का मिलान नहीं होने के बाद यह बड़ा राज खुल गया है और मौके पर मौजूद पुलिस ने विद्यासागर कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, मौके से स्कॉलर फरार हो गया। बताया जाता है कि विद्यासागर कुमार एक लाख रुपये में डील की गई थी। पुलिस अब विद्यासागर कुमार की गिरफ्तारी के बाद विकास कुमार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने में लगी है।

इस संबंध में सदर डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि होमगार्ड जवान की भर्ती में फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। इस दौरान एक अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया गया है। जबकि मौके से स्कॉलर फरार हो गया है। उसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com